हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, मंगलवार 29 जुलाई 2025

ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में महासंग्राम

राजनाथ ने कहा- हमने मां-बहनों का लिया बदला
गोगोई का सवाल, पहलगाम में कैसे आए आतंकी?

लोकसभा में चर्चा के 16 घंटे

सत्तापक्ष और विपक्ष ने एक-दूसरे पर जमकर साधा निशाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार का दिन हंगामेदार रहा। ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा की शुरुआत रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पहलगाम हमले के तुरंत बाद, हमारे सशस्त्र बलों ने कार्रवाई की और नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक निशाना साधा, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। इसके बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सवाल पूछे। गोगोई ने कहा कि राजनाथ सिंह ने बहुत सारी जानकारी दी, लेकिन रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने कभी उल्लेख नहीं किया कि कैसे पाकिस्तान से आतंकवादी पहलगाम पहुंचे और 26 लोगों को मार डाला।

ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में 16 घंटे की चर्चा होने की संभावना है। ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, विपक्ष के कुछ सदस्य पूछ रहे हैं कि हमारे कितने विमान मार गिराए गए? मुझे लगता है कि उनका सवाल हमारी राष्ट्रीय भावनाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करता है। उन्होंने हमसे यह नहीं पूछा है कि हमारे सशस्त्र बलों ने कितने दुश्मन विमानों को मार गिराया? अगर उन्हें कोई सवाल पूछना ही है, तो यह होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया, और इसका जवाब है, हां अगर आपके पास पूछने के लिए कोई सवाल है, तो यह पूछें: क्या इस ऑपरेशन में हमारे किसी बहादुर सैनिक को नुकसान पहुंचा था? जवाब है, नहीं, हमारे किसी भी सैनिक को नुकसान नहीं पहुंचा था। ▶▶शेष पेज 7 पर

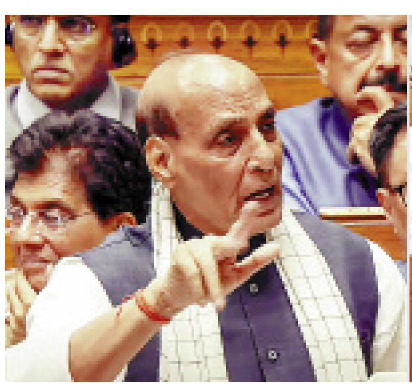

विशेष चर्चा की खास बातें

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोल रहे थे, राहुल अचानक उठकर बोलने लगे
- केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने आतंकियों को शहीद और मसूद अजहर को साहब कहा
- राजनाथ ने कहा- हम हमेशा सत्ता पक्ष में नहीं रहेंगे, सभी हंसने लगे
- सीजफायर पर जयशंकर बोले- मोदी–ट्रंप में कोई बात नहीं, गोगोई बोले- ट्रंप 26 बार दावा कर चुके

भारत-पाक के बीच किसी की मध्यस्थता नहीं : जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई मध्यस्थ नहीं था। सीजफायर की पहल पाकिस्तान की ओर से हुई। पाकिस्तान ने सीज फायर की गुहार लगाई। क्वॉड देशों ने घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि यूएन के 193 में से तीन सदस्यों ने ही इस ऑपरेशन का विरोध किया। जयशंकर ने सुरक्षा मामलों की कैबिनेट ▶▶शेष पेज 7 पर

सत्तापक्ष

देश के विदेश मंत्री पर ही भरोसा नहीं : शाह

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बयान के दौरान विपक्ष के हंगामे पर गृह मंत्री अमित शाह खड़े हुए। उन्होंने कहा कि भारत का विदेश मंत्री यहां बोल रहा है, इनको विदेश मंत्री ▶▶शेष पेज 7 पर

अनुराग ने राहुल पर किया कटाक्ष : भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अब वह 'एलओपी' (विपक्ष के नेता) से 'एलओबी' (लीडर ऑपोजिंग भारत) बन गए हैं और उनके एजेंडे में केवल भारतीय सेना तथा प्रधानमंत्री का विरोध करना लिखा है।

विपक्ष

प्रियंका का आया बयान : ऑपरेशन सिंदूर पर एस जयशंकर की टिप्पणी पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि विदेश मंत्री ने स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि अमेरिका इसमें शामिल था या नहीं।

ओवैसी ने भारत-पाक मैच पर उठाए सवाल : एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, आतंकवाद एवं बातचीत भी साथ-साथ संभव नहीं है। दोनों देशों के बीच व्यापार भी पूरी तरह से बंद है और इस स्थिति में दोनों देशों के बीच क्रिकेट मैच के लिए कैसे अनुमति दी जा सकती है?

पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लें गृह मंत्री: कांग्रेस:

लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने सोमवार को केंद्र पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी अब तक गिरफ्त से बाहर क्यों हैं और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कितने विमान गिरे थे। संसद के निचले सदन में पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा' में ▶▶शेष पेज 7 पर

इधर, ऑपरेशन महादेव

- कश्मीर के श्रीनगर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए तीन आतंकवादी
- मारे गए आतंकियों में एक के पहलगाम हमले में शामिल होने का संदेह

पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड आतंकी मूसा का चैप्टर क्लोज!

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के पास लिडवास इलाके में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त रूप से 'ऑपरेशन महादेव' चलाकर पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड और 20 लाख के इनामी लश्कर-ए-तैयबा कमांडर हाशिम मूसा समेत तीन आतंकियों को मार गिराया। हालांकि उसकी पहचान की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। दो दिन चले इस ऑपरेशन में सेना को सोमवार को सफलता मिली। दुर्गम और ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों में कुख्यात आतंकियों को मारकर पहलगाम हमले का बदला लिया।

सेना ने हरवान के जंगलों में एक तकनीकी संकेत मिलने के बाद यह अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि यह तकनीकी संकेत पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए गए उपकरण के ▶▶शेष पेज 7 पर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बड़ी सफलता

पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी कैंप को पाकिस्तान और पीओके में तबाह कर दिया था, जिसमें 100 से अधिक आतंकी मारे गए। अब ऑपरेशन महादेव में सेना ने हमले के मुख्य आरोपियों को मार गिराकर एक बड़ी रणनीतिक जीत हासिल की है। सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन महादेव अभी समाप्त नहीं हुआ है। बाकी बचे 2-4 आतंकियों की तलाश लिडवास और आसपास के जंगलों में जारी है।

कहां और कैसे चला ऑपरेशन: ऑपरेशन महादेव की योजना सेना की चिनार कॉर्प्स द्वारा बनाई गई और इसे जम्मू-कश्मीर के लिडवास इलाके में अंजाम दिया गया। यह इलाका घने जंगलों और ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्तों से घिरा है, जहां आतंकियों ने अस्थायी बंकर बना रखा था। सूत्रों के मुताबिक, दो दिन पहले दाचीगाम के जंगलों में आतंकियों के बीच हो रही एक संदिग्ध बातचीत पकड़ी गई थी।

कैसे हुई पहचान और ट्रैकिंग: आतंकियों के संभावित ठिकानों की पुष्टि स्थानीय लोगों और गश्त कर रही यूनिटों की मदद से हुई। इसके बाद इलाके में 24 राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा की स्पेशल यूनिट्स को तैनात किया गया। लगातार दो दिन तक सर्च ऑपरेशन चलता रहा और सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे आतंकियों से मुठभेड़ हुई। सेना ने चुपचाप आतंकियों को घेर लिया, ताकि उन्हें भनक तक न लगे।

कौन था हाशिम मूसा?: हाशिम मूसा लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के संयुक्त मॉड्यूल का हिस्सा था। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का मुख्य साजिशकर्ता था। इस भीषण आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उस पर 20 लाख का इनाम घोषित किया था।

मुख्यमंत्री साय ने कहा- ग्रीन स्टील उत्पादन पर मिलेगा विशेष अनुदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, नई औद्योगिक नीति में सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और इज़ ऑफ डूइंग बिजनेस की प्रक्रिया को लागू किया गया है। साथ ही 350 से अधिक नीतिगत सुधार किए गए हैं, जिनका सीधा लाभ स्टील सेक्टर में किए गए निवेशकों को मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा, ग्रीन एनर्जी को अपनाने वाले औद्योगिक संस्थानों को ▶▶शेष पेज 7 पर

- ग्रीन स्टील और माइनिंग समिट में शामिल हुए सीएम साय

देश को स्टील हब बनाने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को स्टील हब बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उनके नेतृत्व में देश में स्टील उत्पादन 100 मिलियन टन से बढ़कर 200 मिलियन टन हो गया है, और वर्ष 2030 तक इसे बढ़ाकर 300 मिलियन टन तक पहुँचाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में भी स्टील की वर्तमान उत्पादन क्षमता 28 मिलियन टन से बढ़ाकर 45 मिलियन टन करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।

'अंजोर विज़न' में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को प्रमुखता

मुख्यमंत्री ने उपस्थित उद्यमियों को बताया कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की परिकल्पना पर आधारित अंजोर विजन डाक्यूमेंट तैयार कर लिया गया है। इस दस्तावेज़ में चरणबद्ध रूप से विकास की ▶▶शेष पेज 7 पर

नकदी बरामदगी मामला

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- जांच पूरी होने का क्यों नहीं किया इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से उनकी उस याचिका को लेकर सवाल किए, जिसमें उन्होंने नकदी बरामदगी मामले में आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट को चुनौती दी है। न्यायालय ने उनसे पूछा कि इस प्रक्रिया में भाग लेने के बाद वह इस पर सवाल कैसे उठा सकते हैं। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा से पूछा कि उन्होंने जांच पूरी होने और रिपोर्ट जारी होने का इंतजार क्यों किया। पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा, वह (वर्मा) जांच समिति के सामने क्यों पेश हुए? क्या आप अदालत इसलिए आए थे कि वीडियो हटा दिया जाए? आपने जांच पूरी होने और रिपोर्ट जारी होने का इंतज़ार क्यों किया?

30 को सुनवाई

न्यायालय अब इस मामले पर 30 जुलाई को सुनवाई करेगा। पीठ ने कहा कि आपको याचिका और कानून की चार सीमाओं के आधार पर हमें संतुष्ट करना होगा। यह पत्र प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने किसे भेजा? न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। प्रधानमंत्री को इसलिए क्योंकि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सलाह और सहयोग से कार्य करते हैं। तो फिर इन पत्रों को भेजने का यह कैसे अर्थ निकाला जा सकता है कि यह संसद के महाभियोग चलाने के लिये है?

19 साल की शतरंज खिलाड़ी देशमुख ने रचा इतिहास

दिव्या ने हम्पी को दी मात, जीता वर्ल्ड कप, बनीं ग्रैंडमास्टर

एजेंसी ▶▶ बातुमी

भारत की 19 वर्षीय युवा महिला शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने बातुमी, जॉर्जिया में हमवतन कोनेरू हम्पी को टाईब्रेकर में हराकर फिडे महिला विश्व कप 2025 का खिताब जीत लिया। दिव्या ने ना सिर्फ इस टूर्नामेंट को जीता बल्कि वो इसके साथ ही ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। वो ग्रैंडमास्टर बनने वाली भारत की चौथी महिला खिलाड़ी और ओवरऑल 88वीं खिलाड़ी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला ▶▶शेष पेज 7 पर

वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला भारत की ही कोनेरू हम्पी को फाइनल में हराया

ग्रैंडमास्टर बनने वाली चौथी महिला खिलाड़ी बनीं

दिव्या अब हम्पी, डी हरिका और आर वैशाली के साथ देश की ग्रैंडमास्टर बनने वाली महिलाओं की सूची में शामिल हो गई हैं। हम्पी 38 साल की हैं और 2002 में ग्रैंडमास्टर बनीं जबकि दिव्या का जन्म 2005 में हुआ। दिव्या ने शुरुआती टाईब्रेकर में हम्पी पर दबाव बनाए रखा और फिर दूसरे टाईब्रेकर में जीत दर्ज की।

जीत के बाद भावुक हो गईं दिव्या

इस जीत के बाद भावुक दिव्या अपने आंसू नहीं रोक पाईं। हम्पी ने दिव्या के खिलाफ हारने से पहले आखिर तक संघर्ष किया। इस जीत के बाद दिव्या ने कहा कि मुझे इसे (जीत को) समझने के लिए समय चाहिए। मुझे लगता है कि यह किस्मत की बात थी कि मुझे इस तरह ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला क्योंकि इस टूर्नामेंट से पहले मेरे पास एक भी (ग्रैंडमास्टर) नॉर्म नहीं था और अब मैं ग्रैंडमास्टर हूं।

पिकअप पलटी, अंडा लूटने ग्रामीणों में मची होड़

बर्तन-बाल्टी में भरकर ले गए अंडे, वीडियो हुआ वायरल

जशपुरनगर। जिले के बागबहार थाना क्षेत्र अंतर्गत कुकरगांव के पास रविवार की सुबह एक अंडों से लदा तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अंडों को लूटने बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीण बर्तन, बाल्टी और टोकरी में अंडे भरकर घर ले जाते नजर आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप वाहन खरसिया से कांसाबेल की ओर जा रहा था। कुकरगांव मोड़ पर गति अधिक होने के चलते चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क किनारे पलट गया। हादसे में वाहन को क्षति तो पहुंचा, लेकिन चालक सुरक्षित बच निकला और फरार हो गया। चालक के फरार होते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए और अंडों से भरे कैरेट लूटने लगे। किसी ने कैरेट उठाई, तो किसी ने बाल्टी में अंडे भरे। कुछ लोग बाइक में भरकर अंडे ले जाते दिखे। यह पूरा वाकया आसपास मौजूद लोगों ने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। फिलहाल पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

नरहरा जलप्रपात के रोप-वे में हादसा, 12 लोग गिरकर हुए घायल

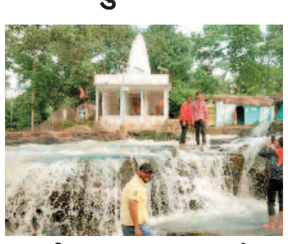

धमतरी। नरहरा जलप्रपात पर्यटन में एडवेंचर के लिए बनाए गए रोप-वे के टूटने से 10 से 12 लोगों के घायल होने की खबर है। केरेगांव रेंजर ओंकार सिन्हा ने बताया कि नरहरा पर्यटन में बच्चों के रोमांच के लिए रोप-वे बनाया गया था। शाम के समय विभागीय कर्मचारी नहीं थे। समिति के सदस्यों ने लोगों को रोप-वे में चढ़ने से मना किया कि अभी इसका पोल ठीक से जाम नहीं हुआ है फिर भी लोग नहीं माने। ज्यादा संख्या में रोप-वे पर चढ़ने से गिर गए। उस पर चढ़े लोगों को हल्की चोट पहुंची थी। रोप-वे करीब 10 फीट की ऊंचाई पर बना था।

डीएसपी की शादी, परिवार का सामाजिक बहिष्कार

बिलासपुर। सरगुजा संभाग में पदस्थ डीएसपी ने दूसरे समाज की युवती से शादी कर ली। इससे उनके समाज के लोगों ने गांव में रहने वाले परिजन का सामाजिक बहिष्कार कर दिया, परिजन को प्रताड़ित करना भी शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रताड़ित करने वालों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। कोटा पुलिस के अनुसार, सकरी आसमा सिटी निवासी मैखेलेन्द्र प्रताप सिंह पुलिस विभाग में डीएसपी के पद पर पदस्थ हैं। वर्तनान में सरगुजा संभाग में उनकी पदस्थापना है। उन्होंने दूसरे समाज की युवती से शादी की है। इससे उनके गांव बेलगहना मानिकपुर में रहने वाले भाई बहन को समाज के लोगों ने सामाजिक बैठक लेकर बहिष्कृत कर दिया। समाज के लोग उनके परिजन को प्रताड़ित भी कर रहे हैं। उनके परिजन को रिश्तेदारों के यहां शादी व अन्य कार्यक्रम होने पर शामिल नहीं होने दिया जा रहा है। समाज के लोगों की प्रताड़ना से त्रस्त होकर भाई बहन ने डीएसपी को जानकारी दी। डीएसपी श्री सिंह ने कोटा थाने में प्रताड़ित करने वाले समाज के लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने उनकी रिपोर्ट पर वीरेन्द्र कुमार सिंह, श्रवण सिंह, धर्मेन्द्र पाल एवं अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 7, 2, 296, 3, 5, 351, 2 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

बरदेभाटा में चाकू मारकर कर दी युवक की हत्या

कांकेर। शहर के बरदेभाटा चौक में 28 जुलाई की देर शाम लगभग साढ़े 6 बजे के आसपास चाकू मारकर युवक की हत्या कर दी गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए। कांकेर मेडिकल कालेज भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। संदिग्ध आरोपियों की तलाश जारी है। युवक शिव बाल्मिकी 22 साल पिता तिजूराम निवासी टिकरापारा कांकेर सोमवार शाम बरदेभाटा की ओर गया था, जहां उसे किसी ने चाकू मार कर घायल कर दिया। युवक ने अपने दोस्त आदर्श ठाकुर को शाम 6 बजकर 33 मिनट पर काल करके बताया कि मुझे चाकू मार दिया गया है। मैं मरने वाला हूँ, जिस पर वह अपने दोस्त के साथ तत्काल कार सेलून के निकट पहुंचा, जहां युवक घायल अवस्था में पड़ा था।

मुख्यमंत्री साय ने मंत्रोच्चारण के साथ की विशेष पूजा-अर्चना

कावड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, डॉ.रमन मुख्यमंत्री साय ने किया शिवभक्तों का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरुण साव, विधायक भावना बोहरा ने राज्य के प्राचीन, पुरातात्विक, धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थल बाबा भोरमदेव मंदिर में सैकड़ों किलोमीटर पदयात्रा कर जलाभिषेक करने आने वाले हजारों कावड़ियों पर हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर स्वागत व अभिनंदन किया।

खास खबर

हर-हर महादेव और बोलबम के जयघोष के साथ श्रद्धालुओं और हजारों पदयात्री कावड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए भोरमदेव परिसर में आत्मीयता से मुलाकात की। बाबा भोरमदेव मंदिर परिसर श्रद्धा, भक्ति के अद्भुत दृश्य ने श्रद्धालुओं को उत्साहित किया। पूरा परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब मुख्यमंत्री स्वयं श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा के माध्यम से स्वागत कर रहे हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा और श्री साव के साथ भोरमदेव बाबा भगवान शिव जी का दर्शन कर मंत्रोच्चारण के साथ विशेष पूजा-अर्चना और रुद्राभिषेक किया तथा प्रदेश की समृद्धि एवं खुशहाली की कामना कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में बोल-बम कावड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात कर हाल चाल जाना और अभिवादन किया।

विधायक भावना का सीएम ने किया सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शिव भक्त कावड़ियों और श्रद्धालुओं से कहा कि आज सावन मास के तीसरे सोमवार को बाबा भोरमदेव की पावन धरती पर आकर शिवभक्तों के साथ जुड़ना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य और गर्व का विषय व पल है। हजारों श्रद्धालु सैकड़ों किलोमीटर की पदयात्रा कर भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने यहां पहुंचे हैं, यह हमारी आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की जीवंत मिसाल है। यहां पहुंचकर भगवान भोलेनाथ से प्रदेश के सभी लोगो की सुख शांति समृद्धि के लिए कामना किया हूं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अमरकंटक से 151 किलोमीटर पदयात्रा कर भोरमदेव मंदिर में जलाभिषेक करने वाली पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा को भगवा वस्त्र और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किए।

बुधवार को मंत्रालय में होगी बैठक

साय कैबिनेट कल रजत जयंती और खेती किसानी पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 30 जुलाई को कैबिनेट की बैठक होगी। मंत्रालय में सुबह 11 बजे से होगी। बैठक में खरीफ सीजन में खाद उपलब्धता पर चर्चा होने की संभावना है। कैबिनेट में रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा हो सकती है। साथ ही कई महत्वपूर्ण विभागीय प्रस्तावों पर भी मुहर लग सकती है।

बैठक में खरीफ सीजन में मानसून की स्थिति के बाद फसल के बोनी की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।साथ ही प्रदेश में डीएपी की कमी को पूरा करने के प्रयासों के संबंध में कृषि मंत्री कैबिनेट को जानकारी दे सकते हैं। कैबिनेट की बैठक में मंत्रिमंडलीय उप समिति के द्वारा राजनीतिक मामलों में लिए गए निर्णयों पर चर्चा के बाद मुहर लगाई जाएगी। कैबिनेट की सहमति के बाद राजनीतिक प्रकरणों की वापसी के लिए भेजा जाएगा। अन्य विभागों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाएंगे।

दो चरणों में छत्तीसगढ़ की रजत जयंती

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। प्रदेश में 176 दिन तक रजत जयंती समारोह की धूम दिखाई देगी। रजत जयंती के अवसर पर 15 अगस्त से 6 फरवरी 2026 तक सभी विभागों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पहला चरण 15 अगस्त से 31 अक्टूबर तक होगा, जिसमें 78 दिन शामिल हैं। वहीं दूसरा चरण 1 नंवबर से 6 फरवरी 2026 तक होगा, जिसमें कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जो 98 दिन का होगा।

नेशनल हाइवे पर हुए दो हादसे

नहीं थम रहा रफ्तार का कहर फिर सड़क पर बैठे 24 मवेशियों को भारी वाहनों ने कुचला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

शहर के आउटर में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीती रात अज्ञात वाहन के चालक ने बेलगाम खतरनाक तरीके से चलाते हुए नेशनल हाइवे ग्राम कडार में मवेशियों को कुचल दिया। हादसे में 18 मवेशियों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। इसी तरह मस्तूरी मार्ग पर 6 मवेशियों को कुचलने के बाद चालक गाड़ी से लेकर भाग गया। पुलिस दोनों मामले में जांच में जुट गई। बहरहाल देर रात तक वाहनों का पता नहीं चल पाया था।

चकरभाठा पुलिस के अनुसार, रविवार की रात एनएस 200 सारधा मोड़ कड़ार के पास सड़क पर मवेशी झुंड बनाकर बैठे हुए थे। देर रात करीब 12 से 3 बजे के बीच अज्ञात वाहन के चालक ने खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाते हुए सड़क पर बैठे 19 मवेशियों को कुचल दिया। हादसे में 18 मवेशियों की मौत हो गई और 1 घायल हो गया है। चीख सुनकर गांव वाले हाइवे पर जाकर देखे तो सड़क पर मवेशी खून से लथपथ पड़े हुए थे। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए जमकर हंगामा मचाया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मवेशियों को सड़क से उठाकर किनारे कराया गया। पुलिस ने कड़ार के सरपंच बृजेश दुबे की रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन के चालक के खिलाफ 281, 325, 184 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया गया है।

मस्तूरी लावर में 6 मवेशियों को कुचला

बीती रात 12 से 3 बजे के बीच नेशनल हाइवे 49 लावर मोड़ के पास अज्ञात वाहन के चालक ने 6 मवेशियों को कुचल दिया। हादसे में सभी मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर सोमवार की सुबह गौसेवा के सदस्यों ने मौके पर पहुंचकर मृत मवेशियों को दफनाया। पुलिस ने गौरक्षा के सदस्य ढेका निवासी विकास यादव की रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन के चालक के खिलाफ 281, 325 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

14 दिन पहले 13 मवेशियों की मौत हुई थी

विगत 14 जुलाई की रात रतनपुर पेंड्रा मार्ग में बारीडीह के पास अज्ञात वाहन के ड्राइवर ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए सड़क पर बैठे मवेशियों को कुचल दिया था। हादसे में 13 मवेशियों की मौत हो गई और 4 घायल हुए थे।

दो मवेशी संचालकों के खिलाफ जुर्म दर्ज

टीआई उत्तम साहू ने बताया, चकरभाठा हादसे में मृत 4 मवेशियों के मालिकों का पता लगा लिया गया है। चारों मृत मवेशी कडार निवासी विजय वर्मा पिता झोरूराम वर्मा, कमलेश्वर वर्मा पिता रतन वर्मा की है। पुलिस ने दोनों मवेशी मालिक के खिलाफ बीएनएस की धारा 291 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है। वहीं अन्य मृत मवेशियों के मालिक का पता लगाया जा रहा है। उनके खिलाफ भी जुर्म दर्ज किया जाएगा।

हाईकोर्ट के फटकार के बाद भी सड़क में घूम रहे मवेशी

पूर्व में रतनपुर हादसे में 13 मवेशियों की मौत के मामले को हाईकोर्ट ने संज्ञान में लेते हुए नाराजगी जताई है। उसके बाद रतनपुर मार्ग में पुलिसकर्मियों के द्वारा सड़क में बैठने वाले मवेशियों को हटाया जा रहा था और उनके गले में रेडियम पट्टी लगाई जा रही थी। उसके बाद भी मवेशी मालिक की लापरवाहियों के चलते सभी नशेनल हाइवे में बेखौफ मवेशी झुंड बनाकर सड़क में बैठे रहते हैं।

पीएचई में सब इंजीनियर भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण का पालन नहीं

बिलासपुर। पीएचई में सब इंजीनियर भर्ती प्रक्रिया में बिलासपुर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करने को लेकर याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि बैकलाग पदों के छोड़कर 102 विज्ञापित पदों में अनुसूचित जनजाति के कुल 32 पद आरक्षित किए जाने चाहिए, लेकिन विभागीय अधिकारी 20 पदों पर भर्ती ले रहे हैं। नियुक्ति में आरक्षण रोस्टर के साथ ही सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश का पालन नहीं किया जा रहा है। ऐसा नहीं करने से वह एक अच्छे अवसर से वंचित हो रही है। याचिकाकर्ता रश्मि वाकरे ने याचिका में बताया है कि पीएचई में सब इंजीनियर भर्ती के लिए जारी 102 पद में 52 अनारक्षित, 15 अजा, 20 अजजा व 15 प्रतिशत ओबीसी के लिए आरक्षित रखा गया है।

आरक्षक पर महादेव सट्टा एप के संचालन का आरोप, फरार सटोरिये ने वायरल किया वीडियो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

प्रदेश के बहुचर्चित महादेव सट्टा एप मामले में एक नया मोड़ आया है। सट्टा कारोबार के मामले में फरार चल रहे सटोरिया सत्यम केशरी ने वीडियो जारी कर पुलिस विभाग के ही एक आरक्षक पर गंभीर आरोप लगाया है। सटोरिया का आरोप है कि सरगुजा में महादेव सट्टा एप का संचालन खुद आरक्षक प्रवीण सिंह द्वारा ही किया जाता था और उसे एक महीने में ही 48 लाख रुपए तक का मुनाफा कमा कर दिया गया। इस सट्टा कारोबार का संचालन भी आरक्षक के किराए पर संचालित मकान में किया जाता था। सटोरिया का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है और पुलिस विभाग की कार्यशैली सवालों के घेरे में आ गई है। वीडियो वायरल होने के बाद एसएसपी ने इसकी जांच के निर्देश दे दिए है। बता दें कि पूर्व की भूपेश बघेल सरकार में महादेव सट्टा कारोबार चर्चा में आया और इस सट्टा कारोबार का जाल प्रदेश से लेकर विदेश तक फैला हुआ था। इस सट्टा कारोबार का संचालन सरगुजा जिले में भी किया जाता था और सट्टा कारोबार के मामले में पुलिस ने कई बड़ी कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है जबकि कई आरोपी अभी भी फरार चल रहे है और इनमें से ही एक सटोरिया सत्तीपारा निवासी सत्यम केशरी ने एक वीडियो वायरल किया है।

सरगना तक नहीं पहुंची पाई पुलिस

बड़ी बात यह है की सटोरिया सत्यम केशरी दीप मुख्य सट्टा किंग दीप सिन्हा के लिए काम करता है। इतना ही नहीं सत्यम का भाई शुभम केशरी भी दीप सिन्हा के लिए काम करता है। पूर्व में पुलिस ने अमित मिश्रा उर्फ पहलू के साथ उसके भाई शुभम केसरी को भी गिरफ्तार किया था। फिलहाल सत्यम केसरी और दीप सिन्हा फरार चल रहे है जबकि पुनः सरगुजा पुलिस ने सरगना अमित मिश्रा उर्फ पहलू को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

की जा रही है जांच

वायरल वीडियो की जानकारी मिली है। इस मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी। वायरल वीडियो की जांच का जिम्मा एडिशनल एसपी को दिया गया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

-राजेश अग्रवाल
एसएसपी सरगुजा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा से भी होगी मुलाकात

सीएम साय कल जाएंगे दिल्ली, रात को देंगे सांसदों को भोज, केंद्रीय मंत्रियों से भी मिलेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का एक बार फिर से दिल्ली का दो दिनों का दौरा होने वाला है। वे यहां से 30 जुलाई को दिल्ली जाएंगे। 30 की रात को ही दिल्ली में उनका सांसदों के साथ भोज होगा। इसी दिन जिन केंद्रीय मंत्रियों से मिलने का समय मिलेगा, उनसे मुलाकात होगी। इसी के साथ दूसरे दिन भी उनकी केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात का कार्यक्रम है। उनका भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कुछ और केंद्रीय मंत्रियों और राष्ट्रीय नेताओं के साथ मुलाकात का कार्यक्रम है। दिल्ली में इस समय लोकसभा का सत्र चल रहा है। इस सत्र में शामिल होने के लिए प्रदेश के सभी सांसद इस समय दिल्ली में हैं। इस बीच मुख्यमंत्री श्री साय का भी दिल्ली दौरा हो गया है। मुख्यमंत्री 30 जुलाई को दिल्ली जा रहे हैं। इस दौरे में वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। जब भी मुख्यमंत्री की दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात होती है, तो छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल के विस्तार के साथ निगम, मंडल, आयोग के बचे पदों को लेकर चर्चा हो सकती है। मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के सांसदों से भी 30 जुलाई की रात्रि में मुलाकात करेंगे और उनको भोज देंगे। मुख्यमंत्री कई बार संसद सत्र के दौरान प्रदेश के सांसदों को भोज दे चुके हैं। एक बार फिर ऐसा आयोजन किया जा रहा है।

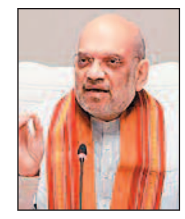

शाह से होगी नक्सल मुद्दे पर चर्चा

मुख्यमंत्री की केंद्रीय मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात होगी। इस मुलाकात में उनकी नक्सल मुद्दे पर चर्चा होगी। अमित शाह ने अगले साल मार्च तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का ऐलान किया है। इस दिशा में प्रदेश में क्या हो रहा है, इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री को श्री साय जानकारी देंगे। इसी के साथ आगे की रणनीति पर बात होगी।

रायपुर
मंगलवार, 29 जुलाई 2025
श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी
वर्ष : 24, अंक : 13
पृष्ठ : 12+4+4+8 = 28 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 28.9
न्यून. 24.3

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

सोमवार रात 11:28 बजे से प्रारंभ हुई पंचमी तिथि, त्रियोग में रात्रि 12:23 बजे तक पूजे जाएंगे नाग देव

आज रहेगा शिव योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और सिद्धि योग

नाग पंचमी आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विशेष योग में नाग देवता आज पूजे जाएंगे। श्रावण मास में मनाई जाने वाली नाग पंचमी तिथि का प्रारंभ सोमवार रात्रि 11 बजकर 28 मिनट से हो गया है, लेकिन उदया तिथि के आधार पर मंगलवार को नाग पंचमी मनाई जाएगी। मंगलवार मध्यरात्रि पश्चात 12 बजकर 23 मिनट तक पंचमी तिथि व्याप्त रहेगी। ज्योतिष गणना के अनुसार इस बार नाग पंचमी पर कई दुर्लभ संयोग बन रहे हैं। इस दिन शिव योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और सिद्धि योग का संयोग बन रहा है, जिसमें नागदेव की पूजा करने से शुभ फल प्राप्त होगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार पूरे दिन पूजा-अर्चना की जा सकती है, लेकिन नाग पंचमी के दिन पूजा का विशेष मुहूर्त सुबह 4:32 बजे से लेकर दोपहर 1:25 बजे तक रहेगा। इस दौरान पूजन करना अधिक फलदायी रहेगा। भगवान शंकर को समर्पित श्रावण मास में श्रद्धालु व्रत, उपवास और शिव पूजन के माध्यम से भगवान शंकर को प्रसन्न कर उनकी कृपा प्राप्त करते हैं। नाग पंचमी पर आज ▶▶|शेष पेज 7 पर

उदया तिथि के आधार पर आज मनेगी नाग पंचमी, पूजन और व्रत के लिए शुभ संयोग

कड़ु चीजों का भोग लगाएं

नाग देव को करेला सहित अन्य कड़ु चीजों का भोग लगाकर स्वयं भी ग्रहण करें। इससे विष का भय नहीं होता है। दूध, दही, मधुरस अथवा पंचामृत से विशेष अभिषेक करें।

- पं.आशीष शास्त्री
भोरमदेव मंदिर

दोष मुक्ति के लिए होगा पूजन

छत्तीसगढ़ के प्राचीन भोरमदेव मंदिर में प्रातःकाल से पूरे दिन विशेष अभिषेक का क्रम जारी रहेगा। दोष निवारण के लिए विशेष पूजन किया जाएगा। मंदिर प्रबंधन ने इसके लिए तैयारी सोमवार को ही पूर्ण कर ली है। रायपुर के नरहरेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी देवशरण शर्मा के मुताबिक, यदि नाग मंदिर समीपस्थ नहीं है तो शिवलिंग पर दूध अर्पित करके नाग देवता की पूजा करनी चाहिए। इस दिन व्रत रखने और ब्राह्मण अथवा गरीब को खीर का भोग खिलाने से पुण्य की प्राप्ति होती है और ग्रह दोष भी शांत होते हैं। अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में कालसर्प योग अथवा राहु-केतु दोष हैं तो इस पूरे दिन विधि-विधान पूर्वक पूजा करने से नाग देवता की विशेष कृपा प्राप्त होगी और सभी तरह के दोष से मुक्ति मिलेगी। मंदिरों में भी दोष निवारण के लिए भक्तगण आज विशेष पूजन करेंगे।

नाग पंचमी पर क्यों की जाती है नागों की पूजा

नाग पंचमी के दिन नागों की विशेष पूजा अर्चना करना चाहिए। पूजा के लिए घी, खीर और गुग्गल का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस अपने परिवार के साथ भोजन करना चाहिए। प्रथम मीठा भोजन करना चाहिए और उसके बाद अपने हिसाब से भोजन कर सकते हैं। नाग पंचमी क्यों मनाई जाती है, नागों का इस तिथि से क्यों खास नाता है, यह जानने के लिए आपको नागों से जुड़ी यह कथा पढ़नी चाहिए। इस कथा का वर्णन अग्नि पुराणों में मिलता है। एक बार राक्षसों और देवताओं ने मिलकर समुद्र का मंथन किया। उस समय समुद्र से अतिशय शेत उच्चैःश्रवा नामका एव अश्च निकला। उसे देखकर नागमाता कद्रू ने अपनी सौत से कहा कि देखो, यह अशेत वर्ण का है, लेकिन इसके बाल काले दिख रहे हे। तब विनता ने कहा कि न तो यह अश्च श्वेत है, न काला है ओर न लाल। यह सुनकर कद्रूः कहा कि मेरे साथ शर्त लगाओ कि अगर मैं इस अश्ववे बालों को कृष्ण वर्ण का दिखा दूं तो तुम मेरी दास हो जाओगी और अगर नहीं दिखा सकी तो मैं तुम्हारी दासी हो जाऊंगी। विनता ने यह शर्त स्वीकार कर ली। इसके बाद कद्रू ने अपने पुत्र नागों को बुलाकर सारी कहानी सुनाई और पुत्रों से कहा कि तुम अश्च के बाल के समान छोटे हो जाए और उच्चैःश्रवा के शरीर में लिपट जाओ, जिससे यह काले रंग का दिखाई देने लगे और मैं अपनी सोत विनता को जीतकर उसे अपनी दासी बना लूंगी। ▶▶|शेष पेज 7 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में चार दोस्तों की गई जान

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले में एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक कार को टक्कर मार दी, जिससे चार दोस्तों की मौत हो गई। चारों रविवार रात बरवाला से अग्रोहा जा रहे थे, तभी अग्रोहा थानाक्षेत्र में नंगथला गांव के पास खाद से भरे ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। इस हादसे में चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और कार क्षतिग्रस्त हो गई।

दो दर्जन छात्र-छात्राएं कीटनाशक से बीमार

बुलंदशहर। बुलंदशहर जिले के थाना खानपुर क्षेत्र स्थित कनौना गांव के इंटर कॉलेज में मच्छर निरोधक दवा के छिड़काव के बाद सोमवार को संस्थान पहुंचे करीब दो दर्जन छात्र-छात्र बीमार हो गए। इंटर कॉलेज प्रशासन द्वारा शनिवार को मच्छर निरोधक कीटनाशक दवा का छिड़काव कराया गया था।

डीएसपी और अन्य पांच के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली। सीबीआई ने दो साल पहले एक साथी पुलिस कांस्टेबल को हिरासत में लेकर 'क्रूर और अमानवीय यातना' देने के मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के छह अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दर्ज प्राथमिकी में केंद्रीय एजेंसी ने पुलिस उपाधीक्षक एजाज अहमद नाइको और पांच अन्य को नामजद किया है, जो उस समय संयुक्त पूछताछ केंद्र, कुपवाड़ा में तैनात थे।

छह करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के कछार जिले में छह करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की याबा टैबलेट जब्त की गई हैं। इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कछार पुलिस ने मादक पदार्थ निरोधक अभियान में छह करोड़ रुपए मूल्य की 20,000 याबा टैबलेट जब्त की हैं। इस संबंध में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने घटना पर जताई गंभीर चिंता, कहा-महिलाओं की सुरक्षा सर्वोपरि

दुर्ग में नन की गिरफ्तारी की गूंज दिल्ली तक, राहुल प्रियंका भी कूदे, साय ने कहा- कानून करेगा अपना काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली/रायपुर

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में तीन दिन पहले दो कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी के मामले की गूंज दिल्ली तक जा पहुंची है। इस मामले में लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी भी कूदे हैं। यही नहीं इस मामले को लेकर संसद के बाहर प्रदर्शन भी किया गया। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र भी लिखा है। जवाब में मुख्यमंत्री की भी प्रतिक्रिया आई है। बात यहीं नहीं रुकी है। केरल के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है।

तीन दिन पहले दुर्ग से हुई थी गिरफ्तारी

तीन दिन पहले 25 जुलाई को दुर्ग रेलवे स्टेशन पर धर्मांतरण और मानव तस्करी को लेकर हंगामा हुआ। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने 2 नन सिस्टर, एक युवक और 3 आदिवासी युवतियों को घेरकर रोक लिया। इनका आरोप था कि युवतियों को बहला-फुसलाकर उत्तर प्रदेश के आगरा ले ▶▶|शेष पेज 7 पर

- वेणुगोपाल ने सीएम साय को लिखा पत्र
- राहुल गांधी ने कहा- तत्काल रिहाई, हम चुप नहीं बैठेंगे

ये एक खतरनाक पैटर्न : राहुल गांधी

लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा- छत्तीसगढ़ में दो कैथोलिक ननों को उनकी आस्था के कारण निशाना बनाकर जेल भेज दिया गया, यह एक खतरनाक पैटर्न को दर्शाता है। इस शासन में अल्पसंख्यकों का व्यवस्थित उत्पीड़न हो रहा है। यूडीएफ सांसदों ने आज संसद में विरोध प्रदर्शन किया, हम चुप नहीं बैठेंगे। धार्मिक स्वतंत्रता एक संवैधानिक अधिकार है। हम उनकी तत्काल रिहाई और इस अन्याय के लिए जवाबदेही की मांग करते हैं।

गांधी परिवार कैसे आरोपियों को दे रहा क्लीन चिट : चिमनानी

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने कहा है कि बच्चियों की तस्करी और मतांतरण कराने के मामले में दो कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी का विरोध करके कांग्रेस तुष्टीकरण की शर्मनाक राजनीति कर रही है। चिमनानी ने हैरानी जताई कि इस मामले में राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, वेणु गोपाल लगातार चिट्ठियां लिख रहे हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं।

8 अगस्त तक रिमांड में आरोपी

प्रकरण में आरोपी प्रीति मैरी, वंदना फ्रंसिस एवं सुखमत मंडावी की गिरफ्तारी की गई व न्यायालय पेश किया गया, न्यायालय के आदेश से 8 अगस्त 2025 तक न्यायिक रिमांड में भेजा गया। प्रकरण में एक टीम को विवचेना हेतु नारायणपुर भेजा गया है।

सीएम साय ने कहा- ह्यूमन ट्रैफिकिंग और मतांतरण की आशंका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नारायणपुर की तीन बेटियों से संबंधित घटना पर गंभीर चिंता प्रकट की है। यह मामला उस समय प्रकाश में आया जब इन बेटियों को नर्सिंग ट्रेनिंग और जॉब दिलाने का प्रलोभन देकर दुर्ग रेलवे स्टेशन पर दो ननों के माध्यम से आगरा ले जाया जा रहा था। श्री साय ने कहा कि

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस प्रकरण में ह्यूमन ट्रैफिकिंग और मतांतरण की आशंका व्यक्त की जा रही है, जो महिलाओं की सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करने वाला गंभीर विषय है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है और यह न्यायालयीन प्रक्रिया में है। सरकार पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है, तथा कानून अपनी प्रक्रिया के अनुसार निर्णय लेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ एक शांतिप्रिय और समावेशी ▶▶|शेष पेज 7 पर

धर्मांतरित व्यक्ति के शव दफनाने पर विवाद, भीड़ ने की तोड़फोड़, मचा बवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जामगांव में दो दिन पहले धर्मातरिंत व्यक्ति के शव को चुपके से दफनाने की जानकारी मिलने पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उनका कहना था कि शव को निकालकर अपने श्मशान घाट में दफनाएं। प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद पहले दिन मामला नहीं निपटा। दूसरे दिन 28 जुलाई को जामगांव के आसपास के 15 गांव के लोग एकत्र हो गए और आक्रोशित भीड़ ने प्राथर्न स्थल में तोड़फोड़ कर दी। भीड़ शव को निकालने की मांग पर अड़ी रही। मृतक के भाई ने भी हत्या की आशंका जताते हुए शव का पीएम करवाने की मांग की। हंगामे ▶▶|शेष पेज 7 पर

पुलिस के साथ हुई झूमाझटकी

विरोध करने के लिए 15 गाँव से पहुंचे ग्रामीण जब प्रार्थना स्थल की ओर बढ़ने लगे, तब पुलिस उनको रोकने लगी। भीड़ की संख्या अधिक होने के कारण पुलिस ने उनको डंडे के बल पर रोकने का प्रयास किया, परंतु झूमाझटकी के बाद ग्रामीण महिलाएं चिल्लाते हुए आगे बढ़ गईं और तोड़फोड़ करने लगी। महिलाओं के आक्रोश को देखते हुए पुलिस को पीछे हटना पड़ा।

शव को पीएम के लिए बाहर निकाला गया

कलेक्टर निलेश क्षीरसागर ने बताया कि जिले के नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम जामगांव, इंदिरा आवासपारा निवासी 40 वर्षीय सोमलाल राठौर की 26 जुलाई की रात में मृत्यु हो गई थी, जिसके उपरांत मृतक के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार अगले दिन 27 जुलाई को कर दिया गया था। मृतक के भाई भुनेश्वर राठौर द्वारा उनकी मृत्यु पर आशंका जाहिर करते हुए कथित तौर पर अपने भाई की हत्या होने का संदेह व्यक्त करते हुए एसडीएम ▶▶|शेष पेज 7 पर

अवसानेश्वर मंदिर में हादसा

बिजली का तार टूटा भगदड़ में दो की मौत

एजेंसी ▶▶| बाराबंकी

सावन के सोमवार को अवसानेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के दौरान बिजली का तार टूटकर गिर गया, जिससे वहां टीन शेड में करंट आ गया और लोग घबरा गए। इस हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 32 से अधिक घायल हो गए। लोनीकटरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुरा गांव निवासी प्रशांत (22) और एक अन्य 30 वर्षीय श्रद्धालु की त्रिवेदीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में इलाज के दौरान मौत हो गई।

बंदरों ने तोड़ दिया बिजली का तार: जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि मंदिर में जलाभिषेक के दौरान बंदरों ने बिजली का तार तोड़ दिया जिससे तीन शेड में करंट आने से परिसर में भगदड़ मच गई।

बैडमिंटन कोर्ट में गिरा

बैडमिंटन खेलते युवक को हार्ट अटैक, मौत

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

नागोले स्टेडियम में बैडमिंटन खेलते समय 25 साल के युवक की अचानक हुई मौत से हर कोई सन्न है। डॉक्टरों का दावा है कि युवक की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। घटना रविवार रात की है, जब गुंडला राकेश अपने दोस्तों के साथ स्टेडियम में बैडमिंटन खेल रहा था, तभी अचानक वह बेहोश होकर गिर पड़ा। दोस्तों ने उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

रिमांड पर छांगुर बाबा

धर्मांतरण के मास्टरमाइंड से राज उगलवाएगी ईडी

एजेंसी ▶▶| बलरामपुर

अवैध धर्मांतरण गिरोह के मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को सोमवार को ईडी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। स्पेशल कोर्ट ने छांगुर बाबा को पांच दिन की रिमांड पर भेज दिया है। अब ईडी की टीम छांगुर बाबा से राज उगलवाएगी। कोर्ट ने छांगुर बाबा को एक अगस्त शाम पांच बजे तक की रिमांड पर ईडी की टीम को सौंपा है। ईडी की टीम ने सोमवार दोपहर ढाई बजे छांगुर बाबा को लखनऊ की स्पेशल कोर्ट में पेश किया।

15 ठिकानों पर की थी छापेमारी: बता दें कि ईडी ने पिछले दिनों बलरामपुर, लखनऊ और मुंबई समेत छांगुर बाबा के 15 ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने छांगुर बाबा के ठिकानों से कई दस्तावेज खंगाले थे।

आपराधिक मामला एवं विभागीय जांच एक साथ नहीं चल सकते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि आपराधिक मामला एवं विभागीय जांच एक साथ नहीं चल सकते हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस विभाग के एएसआई की विभागीय जांच पर स्टे दे दिया है। गोमती इन्डस्ट्री के पास, लक्ष्मी नगर, रायपुर निवासी एस. बी. सिंह, जिला-रायपुर में सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के पद पर पदस्थ हैं। उनके सेवाकाल के दौरान दिनांक 18 मार्च 2025 को उनके विरूद्ध पुलिस थाना कोतवाली, रायपुर में धारा-74, बी.एन.एस. ▶▶|शेष पेज 7 पर

याचिकाकर्ता की ऐसी दलील

याचिका में कहा गया कि यदि किसी शासकीय कर्मचारी के विरुद्ध आपराधिक मामला न्यायालय में विचाराधीन है एवं समान मामलों में उसे आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच की जा रही है तो गलत है। हाईकोर्ट ने विभागीय जांच पर रोक लगाई है।

सामान्य से सात फीसदी अधिक, पर असमान बारिश

लद्दाख और राजस्थान की 'मूसलाधार' ने चौंकाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास खबर

भारत में एक जून को मानसून की शुरुआत के बाद से सामान्य से सात प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई लेकिन वर्षा का स्तर विभिन्न राज्यों में असमान रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों से यह जानकारी प्राप्त हुई। इस अवधि के दौरान देश में 418.9 मिमी सामान्य वर्षा के मुकाबले 447.8 मिमी वर्षा हुई, जिसमें क्षेत्रवार बारिश के स्तर में काफी भिन्नताएं थीं। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान, लद्दाख, नगालैंड, मणिपुर और सिक्किम में 'काफी अधिक' वर्षा दर्ज की गई है। राजस्थान में 200.4 मिमी ▶▶|शेष पेज 7 पर

यहां अधिक वर्षा

जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 'अधिक' वर्षा (सामान्य से 20 से 59 प्रतिशत अधिक) हुई, उनमें मध्य प्रदेश, गुजरात, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव, झारखंड और असम शामिल हैं। मध्य प्रदेश में 418.4 मिमी की तुलना में 645.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य से 54 प्रतिशत अधिक है।

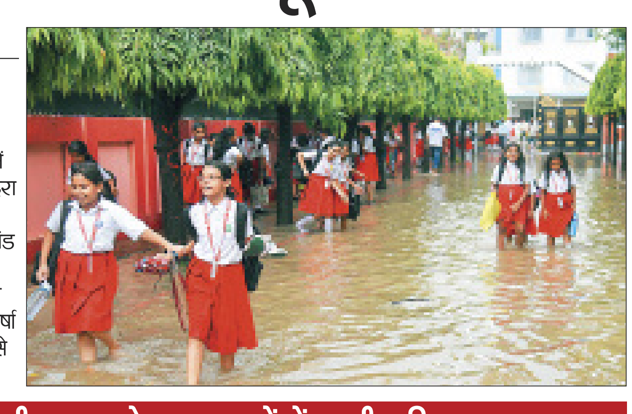

छत्तीसगढ़ समेत इन राज्यों में इतनी बारिश

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, ओडिशा, गोवा, त्रिपुरा, मिजोरम, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, छत्तीसगढ़, पुडुचेरी और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह सहित अधिकांश राज्यों में 'सामान्य' वर्षा हुई है, जो औसत से 19 प्रतिशत के भीतर है।

यहां अब तक सामान्य से कम

अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र और लक्षद्वीप में कम वर्षा (सामान्य से 20 से 59 प्रतिशत कम) दर्ज की गई है। अरुणाचल प्रदेश में 942.2 मिमी के मुकाबले 521.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 45 प्रतिशत कम है। बिहार में 272 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य 474.2 मिमी से 43 प्रतिशत कम है। लद्दाख, हिमाचल प्रदेश के आसपास के इलाकों, पूर्वोत्तर और बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की उम्मीद है।

बैद्यनाथ
आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!

रहें चुस्त और एक्टिव हमेशा

बैद्यनाथ
मेरी सखी
(पूर्व की सुन्दरी सखी)

बैद्यनाथ मेरी सखी बहुमूल्य जड़ी – बूटियों से युक्त, महिलाओं के लिए एक संतुलित व पोषक तत्वों से भरा टॉनिक है जो उन्हें पूरे माह एक्टिव, फिट और स्वस्थ रखने में सहायक है।
पूरे माह सक्रिय रखने में सहायक।

श्रीमती ईशा शर्मा, राजनांदगांव
प्र. बरसात के दिनों में सर्दी, खाँसी की तकलीफ बनी रहती है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बतायें।
उ. बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस (नारदीय) 1–1 टैब पीसकर शहद + अदरक रस के साथ लेवें। बैद्यनाथ कासविन 2–2 चम्मच सुबह शाम लेवें। रात को सोने के पूर्व बैद्यनाथ सितोपलादी चूर्ण आधा चम्मच शहद के साथ लेवें।

श्री संजय नाईक धमतरी
प्र. मुझे शारीरिक कमजोरी लगती है। चैक किया गया तो डॉ. ने कैल्शियम की कमी बतलाई। कृपया उपाय बतायें।
उ. उम्र के 50 वर्ष बाद कैल्शियम की कमी होना सामान्य है। सिद्धायु कैल्सिएक्टीव टैबलेट 1–1 टैबलेट सुबह–शाम पानी के साथ लगातार 3 माह तक सेवन करें।

श्रीमती मंजूषा शाहू, रायपुर
प्र. मेरी 4 माह पूर्व डिलिवरी हुई है। शरीर में कमजोरी बहुत है। दूध भी कम आता है व थोड़ी सफेद पानी की शिकायत भी है। कृपया आयुर्वेदिक दवा बतायें।
उ. महोदया, आप बैद्यनाथ सुपारी पाक 1–1 चम्मच सुबह–सायं सेवन करें। साथ ही बैद्यनाथ शतावरी ग्रेन्यूल्स् 1–1 चम्मच सुबह शाम दूध के साथ सेवन करें। 3 माह तक इसका नियमित सेवन करें।

श्रीमती निशिगंधा वर्मा, दुर्ग
प्र. मेरी बेटी की उम्र 24 साल है, सफेद पानी कि शिकायत है, मासिक धर्म नियमित रूप से नही आता।
उ. बैद्यनाथ मेरी सखी 2–2 चम्मच समभाग जल में सुबह–शाम भोजन के बाद देवें। बैद्यनाथ प्रदरान्तक रस 1–1 टैबलेट सुबह–शाम भोजन के बाद देवें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु)
प्रधान वैद्य

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4933 | www.baidyanath.co

भारत का एकमात्र गांव जहां बोलना तक मना है! हनुमान जी से जुड़ी है आस्था

बेंगलुरु। जब आप किसी गाँव की कल्पना करते हैं, तो वहां की हलचल, बच्चों की हंसी, चक्की की आवाज, या कहीं किसी लोहार का काम करते देखना– ये सब आम बातें होती हैं। लेकिन, कर्नाटक के बेलगाम जिले का एक गांव अवर्खोड़ा इन सब से बिल्कुल अलग है। यहां पर अगर आपने ज़रा भी शोर मचाया, तो उसे एक गंभीर बात माना जाता है। यहां हर ओर सन्नाटा है। ऐसा सन्नाटा जो किसी डर से नहीं, बल्कि आस्था से जुड़ा हुआ है।

कृष्णा नदी का चमत्कार भी यहीं दिखता है

एक और चौंकाने वाली बात ये है कि जो कृष्णा नदी आमतौर पर पश्चिम की ओर बहती है, वह इस गांव के पास आते ही दक्षिण की ओर बहने लगती है। गांववालों का मानना है कि ये भी हनुमान जी का ही चमत्कार है। यहां हर शनिवार को दूर-दूर से लाखों श्रद्धालु आते हैं- बेलगाम, बागलकोट, विजयपुरा से लेकर महाराष्ट्र के पुणे, मुंबई तक. वीडियो नहीं बनाया जा सकता। अगर किसी ने ऐसा किया, तो वो मुश्किल में पड़ सकता है। मान्यता है कि कैमरे का फ्लैश अगर हनुमान जी की आंखों पर पड़ जाए, तो वो नाराज हो सकते हैं और फोटो खींचने वाले को श्राप मिल सकता है। इसी वजह से लोग केवल मंदिर के बाहर की तस्वीरें लेते हैं, अंदर की नहीं।

मौन में है शक्ति, यहां ऐसा माना जाता है

गांव के लोग मानते हैं कि आस्था के सामने इंसान को मौन रहना चाहिए. यहां के हनुमान भक्तों को वो सब कुछ देते हैं जो वे सच्चे मन से मांगते हैं, लेकिन बदले में वे सिर्फ शांति चाहते हैं। इसलिए, गांव के लोग भी पूरी श्रद्धा से इस नियम का पालन करते हैं और जीवन को शांति में जीते हैं।

500 साल पुरानी आस्था अब भी है जिंदा

इस मंदिर का इतिहास 500 साल पुराना है और गांववाले आज भी उसी आस्था में जी रहे हैं। बुहा महाराज की जीवित समाधि आज भी लोगों को प्रेरित करती है। ये सिर्फ कहानियाँ नहीं, गांववालों के अनुभव और विश्वास से जुड़ी हुई सच्चाइयां हैं। वे मानते हैं कि जब भी किसी ने हनुमान जी के आदेशों की अनदेखी की, उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा।

रोचक खबरें

स्कॉटलैंड में यूएफओ बुलाने की तैयारी शुरू, एलियन से होगा सीधा संपर्क!

एडिनबर्ग। यूएफओ के स्पेसशिप को पृथ्वी को बुलाने के लिए रिसचर्स की टीम एक खास तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। इस खास तकनीक को क्लोज एनकाउंटर्स ऑफ द फिफ्थ काइंड या सीई5 कहते हैं। आपको बता दें की यूएफओ को धरती पर बुलाने वाली इस तकनीक और यूएफओ रिसचर्स की टीम का नेतृत्व पैरानॉर्मल शोधकर्ता मैल्कम रॉबिन्सन करने वाले हैं। अगर ऐसा होता है तो यह हम सब के लिए काफी दिलचस्प होगा।

सीई5 क्या है : सीई5 एक तरीका होता है जिसे क्लोज एनकाउंटर्स ऑफ द फिफ्थ काइंड भी कहा जाता है। इस तकनीक को इस्तेमाल करके लोग एलियन से संपर्क साधने की कोशिश करेंगे। इस तरीके का इस्तेमाल करते हुए लोग टेलीपैथी और ध्यान करके एलियन से बात कर सकते हैं। आपको बता दें कि सीई5 तकनीक को डॉ. स्टीवन ग्रीर ने बनाया था और कई लोगों को लगता भी है कि इस तकनीक से एलियन के यूएफओ को अंतरिक्ष से बुलाया जा सकता है।

कहां होगा सीई5 का इस्तेमाल : सीई5 का इस्तेमाल उसी जगह पर होगा, जहां 1979 में पहली बार एलियन के जहाज को देखा गया था। यह घटना जब घटी थी तो इसकी जानकारी वन कर्मचारी बॉब टेलर ने दी और उसने कहा की उसनें गुंबद के आकार का यान देखा और वह यान चीजों को अपने अंदर खींच रहा था, जिससे उनके कपड़े फट गए और उन्हें चोटें भी आई थीं।

बदनाम घर में जॉब का मिला ऑफर, काम से कॉन्फिडेंस हुआ हाई, फिर खोला चौंकाने वाला राज

केनबरा। मजबूरी में इंसान न जाने क्या-क्या कर जाता है। गरीबी में कोई भीख मांगने लगता है, तो कोई गलत रास्ते पर भी चल पड़ता है। ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली क्रिस्टल गैलट्री की ज़िंदगी में भी एक वक्त ऐसी ही चुनौती आ गई थी। महामारी के दौर में उनकी अच्छी-खासी नौकरी चली गई। ये समय थोड़ा मुश्किल था, क्योंकि यहां अपने गुजारे के लिए मुझे दूसरों के सामने हाथ फैलाने पड़ते थे। ऐसे में एक अंजान शख्स ने मुझे नौकरी का ऑफर दिया। जिसने मेरे सामने बस इतनी सी शर्त रखी कि मुझे अच्छा दिखना है और इसके लिए मैं राजी हो गई। हालांकि, जब मैं पहली बार उस जगह पहुंचीं, तो मैंने खुद को एक बेहद अलग और चौंका देने वाली दुनिया में पाया।हालांकि, इस घर की असलियत मुझे उस समय पता चली जब मैं उस बदनाम घर में पहुंची। जहां मुझे डोर गर्ल के तौर पर काम करना था यानी वहां आने वाले ग्राहकों को एंट्री देना, कमरे चेक करना और टाइम मैनेज करना। हालांकि, यहां मेरा काम और व्यवहार देखने के बाद मुझे 'मैडम' की जिम्मेदारी मिल गई जो उस पूरे घर का प्रबंधन करती है। अपनी इस जिम्मेदारी के दौरान मैंने अडल्ट इंडस्ट्री के छिपे पहलुओं और सच्चाइयों को बहुत नजदीक से देखा। यहां सबसे चुनौतीपूर्ण वो महिलाएं थीं, जो मानसिक या भावनात्मक परेशानियों के साथ यहां आती थीं। क्रिस्टल ने आगे कहा कि यहां आने वाले कई ग्राहक समाज में प्रतिष्ठित, अमीर और जिम्मेदार लोग होते थे।

महिला के लिवर में पल रहा था बच्चा मेडिकल साइंस के लिए बड़ी पहेली

मेरठ। यूपी के मेरठ जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जो मेडिकल साइंस के लिए किसी रहस्य और चुनौती से कम नहीं है। एक महिला के शरीर में ऐसा चमत्कार हुआ है जिसे अब तक सिर्फ मेडिकल जर्नल्स तक सीमित माना जाता था। भ्रूण न गर्भाशय में था, न पेट में, बल्कि सीधा लिवर के अंदर पल रहा था। मेरठ के एक निजी अस्पताल में एमआरआई जांच के दौरान डॉक्टर्स उस वक्त हैरान रह गए जब उन्हें एक 12 हफ्ते का भ्रूण महिला के लिवर के अंदर दिखाई दिया। ये कोई आम प्रेगनेंसी नहीं थी, बल्कि एक 'इंट्राहैप्टिक एक्टोपिक प्रेगनेंसी' यानी ऐसा गर्भ, जो गर्भाशय में न होकर लिवर के भीतर पल रहा था। यह केस मेडिकल हिस्ट्री में भारत का पहला और दुनिया का 40वां केस है। यह स्थिति बेहद खतरनाक होती है, क्योंकि लिवर से अत्यधिक रक्तस्राव का खतरा होता है। भ्रूण को निकालना एक बड़ी चुनौती है। बुलंदशहर की रहने वाली महिला दर्द और उल्टी हो रही थी, दवाइयों से भी आराम नहीं लगा, जब जांच कराई और फिर सच्चाई सामने आई। इस महिला को अब इमरजेंसी सर्जरी के ज़रिए इलाज दिया जाएगा। डॉक्टरों का कहना है कि भ्रूण को लिवर से अलग करना बेहद जटिल प्रक्रिया होगी। यह केस मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। महिलाओं में एक्टोपिक प्रेगनेंसी आम होती है, लेकिन लिवर में भ्रूण विकसित होना अत्यंत दुर्लभ है। मेडिकल रिसर्च के अनुसार, दुनिया भर में अब तक सिर्फ 39 केस ही रिपोर्ट हुए हैं और भारत में यह पहला मामला है।

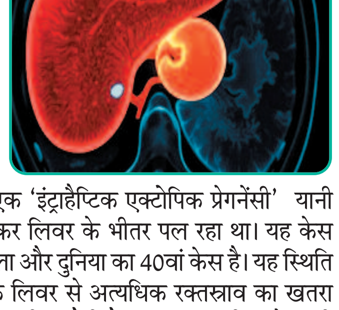

इसरो-नासा मिलकर 30 जुलाई को लॉन्च कर रहे ऐसा उपग्रह, पूरी दुनिया को होगा फायदा

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने चेन्नई हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में कई महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशनों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के संयुक्त मिशन, नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) 30 जुलाई बुधवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लांच किया जाएगा। इसको भारत में निर्मित जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। यह उपग्रह 740 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित होगा। यह एक अत्याधुनिक रडार उपग्रह है, जो बादलों और बारिश के बावजूद 24 घंटे पृथ्वी की तस्वीरें ले सकता है। यह उपग्रह भूस्खलन, आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन की निगरानी में मदद करेगा।

कब अंतरिक्ष में भेजा जाएगा मानव?

अंतरिक्ष में मानव मिशन की तैयारियों के बारे में बात करते हुए, नारायणन ने कहा, इस साल दिसंबर में एक मानवरहित मिशन भेजा जाएगा। अगर यह सफल रहा, तो अगले साल दो और मानवरहित मिशन भेजे जाएंगे। प्रधानमंत्री की ओर से घोषित योजना के अनुसार, मार्च 2027 में मानवयुक्त मिशन लॉन्च किया जाएगा. इसरो इसके लिए श्रीहरिकोटा में पहला वाहन तैयार कर रहा है।

भूस्खलन, आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन की निगरानी में करेगा मदद

चंद्रयान-4 मिशन पर क्या बोले इसरो चीफ

नारायणन ने चंद्रयान-4 मिशन को लेकर भी उत्साह जताया. यह मिशन चंद्रमा पर उतरकर वहां से नमूने लाने के लिए है, और इसे सफल बनाने के लिए इसरो पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके अलावा, चंद्रयान-5 भारत और जापान का संयुक्त प्रोजेक्ट होगा, जो 100 दिनों तक काम करेगा. इसरो वर्तमान में 55 उपग्रहों का उपयोग कर रहा है और इन्हें अगले चार साल में तीन हिस्सों में बांटने की योजना है। नारायणन ने कहा कि इसरो के ये मिशन भारत की अंतरिक्ष अनुसंधान में बढ़ती ताकत को दर्शाते हैं। ये परियोजनाएं न केवल भारत, बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

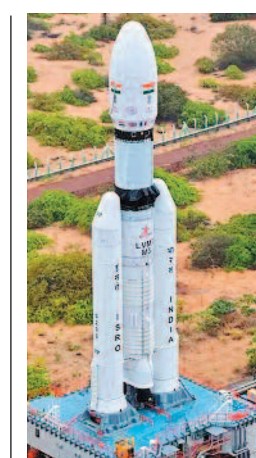

सूर्य से संबंधित डेटा हो चुका प्राप्त

नारायणन ने कहा कि यह उपग्रह न केवल भारत और अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने आदित्य एल1 मिशन के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, '6 जनवरी को 1.5 किलोग्राम वजन के साथ लॉन्च किया गया यह उपग्रह सूर्य के अध्ययन के लिए भेजा गया था। इसरो को सूर्य से संबंधित डेटा प्राप्त हो चुका है, जिसका वैज्ञानिक विश्लेषण कर रहे हैं।' नारायणन ने यह भी बताया कि इसरो तमिलनाडु, केरल या उत्तरी राज्यों के लिए अलग-अलग काम नहीं करता, बल्कि पूरे देश की जरूरतों के लिए शोध करता है।

एटम बम के फटने पर भी नहीं मरता है ये जीव, जो आपके घरों में ही रहता है मौजूद

नई दिल्ली। परमाणु बम विस्फोट में होने वाली बर्बादी बहुत ही डरावनी होती है और कोई भी देश ये नहीं चाहता है कि उस देश पर कोई भी परमाणु संकट आए। लेकिन, एक जीव ऐसा होता है जिसे परमाणु बम विस्फोट में भी कुछ नहीं होता है। आज हम आपको उसी जीव के बारे में बताएंगे कि उसपर परमाणु बम की रेडिएशन का भी असर क्यों नहीं होता है।

इंसानों से ज्यादा झेल सकते हैं रेडिएशन : कॉकरोच परमाणु बम के फटने के बाद निकलने वाली रेडिएशन को झेल सकते हैं, इसलिए इस विस्फोट में इनको कुछ नहीं होता। वहीं अगर इंसान, जानवर या पेड़ पौधे इसकी चपेट में आते हैं तो यह सीधे भाप बन जाएंगे।

कौन सा है वो जीव

परमाणु हमले में हर एक चीज हवा में उड़कर खाक हो जाती है, लेकिन एक जीव है जिसको परमाणु विस्फोट से भी कुछ नहीं होता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह जीव कुछ और नहीं, बल्कि आपके घरों में पाया जाने वाला कॉकरोच है। जहां परमाणु हमले में शहर पूरी तरीके से ध्वस्त हो जाता है, वहीं कॉकरोच का कुछ नहीं बिगड़ता है।

परमाणु रेडिएशन का नहीं होता असर

आपको बता दें कि परमाणु रेडिएशन का असर कॉकरोच पर नहीं होता है और यह 10000 रैड के रेडिएशन को झेलने तक में सक्षम होते हैं। वहीं, आपको जानकर हैरानी होगी की इंसान की मौत 800 रैड के रेडिएशन में हो सकती है।

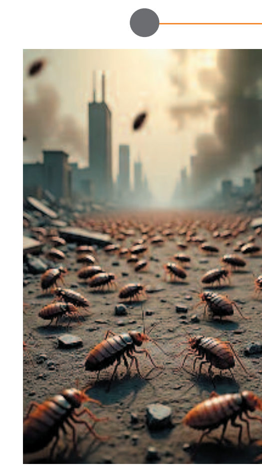

परमाणु हमले के बाद भी थे जिंदा

एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि है कि दूसरे विश्व युद्ध में परमाणु हमले में जो शहर पूरी तरह से नेस्तनाबूद हो गया था, वहां तब भी कॉकरोच जिंदा थे। खतरनाक परमाणु हमले में भी कॉकरोच जिंदा बच गए थे।

7 दिन का ये कोर्स करिए... और बन जाइए खुद के डॉक्टर, शुरू हुई अनोखी क्लास!

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में एक अनोखी पहल के तहत लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का काम किया जा रहा है। अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से खड़कोद स्थित केंद्र पर निशुल्क प्राकृतिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाता है, जिसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी 7 दिनों के विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से खुद के और अपने परिवार के स्वास्थ्य की देखभाल करना सीखते हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा से खुद को स्वस्थ रखने की सीख : इस प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा के मूल सिद्धांतों की जानकारी दी जाती है। संस्था के प्रभारी मनोज तिवारी के अनुसार, हमारा उद्देश्य लोगों को इस काबिल बनाना है कि वे खुद अपने डॉक्टर बनें. अगर व्यक्ति स्वयं स्वस्थ रहेगा तो उसका परिवार और समाज भी स्वस्थ रहेगा। शिविर में मिट्टी चिकित्सा, जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सूर्य चिकित्सा, ध्यान और योग के माध्यम से शरीर को प्राकृतिक तरीके से कैसे ठीक रखा जाए, इसकी विधियां सिखाई जाती हैं। मनोज तिवारी बताते हैं कि शिविर में किसी भी प्रकार का प्रशिक्षण शुल्क नहीं लिया जाता। केवल प्रशिक्षण के दौरान जो आवश्यक सामग्री जैसे मिट्टी, औषधीय पानी, या अन्य उपयोगी वस्तुएं दी जाती हैं, उनकी नाममात्र राशि प्रतिभागियों से ली जाती है।

पिता का नाम कुत्ता बाबू और मां का नाम कुतिया देवी बिहार में डॉग बाबू का बना दिया निवास प्रमाण पत्र

पटना। चुनाव आयोग की तरफ से बिहार में गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान पिछले दिनों आवासीय प्रमाण पत्र के लिए आवेदनों की बाढ़ आ गई थी। अब इस बीच पटना जिले से आवासीय प्रमाण पत्र को लेकर एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। इसके बाद जानकर आप अपना माथा पीट लेंगे। दरअसल, जिले मसौढ़ी प्रखंड में एक कुत्ते को आवासीय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। एक कुत्ते की तस्वीर वाला निवास प्रमाण पत्र, जिसमें पिता 'कुत्ता बाबू' लिखा था, इंटरनेट पर खूब तेजी से वायरल हो रहा है। इस प्रमाण पत्र के वायरल होने के बाद जिले के आला अधिकारियों की इसकी जानकारी मिली।

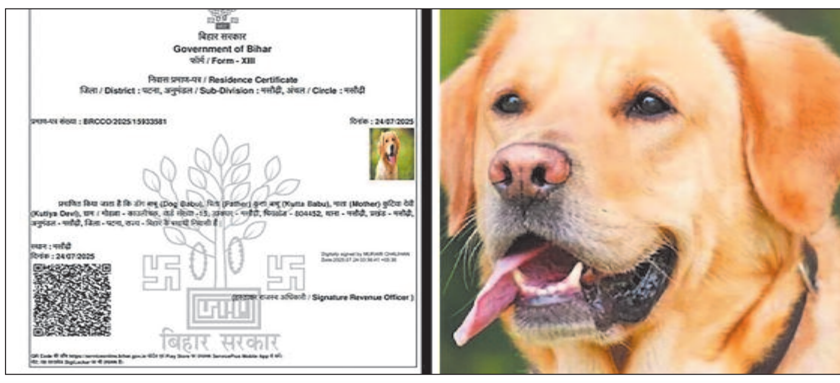

जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया

पटना जिले के मसौढ़ी अंचल कार्यालय से यह आवासीय प्रमाण पत्र जारी किया गया है। आरटीपीएस काउंटर से इस आवासीय प्रमाण पत्र को जारी गया है। इसमें एक कुत्ते की तस्वीर लगाकर उसका नाम और पता अंकित करते हुए इसे जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने डॉग बाबू के नाम से बनाए गए निवास प्रमाणपत्र को जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। जिला प्रशासन ने प्रमाणपत्र बनवाने वाले आरोपियों और जारी करने वाले पदाधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है।

अधिकारियों को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मिली जानकारी

दरअसल, बिहार में चुनाव आयोग की तरफ जारी एसआईआर के दौरान बीते दिनों निवास प्रमाणपत्र के लिए आवेदनों करने वालों संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई। सरकार ने इसके बारे में जानकारी दी थी। पटना के मसौढ़ी प्रखंड में एक मिस्टर डॉग का आवासीय प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया। सबसे दिलचस्प बात यह है कि अधिकारियों को प्रमाणपत्र के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जानकारी मिली है। अब यह प्रमाण पत्र वायरल हो गया है।

मारे गए आतंकियों के पास थी अमेरिकी असॉल्ट राइफल, विस्फोटक भी

ऑपरेशन महादेव में पहलगाम के गुनहगारों को मारा है सेना ने

खतरनाक साजिशों का अंदेशा, आईएसआई पर मदद करने का शक

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन महादेव के तहत भारतीय सेना ने आज एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। श्रीनगर के लिडवास इलाके में हुई मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मार गिराया गया, जिनमें पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड हाशिम मूसा भी शामिल था। लेकिन इस ऑपरेशन की खास बात ये रही कि आतंकियों के पास से जो हथियार मिले, वे उनकी खतरनाक साजिशों का खुलासा करते हैं।

आतंकियों के पास से मिले हथियार

- एके-47 राइफल: ये सबसे आम लेकिन खतरनाक हथियार है, जो आतंकी अक्सर इस्तेमाल करते हैं। इसकी रेंज 300 मीटर तक है। एक मिनट में 600 गोलियां चला सकती है। पहलगाम हमले में भी ये हथियार इस्तेमाल हुआ था, जो हाशिम मूसा के पास से मिला
- एम-4 कार्बाइन: ये अमेरिकी सेना का हल्का और सटीक हथियार है, जो 500 मीटर तक निशाना लगा सकता है। आतंकियों के पास से दो एम-4 कार्बाइन मिले, जो पाकिस्तान से आए थे
- हैंड ग्रेनेड: इन बमों को हाथ से फेंका जाता है। ये 15-20 मीटर के दायरे में तबाही मचा सकते हैं। मुठभेड़ में चार ग्रेनेड बरामद हुए, जो आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फेंकने की तैयारी में थे
- आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस): ये घरेलू बम हैं, जो सड़कों या जंगलों में छिपाकर विस्फोट किए जाते हैं। दो आईईडी मिले, जो शायद और हमलों के लिए तैयार किए गए थे। इन्हें रोबोट से निष्क्रिय किया गया
- सैटेलाइट फोन: ये हथियार नहीं, लेकिन हथियार जितना खतरनाक है। इससे आतंकी पाकिस्तान और ISI से संपर्क करते थे। एक सैटेलाइट फोन हाशिम मूसा के पास से मिला, जिसमें कई कॉल डिटेल्स थीं

ये हथियार कहां से आए?

सेना को शक है कि ये हथियार पाकिस्तान से भारत में घुसपैठ के जरिए लाए गए। एके-47 और एम-4 कार्बाइन जैसे हथियार वहां की सेना और आईएसआई के स्टॉक से निकाले गए होंगे। आईईडी और ग्रेनेड बनाने के लिए विस्फोटक सामग्री भी वहां से सप्लाई हुई होगी। सैटेलाइट फोन से पता चला कि आतंकी अपने हैंडलर से लगातार संपर्क में थे, जो कश्मीर में और हमले की साजिश रच रहे थे।

हथियार मिलने के खतरे

- **खतरा** : ये हथियार दिखाते हैं कि आतंकी न सिर्फ सैनिकों, बल्कि आम लोगों को भी निशाना बनाने की फिराक में थे।
- **तैयारी** : आईईडी और ग्रेनेड से लगता है कि वे बड़े हमले की योजना बना रहे थे, शायद अमरनाथ यात्रा के दौरान।
- **संगठन** : सैटेलाइट फोन और हाई-टेक हथियारों से पता चलता है कि लश्कर-ए-तैयबा और टीआरएफ के पीछे एक बड़ा नेटवर्क है।

एम4-कारबाइन भरोसेमंद असॉल्ट राइफलों में से एक

ये दुनिया की अत्यधिक भरोसेमंद असॉल्ट राइफलों में से एक है। 1987 से इसका प्रोडक्शन हो रहा है। अब तक 5 लाख से ज्यादा एम4-कारबाइन बन चुकी हैं। 30 राउंड गोलियों वाली मैगजीन के साथ इसका वजन 3.52 किलोग्राम होता है। जिसे लेकर चलना आसान है। सेना के सूत्रों का कहना है कि सभी आतंकवादी समूह वर्तमान में एके-47 राइफल और एम4 कार्बाइन का इस्तेमाल कर रहे हैं। एम4 से स्टील बुलेट दागे जा सकते हैं। पिछले साल जम्मू में सेना के काफिले पर एम4 और स्टील बुलेट से हमला किया गया था। सेना के वाहनों पर पहली गोली एम4 से ही चलाई गई थी. यह स्टील शीट को आसानी से भेद सकती है। एम4 का इस्तेमाल पिछले साल कठुआ और रियासी में आतंकवादी हमलों में भी किया गया था।

खबर संक्षेप

वक्फ बोर्ड मामला अमानतुल्लाह समेत 11 के खिलाफ आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीईओ और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में आप विधायक अमानतुल्लाह खान और 10 अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। अदालत ने अमानतुल्लाह खान और महबूब आलम पर साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप तय किए हैं। अन्य नौ आरोपियों पर साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। ईडी ने अदालत को बताया कि तलाशी के दौरान खान से कुछ सवाल पूछे गए थे, लेकिन वह उनका जवाब देने की बजाय बहस करता रहा।

जैसलमेर स्कूल में पिलर गिरा, पहली के छात्र की मौत टीचर भी घायल

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर में एक और स्कूल में हादसा हुआ है। यहां पर तेज हवा के कारण सरकारी स्कूल के गेट का पिलर एक छात्र पर गिर गया। इसके कारण छात्र की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं स्कूल का एक टीचर भी घायल हुआ। गेट का पिलर गिरने के कारण पहली कक्षा के 9 वर्षीय अरबाज की मौत हो गई है। झालावाड़ के बाद यह दूसरी घटना है। 2 दिन पहले झालावाड़ जिले के सरकारी स्कूल की छत गिर गई थी। इस हादसे में 7 बच्चों की मौत वहीं 22 बच्चे घायल हुए थे।

4 दिन से चल रही थी जंग, सुरंग में विस्फोट से गरमाया था विवाद

मलेशिया ने की मध्यस्थता, थाईलैंड कंबोडिया तत्काल सीजफायर पर राजी

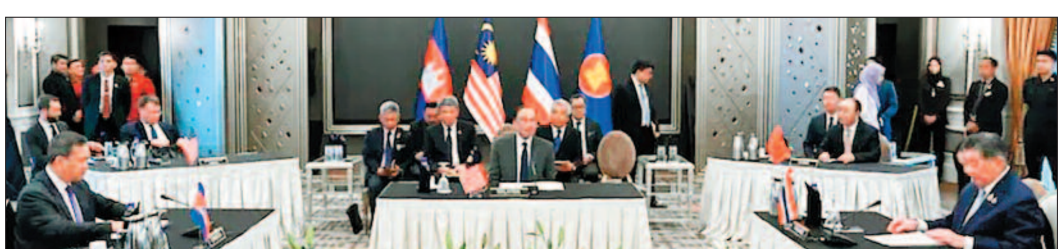

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

थाईलैंड और कंबोडिया कई दिनों तक चली घातक सीमा झड़पों के बाद 'तत्काल और बिना शर्त' सीजफायर पर सहमत हुए हैं। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने सोमवार को कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया कई दिनों से चल रहे सीमा संघर्ष को खत्म करने के लिए तत्काल और बिना शर्त युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। यह घटनाक्रम मलेशिया द्वारा थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष में मध्यस्थता की पेशकश के बाद सामने आया है। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट और थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई ने मलेशिया के पुत्राजया में इब्राहिम के आवास पर मध्यस्थता वार्ता में भाग लिया। उनके साथ मलेशिया में चीनी और अमेरिकी राजदूत भी थे।

खास बातें

- सैन्य संघर्ष में दोनों पक्षों के कुल 35 लोग मारे गए वहीं तकरीबन ढाई लाख विस्थापित
- 11वीं शताब्दी के शिव मंदिर सहित कई मसलों को लेकर है दोनों देशों के बीच गहरे मतभेद

दुर्लभ सशस्त्र संघर्ष

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 817 किलोमीटर लंबी सीमा दशकों से विवादित रही है, लेकिन पिछले टकराव सीमित और संक्षिप्त रहे हैं। हाल में एक बारूदी सुरंग विस्फोट में 1 थाई सैनिक की मौत व 4 सैनिकों के घायल होने के बाद झड़प शुरू हो गई। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर सुरंगें बिछाने और समझौते तोड़ने के आरोप लगाए। गुरुवार, 24 जुलाई को थाईलैंड ने कंबोडिया में कई ठिकानों पर बमबारी करने के लिए एक F-16 लड़ाकू विमान उड़ाया। दोनों पक्षों की तरफ से हुई गोलाबारी में करीब 11 नागरिक मारे गए। इस बीच, सीमा पर तनाव दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच एक दुर्लभ सशस्त्र संघर्ष में बदल गया।

एक-दूसरे पर लगा रहे आरोप

दोनों देशों ने अपनी 817 किलोमीटर लंबी जमीनी सीमा पर भारी तोपखाने की बमबारी और थाई हवाई हमलों से इसे और बढ़ा दिया था। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर इस झड़प को शुरू करने का आरोप लगाया, जिसमें कम से कम 35 लोग मारे गए और दोनों पक्षों के 2,60,000 से ज़्यादा लोग विस्थापित हुए। दोनों देशों ने अपने राजदूतों को वापस बुला लिया और थाईलैंड ने कंबोडिया के साथ सभी सीमाएं बंद कर दीं।

दशकों से चल रहा है विवाद

थाईलैंड और कंबोडिया अपनी 817 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा पर अनिर्धारित बिंदुओं को लेकर दशकों से विवाद में रहे हैं, जिसमें प्राचीन हिंदू मंदिर ता मोआन थॉम और 11वीं शताब्दी के शिव मंदिर (प्रीह विहियर) का स्वामित्व मुख्य विवाद रहा है। प्रीह विहियर को 1962 में इंटरनेशनल कोर्ट द्वारा कंबोडिया को प्रदान किया गया था, लेकिन 2008 में तनाव बढ़ गया, जब कंबोडिया ने इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध करने का प्रयास किया और कई साल तक चली झड़पों में करीब एक दर्जन लोगों की मौत हो गई। जून में, कंबोडिया ने कहा कि उसने वर्ल्ड कोर्ट से थाईलैंड के साथ अपने विवादों को सुलझाने का अनुरोध किया है, जबकि थाईलैंड का कहना है कि उसने कभी भी कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं दी है और वह द्विपक्षीय नजरिए को प्राथमिकता देता है।

चुनाव आयोग से कहा- आधार और वोटर आईडी को माना जाए वैलिड डॉक्यूमेंट

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने से किया इंकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन में आधार और वोटर आईडी कार्ड को वैलिड डॉक्यूमेंट के तौर पर स्वीकार करने में इलेक्शन कमीशन की अनिच्छा पर सवाल उठाया और कहा कि कोई भी दस्तावेज जाली हो सकता है। हालांकि, कोर्ट ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा, 'धरती पर किसी भी डॉक्यूमेंट को जाली बनाया जा सकता है।' कोर्ट ने कहा, 'इन दो डॉक्यूमेंट्स को शामिल करें। कल आप न केवल आधार देखेंगे, बल्कि 11 में से 11 जाली भी हो सकते हैं। यह एक अलग मुद्दा है। इसे बड़े पैमाने पर शामिल किया जाना चाहिए। कृपया आधार को शामिल करें।'

चुनाव आयोग की दलील

चुनाव आयोग की तरफ से वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी पेश हुए। उन्होंने दलील दी कि राशन कार्डों से जुड़ी बड़ी समस्याएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईपीआईसी भी निर्णायक नहीं हो सकता। हालांकि, अदालत ने उनके रुख पर सवाल उठाया। जस्टिस बागची ने टिप्पणी की, 'आप कहते हैं कि एसआईआर अधिसूचना के अनुसार कोई भी दस्तावेज निर्णायक नहीं है। मान लीजिए कि कोई व्यक्ति आधार के साथ फॉर्म अपलोड करता है, तो आप उसे ड्राफ्ट में शामिल क्यों नहीं करेंगे।' जस्टिस कांत ने कहा, 'केवल ईपीआईसी आदि ही क्यों, किसी भी दस्तावेज के साथ जालसाजी की जा सकती है। आइए हम आधार और ईपीआईसी कार्ड के साथ आगे बढ़ें।'

ये तो आश्चर्यजनक! हाई कोर्ट कैसे लगा सकता है रोक?

- ओबीसी आरक्षण मामले पर बिदके सीजेआई

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की संशोधित सूची के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी गई थी। देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा, ''प्रथम दृष्टया, हाई कोर्ट का आदेश त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है।'हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक पर अचरज जताते हुए सीजेआई गवई ने कहा, 'यह आश्चर्यजनक और त्रुटिपूर्ण है। हम इस पर नोटिस जारी करेंगे। हाई कोर्ट इस पर कैसे रोक लगा सकता है? आरक्षण कार्यपालिका के कार्यों का एक हिस्सा है।

आज की राजनीति लोकतंत्र की जड़ों को दे रही चुनौती : सीएम रेड्डी

हैदराबाद। कैपिटल फाउंडेशन सोसाइटी के सहयोग से आईसीएफएआई लॉ स्कूल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि 'आज की राजनीति, जो विचारधारा से हटकर त्वरित कार्रवाई की ओर बढ़ गई है और लोकतंत्र की जड़ों को चुनौती दे रही है, हमें जयपाल रेड्डी जैसे नेताओं को याद करने की ज़रूरत है, जिन्होंने लोगों के उत्थान और समग्र विकास के लिए अथक परिश्रम किया और अपने विश्वास के मूल्यों पर अडिग रहे। रेड्डी शनिवार को हैदराबाद के होटल ताज कृष्णा में पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे।

इन्हें मिला डॉ. आंबेडकर पुरस्कार

इस अवसर पर डॉ. बी. आर. आंबेडकर उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार डॉ. सस्मित पात्रा को प्रदान किया गया, जिन्होंने 'भारत में संसदीय लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियाँ' विषय पर एक विशेष व्याख्यान भी दिया। आईसीएफएआई फ्राउंडेशन फ़ॉर हायर एजुकेशन के कुलपति प्रो. एल. एस. गणेश ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में कैपिटल फ्राउंडेशन के महासचिव विनोद सेठी और कैपिटल फ्राउंडेशन के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. के. पुरुषोत्तम रेड्डी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

बैंकॉक से हैरान कर देने वाला मामला आया सामने

पहले 5 सुरक्षा गार्डों को मारा फिर खुद भी कर ली खुदकुशी

एजेंसी ▶▶| बैंकाक

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पुलिस ने एक वीडियो फुटेज साझा किया है जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति सफेद टोपी पहने और अपनी छाती पर एक बैग लटकाए बाजार की पार्किंग में टहलता हुआ दिखाई दे रहा है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक से हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां के एक बाजार में सोमवार को हुए सामूहिक गोलीकांड में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। इस कांड के बाद एक बंदूकधारी ने खुद को गोलीमार आत्महत्या कर ली। स्थानीय पुलिस ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के हवाले से इस बयान में इसकी पुष्टि की है कि गोलीबारी टोर कोर मार्केट में हुई, जो कृषि उपज और स्थानीय खाने-पीने के लिए एक प्रसिद्ध जगह है। पुलिस के बयान के अनुसार गोलीबारी में मारे गए सभी पांचों पीड़ित बाजार में तैनात सुरक्षा गार्ड थे। इस घटना को लेकर बैंकॉक के बैंग सू जिले के पुलिस अधिकारी सानोंग सेंगमानी ने रॉयटर्स को बताया कि पीड़ितों में कोई पर्यटक नहीं था।

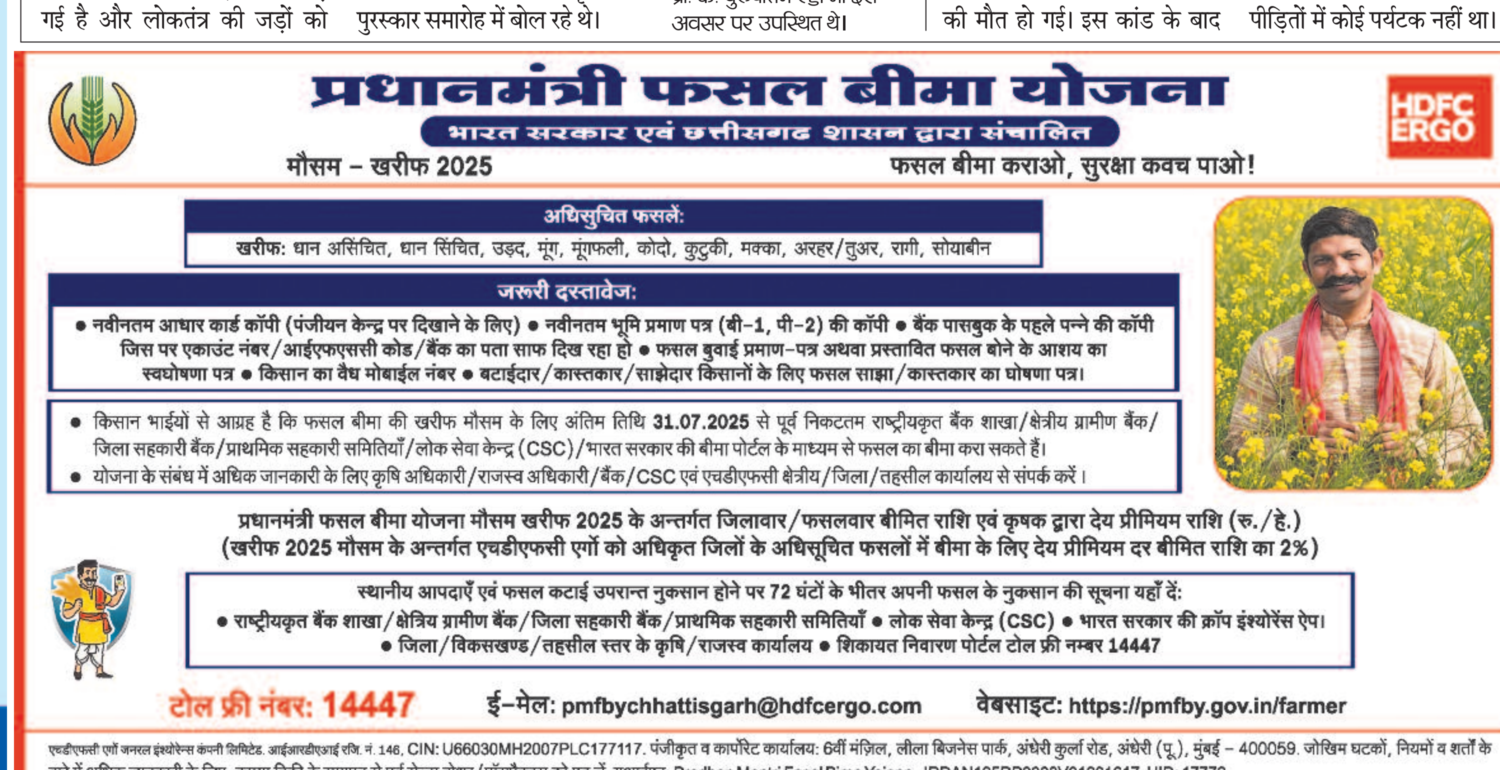

चिंतन

जवाब सुनने का धैर्य रखे विपक्ष, केवल हंगामा न करे

संसद सत्र के दौरान विपक्ष अगर किसी मुद्दे पर चर्चा चाहता है और किसी प्रश्न का जवाब चाहता है तो उसमें सुनने का धैर्य भी होना चाहिए और सरकार से मिले जवाब पर भरोसा भी करना चाहिए। सवालों के जरिये यदि विपक्ष की मंशा संसद में हंगामा कर ठप करने की है और मकसद केवल राजनीति करना है, तो फिर वो अपनी संसदीय भूमिका नहीं निभा रहा है। संसद का मानसून सत्र शुरू होने के दिन से कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक के सभी विपक्षी दल पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संघर्ष विराम कराने के दावे, मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण आदि मुद्दों पर चर्चा की मांग करते रहे हैं। सरकार ने सर्वदलीय बैठक में भी विपक्ष को आश्वासन दिया कि वह सभी मुद्दों पर नियम के दायरे में चर्चा के लिए तैयार है। अब सरकार अगर संसद में विपक्ष के प्रश्नों के संदर्भ में सिलसिलेवार जवाब दे रही है, तो विपक्ष न सुनने समझने के लिए तैयार है न ही यकीन करने करने को राजी है। लगता है कांग्रेस ने एक ही ध्येय बना लिया है कि येनकेन प्रकार संसद में हंगामा करना है और सत्र नहीं चलने देना है। ऐसा इसलिए लग रहा है कि सोमवार को जब संसद में कांग्रेस ने तीखे सवाल किए तो सरकार की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और गृहमंत्री अमित शाह ने बारी बारी से जवाब दिए, लेकिन इस दौरान कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक के विपक्षी नेता हंगामा व नारेबाजी करते रहे। विपक्ष ने सरकार से जो सवाल पूछे हैं कि 100 दिन बीतने के बाद भी पहलगाम हमले के आतंकी अब तक क्यों नहीं पकड़े गए, ऑपरेशन सिंदूर अचानक क्यों रोका गया, भारत व पाक के बीच संघर्ष विराम को लेकर ट्रंप के दावों में कितनी सच्चाई है और पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के कितने लड़ाकू विमानों को नुकसान पहुंचा? आदि स्वाभाविक व जायज सवाल हैं, लेकिन विपक्षियों को सरकार का जवाब भी सुनना चाहिए और उस पर भरोसा करना चाहिए। विपक्ष के सांसद भी भारत के ही हैं और वे इसी देश की जनता के प्रतिनिधि हैं, इसलिए उनका दृष्टिकोण भी राष्ट्रीय होना चाहिए। उनके सवाल पूछने व उठाने के तरीकों से लगता है कि जैसे वे भारत के सांसद ही न हों। पुलवामा व उरी हमले के बाद हुए सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक के दौरान में कांग्रेस राष्ट्रीय हद से पार जाकर अपनी ही सेना की क्षमता को कटघरे में खड़ा कर रही थी। कम से कम सैन्य ऑपरेशन व कूटनीति-विदेश नीति के मसले पर तो देश में पचास से अधिक वर्ष शासन करने वाली कांग्रेस को तो राष्ट्रीय समझ के साथ सवाल उठाने चाहिए और आरोप लगाने चाहिए। संसद में सरकार ने साफ जवाब दिया कि ऑपरेशन सिंदूर सफल सैन्य एक्शन था, आतंकियों को सबक सिखाया गया, पाकिस्तान के हमले का करारा जवाब दिया गया, 8भारत व पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में राष्ट्रपति ट्रंप की कोई भूमिका नहीं है, बल्कि 22 अप्रैल से 17 जून के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई सीधी बातचीत नहीं हुई, तो विपक्ष को जवाब पर भरोसा होना चाहिए। प्रधानमंत्री भी यह स्पष्ट कर चुके हैं कि ट्रंप का दावा महज दावा ही है। हालांकि अभी तक पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगार पांच दहशतगर्दों का नहीं पकड़ा जाना पीड़ितों को न्याय की दिशा में बाधा है। कांग्रेस को सैन्य मसलों पर राजनीति छोड़ राष्ट्रीय हित में कम करना चाहिए। संसद में हंगामा कर उसे ठप नहीं किया जाना चाहिए।

एनईपी के 5 वर्ष
डॉ. ऐश्वर्या झा

> शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नीति की जरूरत होती है। गुलाम मानसिकता के प्रतीक मैकाले की शिक्षा पद्धति को परिवर्तित करने के उद्देश्य से कोठारी आयोग (1964-1966) के अनुशंसा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 1986 में पहली बार लागू और वर्ष 1992 में इसमें संशोधन किया गया था। 29 जुलाई, 2020 को 'मानव संसाधन विकास मंत्रालय' द्वारा के कस्तूरीरंगन समिति की अनुशंसा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की घोषणा हुई, जिसमें समता, गुणवत्ता, वहनीयता और उत्तरदायित्व जैसे मुद्दों पर विशेष बल दिया हैं एवं इस वर्ष इस नीति के पांच वर्ष पूरे हुए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति चार स्तरों - स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, और व्यावसायिक एवं प्रौढ़ शिक्षा - में शैक्षिक ढाँचे को पुनर्परिभाषित करती है।

शिक्षा क्षेत्र की कायापलट की जरूरत

शिक्षा हमेशा से मानव विकास, विकसित राष्ट्र एवं सामाजिक प्रगति के लिए आधारशिला मानी गई है। शिक्षा केवल धन उपार्जन , रोजगार सृजन, तथ्यों का संग्रह या आँकड़ों को याद रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक गहन बहुआयामी प्रक्रिया है जो व्यक्ति एवं मानव समाज के शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक विकास को आकार देती है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति सफल और संपूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक संज्ञानात्मक, भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक उपकरण प्राप्त करता है। शिक्षा प्रणाली ही अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। भारतीय शिक्षा प्रणाली दुनिया की सबसे पुरानी शिक्षा प्रणालियों में से एक है। प्राचीन भारत में शिक्षा, आध्यात्मिकता और आत्म-साक्षात्कार पर केंद्रित थी। प्राचीन भारत में शिक्षा का उद्देश्य संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करना और उनका विस्तार करना था। शिक्षा गुरुकुलों, आश्रमों, धार्मिक स्थानों और घरों में दी जाती थी। तक्षशिला एवं नालंदा विश्वविद्यालय दुनिया में शिक्षा का सबसे पुराने विश्वविद्यालय माने जाते रहे हैं।

किसी भी देश में शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नीति की जरूरत होती है। गुलाम मानसिकता के प्रतीक मैकाले की शिक्षा पद्धति को परिवर्तित करने के उद्देश्य से कोठारी आयोग (1964-1966) के अनुशंसा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 1986 में पहली बार लागू और वर्ष 1992 में इसमें संशोधन किया गया था। 29 जुलाई, 2020 को 'मानव संसाधन विकास मंत्रालय' द्वारा के कस्तूरीरंगन समिति की अनुशंसा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की घोषणा हुई, जिसमें समता, गुणवत्ता, वहनीयता और उत्तरदायित्व जैसे मुद्दों पर विशेष बल दिया हैं एवं इस वर्ष इस नीति के पांच वर्ष पूरे हुए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का लक्ष्य भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। 34 वर्ष के अंतराल पर आई यह नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली के ढाँचे में तीसरा बड़ा सुधार है, जिसके माध्यम से रटंत आधारित शिक्षण, पाठ्यक्रम का अत्यधिक बोझ, निम्न शिक्षण परिणाम, उच्च शिक्षा पहुँच में असमानता और अपर्याप्त शिक्षक प्रशिक्षण जैसी समस्या का समाधान सुनिश्चित किए जाने का प्रयास किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति चार स्तरों - स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, और व्यावसायिक एवं प्रौढ़ शिक्षा - में शैक्षिक ढाँचे को पुनर्परिभाषित करती है। इसका लक्ष्य उच्च शिक्षा सहित संपूर्ण शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव लाना है, जहां बहु-विषयक शिक्षा, कौशल विकास और अनुसंधान व नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली के लिए एक परिवर्तनकारी कदम है। इस नीति के माध्यम से स्कूली पाठ्यक्रम में 10 + 2 ढांचे की जगह 5 + 3 + 3 + 4 का नया पाठयक्रम संरचना लागू किया गया है जो क्रमशः 3-8, 8-11, 11-14, और 14-18 उम्र वर्ग के बच्चों के लिए है, पाँचवी कक्षा तक मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई, विदेशी भाषाओं की पढ़ाई सेकेंडरी लेवल से आदि कई बदलाव किये गए है। स्कूली शिक्षा में 100% जीईआर, माध्यमिक स्तर तक सभी को शिक्षा , स्कूल से दूर रह रहे दो करोड़ बच्चों को दोबारा मुख्य धारा, उच्च शिक्षा संस्थानों में 3.5 करोड़ नई सीटें, शिक्षक-

विद्यार्थी अनुपात स्कूल में 30:1 (सामाजिक - आर्थिक रूप से वंचित बच्चों की अधिकता वाले क्षेत्रों में 25:1), ईआईटी, आईआईएम की तर्ज पर ही समकक्ष बहुविषयक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय (एमईआरयू) विकसित करने, दीक्षा पोर्टल पर बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान पर आधारित गुणवत्ता वाले संसाधनों का एक जगह संकलित कर डिजिटल माध्यम से सभी छात्रों को उपलब्ध करवाने, 2030 तक 100% युवा और प्रौढ़ साक्षरता की प्राप्ति करना एवं 2040 तक सभी शिक्षार्थियों के लिये गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देना है। इस नीति में मूल्यांकन का अभिनव प्रयोग "परख" (PARAKH = Performance, Assessment, Review and Analysis of Knowledge for Holistic Development) है जो समग्र विकास हेतु ज्ञान की समीक्षा और विश्लेषण करती है। अधिकांश राज्यों ने नई 5+3+3+4 संरचना, आधारभूत संरचना, शिक्षकों की नियुक्ति, शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटल सामग्री व मातृभाषा में शिक्षा, त्रिभाषा जैसे बिंदुओं पर क्रियान्वयन की दिशा में तेज़ प्रगति की है। इन पांच वर्षों में भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों ने विश्विद्यालय कॉलेजों की संख्या, जीईआर, छात्र-शिक्षक अनुपात, लैंगिक समानता अनुपात जैसे प्रमुख मापदंडों पर बेहतर प्रदर्शन किया है किंतु यह शिक्षा नीति के लक्षित दर से आधा भी नहीं है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

विगत दस वर्षों में संस्थानों की संख्या में 13.8% की वृद्धि, उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात बढ़कर 28.4% एवं यह वृद्धि बेहतर बुनियादी ढाँचे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जैसी नीतियों के वजह हुई है। शिक्षा नीति के पूर्ण कार्यान्वयन में कुछ बाधाएं हैं। इसके शुरुआती कार्यान्वयन एवं प्रगति में कोरोना महामारी के कारण देरी हुई । इसके अतिरिक्त सार्वजनिक चर्चा का अभाव एवं उसकी गलत व्याख्या और उदासीनता भी इसकी प्रगति में बाधक बनी। इन पाँच वर्षों में एनईपी के भाषा सूत्र को लेकर भ्रम है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति में त्रिभाषा सूत्र और बहुभाषिकता को स्थानिक शिक्षा प्रणाली में अपनाने की बात कही गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के चौथे तथा 22वें अध्याय में बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति पर बात की गई है जिसमें मातृभाषा की अनिवार्यता को स्वीकार कर उसमें शिक्षा के महत्त्व को स्पष्ट किया गया है। राजनीतिक कारण हिंदी की तथाकथित प्रमुखता को आए दिन विवाद का मुद्दा बनाते हैं । महाराष्ट्र, तमिलनाडु में हुआ विरोध इसका उदाहरण है। विश्वविद्यालयों में निजीकरण को लेकर भी संदेह की स्थिति है, जबकि एनईपी सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करने पर जोर देती है। शैक्षिक नीतियों का सफल कार्यान्वयन कई महत्वपूर्ण कारकों पर निर्भर करता है। एनईपी केवल परामर्शात्मक प्रकृति का है। कुछ राज्यों ने एनईपी से संबंधित कुछ मुद्दों पर अपनी चिंता व्यक्त की थी। हिमाचल प्रदेश एनईपी को औपचारिक रूप से लागू करने वाला पहला राज्य था, वहीं पांच वर्ष उपरांत भी कम से कम तीन राज्यों ने भी कार्यान्वयन के लिए सहमति नहीं दी है। भारत अपनी जीडीपी का लगभग 3-4% शिक्षा पर खर्च करता है, जबकि शिक्षा नीति के लक्ष्य 6 % से कम है। भारत में शिक्षा पर खर्च, भूटान और मालदीव जैसे अन्य पड़ोसी देशों से भी कम है। नीति को विनियमित करने के लिए भारतीय उच्च शिक्षा आयोग का प्रस्ताव था जिसका गठन वर्तमान निकायों यूजीसी, एआइसीटीई आदि का विलय करके किया जाना चार वर्ष बाद भी लंबित है एवं 2025 के मानसून सत्र में शायद ही पारित हो। देश भर में विभिन्न संस्थानों में पिछले कई वर्षों से शिक्षक की कमी चिंता का विषय हैं। एनईपी को लागू करने के साथ शिक्षा क्षेत्र में बड़े निवेश की जरूरत है, ताकि कायाकल्प हो।

(लेखिका एसोसिएट प्रोफेसर, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, डीयू हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

समसामयिक
पंकज झा

चर्च और कांग्रेस : यह रिश्ता क्या कहलाता है!

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार देश भर में रोज तकरीबन 18 हजार मुकदमें दर्ज किए जाते हैं। इन मुकदमों में जघन्य अपराधों से लेकर सामान्य अपराधों के विषय भी शामिल होता हैं। जमानतीय से लेकर गैर जमानतीय तक। हत्या से लेकर बलात्कार और धर्मांतरण तक के। चोरी और डकैती, तस्करी आदि से संबंधित भी। आप कल्पना कीजिए, अगर ऐसे हर अपराध दर्ज होने के बाद मुख्य विपक्षी कांग्रेस संसद तक को घेरने लगे, उसके तमाम बड़े कहे जाने वाले नेतागण ट्वीट/पोस्ट आदि करने लगे, तो कैसा होगा! कानून-व्यवस्था तक की स्थिति उसके बाद क्या होगी? ऐसा ही अटपटा मामला छत्तीसगढ़ में दो नन की गिरफ्तारी का है। सवाल यह है कि क्या हर मामले में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर ही अब कोई प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है? या कुछ विशेष संप्रदायों के मामले में यह तय किया जाएगा कि इन संप्रदायों से जुड़े विषयों पर राहुलजी की राय पहले ली जाय? क्या ऐसी कोई व्यवस्था संविधान में है? हर आरोपी को अंततः विहित व्यवस्था के तहत न्यायिक प्रक्रियाओं का सामना करना तो पड़ता ही है न? अगर आपको किसी आरोप में निरुद्ध किया गया है, तो न्यायिक व्यवस्था के तहत आपको अपना पक्ष कोर्ट में रखना ही होगा, दोषमुक्ति होने का और कोई उपाय है क्या?

छत्तीसगढ़ के बस्तर में नारायणपुर से कुछ आदिवासी लड़कियों को नौकरी का झांसा देकर आगरा ले जाने की सूचना पर दुर्ग पुलिस ने छापा मारा, और सूचना सही पाए जाने पर आरोपी महिला जो ईसाई मिशनरी से संबंधित थी, उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ऐसे न जाने देश भर में कितने मामले होते होंगे। विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में ह्यूमन ट्रैफिकिंग एक बड़ी समस्या है, जिस पर लगातार सरकारें कार्रवाई करती ही हैं। ऐसी कोई भी कारवाई कभी भी राजनीतिक मामला नहीं बनता है। हाल के दिनों में केवल जनवरी-जुलाई 2024 तक, छत्तीसगढ़ पुलिस ने 50 से अधिक तस्करी पीड़ितों को बचाया, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। पिछले वर्ष के एक मामले में तो छत्तीसगढ़ पुलिस ने रायपुर में एक अंतरराज्यीय तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया, जिसमें 15 नाबालिग लड़कियों को दिल्ली भेजा जा रहा था। तब भी 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जुलाई 2024 में रायपुर में तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ कर 8 नाबालिग लड़कियों को बचाया गया। मई 2024 में बस्तर से एक 12 बच्चों को तस्करी से बचाया, जो ईंट भट्टों में काम करने के लिए ले जाए जा रहे थे। इससे पहले सुरजपुर में पुलिस ने सामाजिक संगठनों की सहायता से 10 बच्चों को बचाया, फिर आदिवासी समुदायों से युवतियों को नौकरी का झांसा देकर तस्करी करने के कई मामले दर्ज किए गए।

मानव तस्करी का यह कृत्य न केवल बच्चियों को देह व्यापार में धकेलने संगठित रूप से यह किया जा रहा है, बल्कि अंग तस्करी आदि के लिए भी ऐसे घृणित अपराध होने की सूचना है। आखिर छत्तीसगढ़ के एक जिले से दो महिलाओं की गिरफ्तारी में ऐसा क्या विशेष है, जिसके कारण समूचे देश में कांग्रेस की बासी कढ़ी में इतना उबाल आ गया। अन्य विषयों से इसमें विशेषता केवल यह थी कि दोनों आरोपी महिला आईएसआई मिशनरी से जुड़ी थी और 'नन' थी। तो क्या छत्तीसगढ़ में पुलिस को अब कोई कार्रवाई करने से पहले यह देखना पड़ेगा कि आरोपी कोई ईसाई या मुस्लिम न हो? अगर ऐसे किसी के खिलाफ मुकदमें आदि दर्ज किए गए, तो कांग्रेस इस तरह अपनी समूची ताकत बस्तर की बेटियों का सौदा करने वालीं के पक्ष में झोंक देगी? जिस संविधान की बड़ी बड़ी बात राहुल गांधी जी करते हैं, क्या वह संविधान ऐसे किसी कृत्य की इजाजत देता है? क़ानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार प्रदेश की सरकार को आखिरकार क्यों केंद्रीय कांग्रेस से कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र चाहिए भला? इससे पहले भी अनेक घटनाएँ हुई जिसमें केवल मत विशेष का होने के कारण कांग्रेस ने आँख मूँद कर समर्थन दिया। बस्तर में कमिश्नर और एसपी ने अलग-अलग पत्र लिख कर तब की भूपेश बघेल सरकार को ईसाई मिशनरियों में कारण पैदा हो रहे संकट से अवगत कराया था। लेकिन बजाय कोई सार्थक कदम उठाने में संदिग्धों से तब के मुख्यमंत्री दिल्ली में मुलाकात कर आए और बकायदा ट्वीट कर इसकी जानकारी भी साझा की थी। फिर कांग्रेस के ही विधायक ने तब मिशनरियों की सभा लेकर आदिवासियों के खिलाफ उनकी लड़ाई में साथ देने का वादा किया था। उस समय मिशनरियों के मंसूबे इतने आसमान पर थे कि राजधानी रायपुर में एक मिशनरी ने संविधान जलाने की धमकी तक दी थी, फिर भी तब की कांग्रेस सरकार न केवल उन तमाम हरकतों के विरुद्ध तटस्थ रही थी, बल्कि प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से उसे हवा भी देती रही थी।

बात चाहे भ्रष्टाचार की हो या तस्करी की, क़ानून व्यवस्था का विषय हो या साम्प्रदायिक मतांतरण आदि का। कांग्रेस को असुविधा पैदा करने वाले मुद्दों पर इस तरह न्याय प्रणाली के विरुद्ध झोंक देना, किसी अज्ञात दबाव में समूचे सिस्टम को बंधक बनाने की ऐसी कोशिश निंदनीय है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में क़ानून की दृष्टि में सभी एक हैं। सबको न्यायिक उपचार लेने का अधिकार है। लेकिन इस प्रणाली पर दबाव बनाना, किसी भी अज्ञात आरोपी के पक्ष में स्वयं ही कूद कर नतीजे पर पहुँच जाना। ख़ुद ही वकील, अपील और दलील बन जाना अनुचित है। नैसर्गिक न्याय का सिद्धांत है कि सौ दोषी भले बच जाये, पर किसी एक भी दोषी को सजा नहीं मिले, ऐसे उदार तंत्र पर भरोसा नहीं कर देश भर में गलत तरीके से माहौल बना कर कानून या संविधान को बंधक बनाने की साजिश सफल नहीं होने दी जायेगी। ऐसी गलत परिपाटी से किसी भी राजनीतिक समूह को बचना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

उद्यमो भैरवः

संकलित
दर्शन

हम इस दार्शनिक उलझन में पड़ गए हैं कि प्रभु करते हैं या हम करते हैं। क्या मैंने भी कुछ किया है या सबकुछ प्रभु ही कराते हैं? इसको समझना बहुत आवश्यक है। इस बात को समझे बिना, आध्यात्म के नाम पर हम क्या-क्या करते हैं। इसलिए, तथाकथित धार्मिक या आध्यात्मिक लोग बहुत समस्या पैदा करते हैं। स्वयं भी समस्या में उलझ जाते हैं और दूसरों के लिए भी समस्या पैदा कर देते हैं, क्योंकि उन्हें अकर्मण्यता पकड़ लेती है। एक विलक्षण शिव सूत्र है, 'उद्यमो भैरवः' भैरव शिव जी से ही प्रकट हुई शक्ति है। यदि आप किसी कार्य में संलग्न हैं तो उसमें अपना सौ प्रतिशत लगाएं। यही उद्यम है। ये आपको मुक्त कर देगा। जो काम करना है, उसके बारे में सोचकर बैठे रहने से कुछ नहीं होगा। करना है और छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं तो वह भी नहीं होगा। जो करना है, वह पूरा करके समाप्त करें और जो छोड़ना है, उसे छोड़कर शांत हो जाएं। दोनों में सौ प्रतिशत लगाएं। उद्यमो भैरवः प्रयत्न भी भगवान ही है। यदि हमारे उद्यम से ही सारा लाभ प्राप्त हो जाए तो हर एक व्यक्ति सफल हो जाता। ऐसा तो नहीं होता है। जब आप कोई काम करते हैं तो कभी सफल होते हैं और कभी असफल होते हैं। एक आलसी व्यक्ति सब छोड़कर बैठ जाता है। जब होगा, तब होगा। और जो व्यक्ति ज्वर से पीड़ित है, वह करता ही जा रहा है। वह तनाव से भरा हुआ है। वह आशाओं के पत्थरों को सिर पर ढो रहा है। उसके भीतर विभिन्न प्रकार की नकारात्मक संवेदनाएं उत्पन्न होने लगती हैं। तो मार्ग क्या है? कहां है? तब बताते हैं, 'उद्यमो भैरवः'।

अर्जुन को अपनी विद्या पर था घमंड

संकलित
प्रेरणा

महाभारत का प्रसंग है। कोरव और पांडवों का युद्ध तय हो गया था। दोनों ही पक्ष युद्ध की तैयारियां कर रहे थे। उस समय अर्जुन ने एक पर्वत पर देवराज इंद्र से दिव्यास्त्र पाने के लिए तप किया। देवराज इंद्र प्रकट हुए और उन्होंने कहा कि मुझसे दिव्यास्त्र लेने से पहले तुम्हें शिव जी को प्रसन्न करना होगा। इंद्र देव की बात मानकर अर्जुन ने शिव जी को प्रसन्न करने तप शुरू कर दिया। जिस जगह अर्जुन तप कर रहे थे, वहां एक दिन एक जंगली सूअर आ गया। सूअर एक मायावी दैत्य था। अर्जुन ने जैसे ही जंगली सूअर को देखा, उन्होंने अपने धनुष पर बाण चढ़ा लिया। तभी वहां किरात वनवासी पहुंच गया। किरात वनवासी कोई और नहीं, बल्कि शिवजी ही थे, जो वेष बदलकर आए थे। वनवासी ने अर्जुन को बाण चलाने से रोक दिया और कहा कि ये मेरा शिकार है। ये बात सुनने के बाद भी अर्जुन ने तीर सूअर की ओर छोड़ दिया। वनवासी ने भी उसी समय बाण छोड़ दिया। अर्जुन और वनवासी के बाण एक साथ उस सूअर को लगे। सूअर तो मर गया, लेकिन इन दोनों के बीच विवाद होने लगा। ये विवाद युद्ध तक पहुंच गया। युद्ध के बीच में वनवासी का एक बाण अर्जुन को लग गया। इसके बाद अर्जुन ने कुछ देर के लिए युद्ध रोका और मिट्टी का एक शिवलिंग पूजा की। पूजा में जो माला अर्जुन ने शिवलिंग पर चढ़ाई थी, वह उस वनवासी के गले में दिखाई देने लगी। ये देखकर अर्जुन समझ गए कि ये स्वयं शिव जी ही हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

बीमा सखी योजना से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा

केंद्र सरकार की बीमा सखी योजना न केवल महिलाओं के लिए उपयोगी होगी, बल्कि ग्रामीण भारत को आर्थिक सुरक्षा देने के लिए महत्वपूर्ण है। किसानों लिए सरकार महत्वपूर्ण फैसले ले रही है। केंद्र सरकार की अनेक योजनाएं महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण ही नही है, बल्कि गांवों में बीमा सखी योजना आर्थिक सुधारों के लिए मिल का पत्थर साबित हुई है। केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि किसान एवं कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बयान दिया है कि मोदी के नेतृत्व में बीमा सखी योजना महिला शसक्तीकरण और ग्रामीण आर्थिक सुरक्षा देने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। केंद्र और राज्य सरकार की अनेक योजना महिला सशक्तिकरण की तरफ विकास की बुलंदिया छूने के लिए पर्याप्त है। *–कांतिलाल मांडोत, सूरत*

ट्रेंड

बहुत-बहुत बधाई

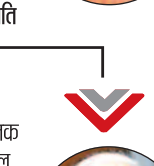

दिव्या देशमुख को मेरी हार्दिक बधाई, जो महिला विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, मात्र उन्नीस वर्ष की आयु में। कोनेरू हम्पी उपविजेता रहीं और शतरंज विश्व चैंपियनशिप की दोनों फाइनलिस्ट भारत से थीं।

-द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

महानता के दर्शन

'शैव सिद्धांत और चोल मंदिर कला' नामक एक बहुत अच्छी प्रदर्शनी देखी, जो तमिल इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिक महानता को दर्शाती है। यह देखने के बाद ऐसा लगा कि हमारी संस्कृति ने हमें कितनी अद्भुत सौगात दी है। जो दुनियाभर को मेल जोल के संस्कार दे रही है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आपका बहुत अभिनंदन

अश्लीलता के विरुद्ध उदय माहुरकर आपके अभियान का युवा पीढ़ी, देश,धर्म व संस्कृति की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान होगा, यह लड़ाई भोगवाद व अध्यात्मवाद की है, अश्लीलता व भोगवाद के विरुद्ध महत्वपूर्ण विजय के लिए आपका बहुत अभिनंदन।

- बाबा रामदेव, योगगुरु

खाना लाजवाब

हाल ही में, न्यूयॉर्क में मैंने घर का स्वाद चखा। उस शहर में, जो कभी सोता नहीं, मुझे सबसे अच्छा भारतीय रेस्तरां मिला जहां एक इंडियन के सपने एक प्लेट में सच हुए नज़र आए। खाना तो बहुत लाजवाब था।

- अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

करंट अफेयर

किम की बहन ने द. कोरिया की सुलह पहल को ठुकराया

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने दक्षिण कोरिया की नयी सरकार के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसमें उसने दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए बातचीत की पेशकश की थी।

किम जोंग की बहन ने इस प्रस्ताव को सोमवार को खारिज करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत करने में कोई रुचि नहीं है, चाहे उसका प्रतिद्वंद्वी कोई भी प्रस्ताव क्यों न पेश करे। किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग की इन टिप्पणियों से फिर से यह स्पष्ट होता है कि उत्तर कोरिया का निकट भविष्य में दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका के साथ किसी भी प्रकार की कूटनीतिक बातचीत करने का कोई इरादा नहीं है। उत्तर कोरिया इस समय रूस के साथ अपने बढ़ते सहयोग पर अधिक ध्यान दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि उत्तर कोरिया को लगता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त होने के बाद भी वह रूस के साथ अपने संबंधों को पहले जैसा नहीं रख पाएगा, तो वह अपना रुख बदल सकता है। दक्षिण कोरिया के सरकारी मीडिया द्वारा जारी एक बयान में किम यो जोंग ने कहा, ''हम एक बार फिर आधिकारिक रुख स्पष्ट करते हैं कि सियोल (दक्षिण कोरिया) में चाहे कोई भी नीति अपनाई जाए और कोई भी प्रस्ताव रखा जाए, हमें उसमें कोई रुचि नहीं है।

ऑफ बीट

हरित ऊर्जा के लिए पृथ्वी पर पर्याप्त हाइड्रोजन मौजूद

पृथ्वी की महाद्वीपीय चट्टानों के सबसे पुराने हिस्सों ने अरबों वर्षों से बड़े पैमाने पर प्राकृतिक हाइड्रोजन उत्पन्न किया है और वैज्ञानिकों का मानना है कि यह गैस

पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद भंडारों में संचित हो सकती है, जो आने वाले वर्षों में वैश्विक हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी स्रोत बन सकती है। माली में एक गैस क्षेत्र से शुद्ध प्राकृतिक हाइड्रोजन का व्यावसायिक उत्पादन इसकी व्यापक संभावनाओं का प्रमाण है, जिसने अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और यूरोप के नीति-निर्माताओं का ध्यान आकर्षित किया है। तेजी से बढ़ रही रुचि साल 2023 के अंत तक दुनियाभर में 40 कंपनियां प्राकृतिक हाइड्रोजन की खोज में सक्रिय थीं और वर्ष 2024 से यह संख्या दोगुनी होने की संभावना जताई गई है। इसमें औद्योगिक निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय खनिज कंपनियों की भागीदारी भी बढ़ी है तथा आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में नवाचार की भी संभावना है। हाइड्रोजन : एक बहुपयोगी संसाधन ईंधन परिष्करण, अमोनिया और उर्वरक उत्पादन तथा इस्पात उद्योग जैसे क्षेत्रों में पहले से ही हाइड्रोजन का उपयोग हो रहा है। ब्रिटेन सरकार के एक हालिया नीति पत्र के अनुसार, हाइड्रोजन को प्राकृतिक संसाधन के रूप में मान्यता दिए बिना इस क्षेत्र में निवेश और विकास को बढ़ावा देना मुश्किल है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

अमिताभ ने शेयर की फिल्म शोले की पुरानी टिकट

मुंबई। दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग और सोशल मीडिया पर अक्सर दिलचस्प बातें शेयर करते हैं। हाल ही में उन्होंने एक फिल्म की टिकट का फोटो शेयर किया है। यह टिकट उन्ही की फिल्म शोले का है। इसकी कीमत 20 रुपए है। अमिताभ ने सोमवार सुबह अपने निजी ब्लॉग पर अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें से एक में टिकट भी था। अभिनेता ने बताया कि आज एक पेय की कीमत उतनी ही है, जितनी पहले टिकटों की होती थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा शोले का टिकट संभाल कर रखा गया है। इसकी कीमत 20 रुपए है। मुझे बताया गया है कि आजकल सिनेमाघरों में एक ड्रिंक की कीमत यही है।

लाइफ Style

मेधा

बॉर्डर 2 में बनेंगी वरुण धवन की प्रेमिका

फ्राइडे नाइट प्लान, इश्क इन द एयर, डांसिंग ऑन द ग्रेव और लंदन फाइल्स में अपने दमदार अभिनय से सबको चौंकाने वाली अभिनेत्री मेधा राणा बॉर्डर 2 में बॉलीवुड स्टार वरुण धवन की प्रेमिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मेधा के चुनाव को लेकर निर्माता भूषण कुमार ने कहा, 'हमारे लिए किसी ऐसी अभिनेत्री को ढूंढना बेहद जरूरी था जो स्वाभाविक रूप से उस क्षेत्र की भाषा, भाव और असली माहौल को फिल्म में सही तरीके से दिखा सके। मेधा ने अपनी काबिलियत से सबको प्रभावित किया, खासकर क्षेत्र की बोली, बोलने के तरीके, और अभिनय में भावों की गहराई ने सभी को चौंका दिया। हमें पूरा विश्वास है कि मेधा इस रोल में बिल्कुल परफेक्ट है।' बता दें कि मेधा सैन्य परिवार से आती है। प्रोड्यूसर निधि दत्त ने कहा कि बॉर्डर 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक भावना है। इसमें गहरा एहसास और अटूट जज्बा है। मेधा को कास्ट करने के बारे में उन्होंने कहा, 'फिल्म में डायरेक्टर से लेकर सभी कलाकारों का चुनाव इस वजह से किया गया है ताकि एक ऐसी कहानी दिखाई जा सके जो सच्ची और प्रेरणादायक लगे। मेधा राणा और वरुण धवन साथ मिलकर फिल्म में एक नई ताजगी लाएंगे, यह जोड़ी कहानी को खूबसूरत बना देगी। मेधा राणा की उम्र 24 साल बताई जा रही है। उनका जन्म 25 दिसंबर 1999 को गुरुग्राम में हुआ है। हालांकि, उनकी पढ़ाई-लिखाई चंडीगढ़ और बेंलगुरु में हुई है।

हॉलीवुड मसाला

स्टेज शो में अचानक उतर गई स्कर्ट

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सिंगर और एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज ने 25 जुलाई को पोलैंड के वारसॉ में अपना कॉन्सर्ट कर रही थीं। इसी दौरान ये हादसा हुआ। जेनिफर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में जेनिफर स्टेज पर अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस दे रही थीं। इस दौरान सिंगर ने एक गोल्डन कलर की शॉर्ट स्कर्ट पहली थी, जो अचानक ही स्टेज पर सबके सामने ढीली होकर नीचे गिर गई। इससे वो काफी घबरा जाती हैं, लेकिन जेनिफर ने वार्डरोब मालफंक्शन को बहुत ही अच्छे से हैंडल किया।

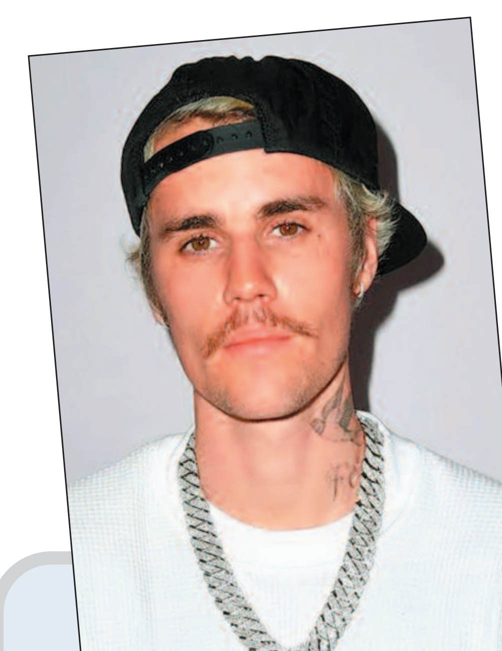

सैयारा के टाइटल ट्रैक ने जस्टिन बीबर को पछाड़ा

मुंबई। आईएमडीबी की टॉप 10 सिलेब्रिटीज़ में मोहित सूरी के साथ-साथ 'सैयारा' के कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा ने भी टॉप पर जगह बना ली है। हॉलीवुड गानों की और यहां भी सैयारा ने ही बाजी मार ली है। अहान और अनीत की ये फिल्म दुनिया भर में तहलका मचाए हैं। इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि सैयारा ने जस्टिन बीबर, बिली इलिश, ब्लैकपिंक और ब्रूनो मार्स जैसे सितारों को भी पछाड़ दिया है। सैयारा की सफलता का सिलसिला अभी थमता नहीं दिख रहा। फहीम अब्दुल्ला द्वारा गाए और हिटमेकर तनिष्क बागची के लिखे इस फिल्म के टाइटल ट्रैक ने न केवल भारतीय रेडियो पर धूम मचाई है, बल्कि दुनिया भर के ऑडियंस का दिल भी जीत लिया है। सैयारा का टाइटल ट्रैक ऑफिशियली स्पॉटिफाई के ग्लोबल वायरल 50 चार्ट में टॉप पर पहुंचने वाला पहला भारतीय सॉन्ग बन गया है।

देवदास देख लिया अभिनेत्री बनने का फैसला

नई दिल्ली। एली अवराम उन चुनिंदा एक्ट्रेसेज में से हैं जो बाहर से भारत आईं और यहां अपने दम पर पहचान बनाई। उनकी खूबसूरती, डांस और मासूमियत ने लोगों को खूब पसंद आया। फिल्म किस किसको प्यार करूं और रियलिटी शो बिग बॉस से उन्होंने बॉलीवुड में अच्छी पहचान बनाई। एली का जन्म 29 जुलाई 1990 को स्वीडन के स्टॉकहोम में हुआ था। वो स्वीडिश-ग्रीक मूल की हैं। बचपन से ही उन्हें डांस और एक्टिंग का शौक था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि जब वो सिर्फ 14 साल की थीं, तब उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म देवदास देखी थी। उसी दिन उन्होंने सोच लिया था कि उन्हें बॉलीवुड में काम करना है। एली अवराम टूरिस्ट वीजा लेकर बॉलीवुड में यानी मुंबई में आई थीं। यहां उन्होंने हिंदी बोलना सीखा, ऑडिशन दिए और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में जगह बना ली।

वॉर-2 की रिलीज से पहले हो गई बंपर कमाई

नई दिल्ली। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की मोस्ट अवेटेड फिल्म वॉर 2 को लेकर बॉलीवुड में काफी क्रेज है। कहा जा रहा है कि 400 करोड़ में बनने वाली ये फिल्म 15 अगस्त के मौके पर रिलीज होने जा रही है। एक तरफ जहां वॉर 2 ने रिलीज से पहले ही लोगों में इसे देखने का क्रेज बढ़ता जा रहा है वहीं, फिल्म ने रिलीज होने से पहले ही मेकर्स की लॉटरी निकाल दी है। दरअसल, वॉर 2 के तेलुगु वर्जन को मेकर्स ने 90 करोड़ रुपए में बेचने में कामयाबी हासिल की है। कहा जा रहा है कि टॉलीवुड के मशहूर फिल्म मेकर नागा वामसी ने वॉर 2 के तेलुगु वर्जन के राइट्स 90 करोड़ में खरीद लिए हैं। ऐसे में सबसे ज्यादा फायदा जूनियर एनटीआर को होता दिख रहा है, क्योंकि अगर फिल्म हिट होती है तो जूनियर एनटीआर नागा वामसी के साथ हैट्रिक लगाते दिखेंगे।

पौराणिक एक्शन फिल्म महावतार नरसिम्हा ने मचाई धूम ...

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर सैयारा के तूफानी प्रदर्शन के बीच 25 जुलाई को सिनेमाघरों में एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई, जिसने दर्शकों के दिलों में सीधे जगह बना ली और उस फिल्म का नाम है 'महावतार नरसिंह'। यह फिल्म पिछले तीन दिनों से लगातार हाउसफुल चल रही है। सैयारा को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। महज 35-40 करोड़ में बनकर तैयार हुई इस फिल्म ने अब तक वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कुल 372.71 करोड़ की कमाई कर तहलका मचा दिया है। वहीं, सैयारा के बाद 25 जुलाई को रिलीज हुई एनिमेटेड फिल्म 'महावतार नरसिंह' ने भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की। पहले दिन से लेकर अब तक यह फिल्म सिनेमाघरों में हाउसफुल चल रही है। इस फिल्म को देखने लोग अपने पूरे परिवार के साथ सिनेमाघर पहुंच रहे हैं। पहले दिन जहां इस फिल्म की कुल कमाई 1.35 करोड़ हुई थी, वहीं दूसरे दिन 3.25 करोड़ और फिर दिन यानी रविवार को इसकी कमाई लगभग 6.50 करोड़ रही। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हिंदी में 'महावतार नरसिम्हा' का तीन दिनों का कुल कलेक्शन अब 11.35 करोड़ रुपए हो गया है। 'महावतार नरसिम्हा' एक महाकाव्य पौराणिक एक्शन फिल्म है, जिसका निर्देशन अश्विन कुमार ने अपने निर्देशन में किया है। यह फिल्म जयपूर्ण दास द्वारा लिखित और क्लेम प्रोडक्शंस व होम्बले फ़िल्म्स द्वारा निर्मित है। यह फिल्म राक्षस हिरण्यकश्यप पर केंद्रित है, जो भगवान विष्णु से बदला लेना चाहता है और स्वयं को भगवान घोषित करता है। उसका पुत्र, प्रह्लाद, विष्णु का भक्त है। राक्षस को हराने और संतुलन बहाल करने के लिए विष्णु नरसिंह के रूप में प्रकट होते हैं।

1000 एपिसोड पार करने वाला पहला शो था 'एक महल हो सपनों का'

नई दिल्ली। एक वक्त ऐसा था, जब लोग टीवी से चिपके रहते थे। उस पर आने वाले सभी धारावाहिकों को चाव से देखते थे। वह उन सीरियल में इतना घुल जाते थे कि उस कहानी को सच मान बैठते थे। उसके साथ ही हंसते थे और उसके साथ ही रो पड़ते थे। एक धारावाहिक कई सालों तक चलते थे, जिनसे ऊब भी नहीं होती थी। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'कहानी घर घर की' जैसे डेली सोप ने टीवी की दुनिया में लंबे समय अपनी धाक जमाए रखी। लेकिन इसके पहले भी एक शो आया था, जिसने इसे टक्कर दी थी। और 1000 एपिसोड पूरा करने का रिकॉर्ड बनाया था। उसने इतिहास रचा था। हम बात कर रहे हैं सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर आने वाले शो 'एक महल हो सपनों का' की। यह शो अपने समय का सबसे लंबे समय तक चलने वाला भारतीय टीवी धारावाहिक माना जाता था। ये 25 जनवरी, 1999 को शुरू हुआ था और 29 नवंबर, 2002 को ऑफ एयर हुआ था। यह कुल 2 साल और 10 महीने तक चला था। 'एक महल हो सपनों का' शो हिट गुजराती सीरीज 'सपना ना ववेतार' का हिंदी रीमेक था, जो 1996 से 1997 तक डीडी गुजराती पर आता था। हिंदी वाला धारावाहिक, उससे ज्यादा समय तक टीवी पर प्रसारित हुआ था। शो के डायरेक्टर विपुल शाह ने 'दैनिक भास्कर' को बताया था कि दर्शक शो के सभी किरदारों से बहुत ज्यादा कनेक्टेड हो गए थे। 'क्रेज इतना ज़्यादा था कि लोग सिर्फ़ इस शो को देखने के लिए अपनी दुकानें बंद कर देते थे।'

कपिल शर्मा के शो पर परिणीति के साथ बिना जूतों के पहुंचे राघव : नई दिल्ली। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा इस बार कपिल शर्मा के मेहमान बने हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शो के अपकमिंग एपिसोड के प्रोमो वायरल हैं। इसमें राघव और कपिल की टीम के बीच मजेदार बातचीत दिख रही है। शो में राघव नंगे पैर पहुंचते हैं इस पर कपिल उनके मजे लेने की कोशिश करते हैं। इस पर राघव ने बताया कि वह शो पर आ रहे थे तो स्टेज के पीछे उनके जूते चोरी हो गए। कुछ देर में जूते चुराने वाले भी वहां पहुंच गए। कपिल शर्मा के शो पर पॉलिटीशियन राघव चड्ढा पहुंचे तो उनके पैरों में जूते नहीं थे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
छत्तीसगढ़ सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित
BAJAJ Allianz Caringly yours

अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठाईये बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के साथ
फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ

बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025

अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगगढ़–बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर–चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला–मानपुर–अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2025 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें: धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

■ योजना के मुख्य बिंदु :
- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बैमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त उपज आंकड़े, निर्धारित थ्रेसहोल्ड उपज से कम आने पर दावा भुगतान
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अतंर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

■ योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :
- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर–ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर–ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज– नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।

ऋणी कृषक: योजना ऋणी कृषकों के लिए विकल्प चयन (Opt-out) आधार पर क्रियान्वित होगी। ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।
- ऑप्ट–आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम–वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट–आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।

अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 70655-14447 का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना अनिवार्य है

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें
Google Play
FARMITRA

बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि., बजाज आलियांज हाउस, एयरपोर्ट रोड, येरवडा, पुणे - 411006 । आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या: 113 • सीआईएन: U66010PN2000PLC015329 • यूआईएन: IRDAN113CP0001V02201617 • www.bajajallianz.com • टोल फ्री नंबर: सेल्स - 1800 209 0144 / सर्विस - 1800 209 5858 • अधिक जानकारी के लिए जोखिम कारक, नियम और शर्तों को जानने के लिए कृपया विवरणिका पढ़े, यह सुनिश्चित करने से पहले । BJAZ-O-5174/05-06-2025
लोगो PMFBY, छत्तीसगढ़ शासन, फार्ममित्र कैरिंगली योर्स एक विवरणात्मक लोगो है, जिसका उपयोग उत्पाद के उद्देश्य को प्रतिष्ठापित करने और सरलीकृत करने के लिए किया जाता है, और यह कंपनी का व्यापार लोगो नहीं है।

ओटीटी पर हिंदी में देखिए दिमाग को झकझोर देने वाली ये तमिल फिल्में

ये फिल्में न केवल मनोरंजक बल्कि सोचने पर भी करती हैं मजबूर

मुंबई। ओटीटी पर अगर आपकी तलाश कुछ ऐसे एक्शन और थ्रिलर ड्रामा की है, जो दिल और दिमाग पर छा जाए, तो जरा इन 5 फिल्मों पर गौर कीजिएगा। ये तमिल सुपरस्टार की धनुष की टॉप 5 फिल्में हैं, जो ओटीटी पर हिंदी में उपलब्ध हैं। वेंकटेश प्रभु कस्तूरी राजा उर्फ धनुष। कहना गलत नहीं होगा कि भारतीय सिनेमा में इस वक्त जितने भी सितारे हैं, धनुष उन सभी में किसी ध्रुव तारे की तरह हैं। वो, जो दिखने में भले ही 'आम' हो, लेकिन उसकी काबिलियत सबसे 'खास' है। वो, जो पर्दे पर खून-खराबा और एक्शन की बजाय, अपनी दिल छू लेने वाली एक्टिंग से मजमा लूटता है। वो, जो सफेद शर्ट और नीले पैंट में पीठ पर स्कूल बैग टांग लेता है, तो हर दिल 'कुंदन' बन जाता है। वो, जो 'शमिताभ' में गूंगा बनकर महानायक अमिताभ बच्चन को मात दे देता है। धनुष, वैसे तो तमिल फिल्मों में मुख्य रूप से काम करते हैं, लेकिन उन्हें पर्दे पर देखकर हिंदी के दर्शकों का भी दिल धड़कने लगता है। धनुष ने अपने फिल्मी कॅरियर में 50 से अधिक फिल्मों में काम किया है। चार बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुके हैं। इसमें दो बार एक्टर के तौर पर, तो दो बाद फिल्म निर्माता के रूप में। वह 14 बार सीमा अवॉर्ड, 8 बार फिल्मफेयर अवॉर्ड जीत चुके हैं। इतना ही नहीं, प्रतिष्ठति 'फोर्ब्स इंडिया' की 'सेलिब्रिटी 100' लिस्ट में 6 बार जगह पा चुके हैं।

वडा चेन्नई : धनुष के कॅरियर की सबसे तगड़ी रेटिंग वाली फिल्म 'वडा चेन्नई' है, जो साल 2018 रिलीज हुई थी। यह एक तमिल क्राइम ड्रामा है। फिल्म के राइटर और डायरेक्टर दिग्गज वेत्रिमारन हैं। 'वडा चेन्नई' का मतलब है उत्तरी चेन्नई। फिल्म में धनुष ने अंबू का किरदार निभाया है। कहानी के मुताबिक, अंबू एक जबरदस्त कैरम प्लेयर है। वह अपनी जिंदगी दोस्तों और इस खेल के साथ बड़ी सादगी से बिता रहा है। लेकिन जाने-अनजाने वह दो राइवल गैंगस्टर्स के बीच के गैंगवार में उलझ जाता है। इसके बाद कहानी में क्या होता है, यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी पड़ेगी।

असुरन : साल 2019 में रिलीज असुरन को अगर धनुष की अब तक की बेस्ट फिल्म कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। यह एक पीरियड एक्शन ड्रामा है। इस फिल म को भी वेत्रिमारन ने ही डायरेक्ट किया है। कहानी एक उपन्यास 'वेक्कई' से ली गई है, जिसे पूमनी ने लिखा है। फिल्म में धनुष के साथ मंजू वारियर, केन करुणास और तीजय अरुणासलम मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म ने 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में दो अवॉर्ड जीते। पहला बेस्ट फीचर फिल्म का और दूसरा धनुष को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। 'असुरन' की कहानी एक वंचित जाति के किसान परिवार की है। इस किसान के बेटे से एक अमीर और ऊंची जाति के जमींदार की हत्या हो जाती है। फिल्म में आगे एक शांति की जिंदगी बिताने वाले किसान की अपने गुस्सैल बेटे को बचाने की जद्दोजहद है। लेकिन, मर्म, इतना ही नहीं है। यह फिल्म वर्ग संघर्ष, जाति और भेदभाव पर भी गहरी चोट करती है।

धनुष की वो फिल्में, जिन्हें देख आलोचक भी हो गए चुप

खैर, अब जब बात धनुष की हो रही है तो उनकी उन टॉप-5 फिल्मों की भी बनती है, जिसे सबसे अधिक प्यार मिला। ये वो फिल्में हैं, जिन्हें आईएमडीबी पर उनकी 50 से अधिक फिल्मों की लिस्ट में सबसे तगड़ी रेटिंग मिली है। ये वो फिल्में हैं, जिन्हें देखकर दर्शक तो दर्शक, फिल्म समीक्षक और आलोचक भी धनुष के मुरीद हो गए। खास बात ये है कि ये सभी 5 फिल्में ओटीटी पर हिंदी में उपलब्ध हैं।

कर्णन : 'असुरन' की तरह ही धनुष की 'कर्णन' भी जाति संघर्ष की कहानी बयां करती है। साल 2021 में रिलीज इस तमिल एक्शन ड्रामा के डायरेक्टर मारी सेल्वराज हैं। फिल्म में धनुष के साथ राजिशा विजयन, लाल, योगी बाबू, लक्ष्मी प्रिया चंद्रमौली और नट्टी सुब्रमण्यम भी हैं। कहानी के केंद्र में कर्णन है, जो एक छोटी जाति के समुदाय से ताल्लुक रखता है। हालात, कुछ ऐसे बनते हैं कि पुलिस कर्णन के समुदाय पर बर्बरता की हद तक जुल्म ढाती है। कर्णन अपने लोगों के अधिकार के लिए खड़ा होता है और न्याय की लड़ाई लड़ता है।

केंद्र से जयराम ने पूछे सवाल

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में आरक्षित फैकल्टी पदों पर चौंकाने वाली रिक्तियाँ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में मोदी सरकार ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित शिक्षकीय पदों की बेहद चिंताजनक स्थिति को स्वीकार किया है। आंकड़ों ने साफ कर दिया है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक न्याय के नाम पर केवल /"कागज़ी/" प्रतिबद्धता है, जबकि जमीनी हकीकत इससे एकदम उलट है। प्रोफेसर पद पर ओबीसी वर्ग में 80 फीसदी पद रिक्त है जबकि एसटी, एससी वर्ग में 83 और 64 फीसदी पद रिक्त पद हैं। ये आंकडे आंखे खोल देने वाले हैं। ऐसा क्यों है? ऐसे सवालों के जवाब में आमतौर पर शिक्षा मंत्रालय का एक सा जवाब होता है इस वर्ग में योग्य प्रत्याशी नहीं मिले। मंत्रालय के आंकडों को ट्वीट कर राज्यसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कई सवाल केंद्र सरकार पर दागे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था चल कैसे रही उसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है सिर्फ आरक्षित वर्ग में ही नहीं बल्कि सामान्य वर्ग में भी विभिन्न विश्वविद्यालयों में 39 फीसदी प्रोफेसर्स के पद लंबे समय से रिक्त हैं। यही हाल एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर स्तर पर नियुक्तियों का है। ओबीसी श्रेणी में एसोसिएट प्रोफेसर के लिए 69 फीसदी, एसटी के लिए 65 फीसदी, एससी वर्ग में 51 फीसदी जब कि सामान्य वर्ग के लिए 16 फीसदी पद रिक्त हैं। जयराम रमेश ने जानकारी देते हुए बताया कि एकतरफ बेरोजगारी की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है पढे लिखे युवा दर दर भटक रहे हैं और केंद्र सरकार खाली पडे पदों को भरने का नाम नहीं ले रही। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा जो किसी भी देश की शैक्षणिक व्यवस्था का पैमाना माना जाता है उसमें अगर इतनी बडी रिक्तिता लंबे समय से हो तो ये न देश के लिए ठीक है, न पढे लिखे युवाओं के लिए और न ही उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले नौनिहालों के लिए।

विरोध किया तो नौकरी गई... ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी से लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

संसद भवन में आज देशभर की सात ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों के कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर अपनी पीड़ा साझा की। मुलाकात में खास तौर पर यह चिंता प्रकट की गई कि इन कर्मचारियों को अग्निवीर मॉडल की तर्ज पर टेन्योर आधारित कॉन्ट्रैक्ट के तहत काम पर रखा जा रहा है, जिससे उनकी भविष्य की स्थिरता और अधिकारों पर गहरी चोट हो रही है। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, केवल इटारसी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में ही 511 स्किल्ड पदों के लिए स्वीकृति है, जिनमें से 500 पद अभी खाली हैं, इसके बावजूद नए अनुबंधित कर्मचारियों को इन स्वीकृत पदों पर नियुक्त नहीं किया जा रहा। यह दर्शाता है कि सरकार या संबंधित प्राधिकरण स्थायी पदों को भरने से बचते हुए ठेके पर काम करवा रहे हैं। सभी सातों ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों में काम करने वाले कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि हमारे साथ काम वही कराया जा रहा है लेकिन हमारा हक नहीं मिल नहीं रहा, सभी ने एकसुर में कहा कि उनलोगों के साथइ बड़ा अन्याय हो रहा है, इसे मामले को संसद में उठाकर कर्मचारियों की मांग पूरी कराने का आह्वान भी प्रतिनिधिमंडल ने किया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इन टेन्योर बेस्ड कर्मचारियों से वही कार्य लिए जा रहे हैं, जो नियमित सरकारी कर्मचारी करते हैं।

यह कहा राहुल ने

राहुल गांधी ने माना कि यह पूरी प्रणाली एक प्रकार से 'ठेकेदारीकरण' को बढ़ावा देती है, जहां सरकारी कामकाज को निजी कंपनियों के मॉडल में ढाला जा रहा है - कम लागत, कम अधिकार और अधिक नियंत्रण। यह न केवल कर्मचारियों के अधिकारों का हनन है बल्कि देश की सामरिक संस्थाओं में अनुभवहीनता और अस्थायित्व की स्थिति भी पैदा करता है।

हैदराबाद में अवैध सरोगेसी घोटाला का भंडाफोड़

आईवीएफ केंद्र की डॉक्टर समेत 10 गिरफ्तार, कई दस्तावेज बरामद

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

हैदराबाद पुलिस ने एक अवैध सरोगेसी और नवजात बच्चों की तस्करी के गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने आईवीएफ केंद्र की डॉक्टर सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने क्लिनिक में इस्तेमाल किए जा रहे चिकित्सा उपकरण और दवाइयां, अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन और डिजिटल उपकरण भी जब्त किए हैं। पुलिस ने आईवीएफ सेंटर से केस रिकॉर्ड और सरोगेसी मामलों से जुड़े दस्तावेज भी जब्त किए हैं। मुख्य आरोपी की पहचान तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर्स की मालिक अथलुरी नम्रता के रूप में हुई है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 172568/ निविदा सूचना क्रमांक 05/वलेलि/2025-26, दिनांक 25.07.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 11.08.2025 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : बस्तर जिले के विकासखंड बस्तर के तुरपुरा जलाशय बांध के ऊपर मिट्टी कार्य, नवीन स्लूस, वेस्ट वियर कार्य एवं नहर लाईनिंग एवं स्ट्रक्चर निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 288.22 लाख

(एस.ओ. आर. दिनांक 01.08.2010 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 22.08.2022 तक))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर दिनांक 01.08.2025 **समय 17:31 बजे** से देखे तथाडाउनलोड किये जा सकते हैं ।

नोट:- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग, जगदलपुर
कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

G-252602406/2

राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ रायपुर

एकीकृत शिक्षा भवन, द्वित्तीय तल, बोर्ड ऑफिस परिसर पेंशनबाड़ा. रायपुर
टेलीफोन नं. 0771-2445052 Email-rmsachg@gmail.com mis.head@gmail.com

क्र./2769/ समग्र शिक्षा / क्रीड़ा एवं व्या. सामग्री /10-01 / 2025 रायपुर दिनांक: 28/07/2025

Request for Tender (RFT) की सूचना

समग्र शिक्षा अंतर्गत वर्ष 2025-26 में खेल एवं शारीरिक शिक्षा मद अंतर्गत छ.ग. राज्य के शासकीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक तथा हाई / हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में खेल सामग्रियों के लिए क्रय किये जाने हेतु RFT आमंत्रित की जाती है। समस्त विवरण Govt. E Market Place (GEM) की वेबसाईट https://gem.gov.in में उपलब्ध है। अंतिम तिथि- 09 अगस्त 2025 है।

निविदा संबंधी किसी भी प्रकार की अद्यतन जानकारी जेम पोर्टल निरंतर अवलोकन करें।

(प्रबंध संचालक महोदय द्वारा अनुमोदित)

उप संचालक
समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़, रायपुर

S-44704/2

कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा), जिला-उत्तर बस्तर कांकेर

निविदा क्रमांक/1369/ आ.वि./निर्माण/2025-26 कांकेर, दिनांक 25/07/2025

:: ई-प्रोक्युरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय सूचना) ::

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नांकित कार्य के लिए कार्यालय कलेक्टर, (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) जिला उत्तर बस्तर कांकेर के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत "D"श्रेणी एवं इसमें ऊपर श्रेणी के ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची जो 01.01.2015 से प्रभावशील एवं अद्यतन संशोधन सहित एस.ओ. आर. पद्धति के तहत ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य पूर्ण करने की अवधि 03 माह (वर्षा काल सहित) होगी ।

1. ई निविदा प्रारंभ तिथि - 25.07.2025
2. ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 08.08.2025
3. निविदा प्रपत्र अमानत राशि (एफ.डी.आर.) प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि (स्पीड पोस्ट से) - 13.08.2025
5. निविदा खोलने की तिथि - 14.08.2025

क्रमांक	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम / स्थान का नाम	निविदा की राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)
1	2	3	4	5
1	172683	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय नरहरपुर, जिला कांकेर में ऑल वेदर एप्रोच रोड़ निर्माण कार्य	72.00	54000
2	172684	आदिवासी बालक आश्रम पानीडोबीर में मरम्मत / जीर्णोद्धार कार्य	19.99	15000
3	172685	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास बरबसपुर में मरम्मत /जीर्णोद्धार कार्य	19.50	14700

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट- **https://eproc.cgstate.gov.in** पर में देखे जा सकते है।

सहायक आयुक्त,
आदिवासी विकास कांकेर

G-252602418/1

आपातकालीन जांच में हुई थी चूक एयर इंडिया के खिलाफ कार्रवाई शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विमानन नियामक डीजीसीए ने एअर इंडिया के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई शुरू कर दी है। डीजीसीए ने पाया कि विमान में आपातकालीन स्लाइड का निरीक्षण विलंब से किया गया था। केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल ने सोमवार राज्यसभा में यह बात कही। एक लिखित उत्तर में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री ने कहा कि एयर इंडिया के ऑडिट के दौरान डीजीसीए ने पाया कि आपातकालीन स्लाइड का निरीक्षण विलंबित था। उन्होंने राज्यसभा को बताया, 'डीजीसीए ने आवश्यक सुधार किए जाने तक विमान को तुरंत उड़ान से रोक दिया। डीजीसीए ने प्रवर्तन नीति और प्रक्रिया नियमावली के अनुसार एयर इंडिया और जिम्मेदार कर्मियों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई शुरू कर दी है।'

अहमदाबाद हादसा

मंत्री ने दी जानकारी डीजीसीए ले रहा एक्शन

यह था सवाल

मंत्री का यह जवाब डीएमके सदस्य तिरुचि शिवा के उस प्रश्न का था जिसमें पूछा गया था कि क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि जून में उड़ान संख्या एआई 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने से कुछ हफ्ते पहले, एयर इंडिया की ओर से संचालित विमानों को अनिवार्य सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करते हुए, देरी से आपातकालीन स्लाइड निरीक्षण के साथ उड़ान भरने की अनुमति दी गई थी।

बैद्यनाथ धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

देवघर। बिहार के देवघर में श्रावणी मेला और तीसरे सोमवार के दिन बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सोमवार को लाखों की संख्या में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है और इस दौरान देवघर में श्रावणी मेला लगता है, जिसमें कांवरिया बाबा बैद्यनाथ को जल चढ़ाने आते हैं। यह बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है और 51 शक्तिपीठों में से एक है। श्रावणी मेले में, कांवरिया गंगा नदी से जल भरकर लाते हैं और बाबा बैद्यनाथ को अर्पित करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने देश के दो कॉलेज से मांगा जवाब

छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे? हमारे आदेश का पालन क्यों नहीं?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी और आईआईटी खड़गपुर में छात्रों की आत्महत्या से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में भी गूंजा। सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी खड़गपुर से पूछा कि छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? संस्थान क्या कर रहा है? सुप्रीम कोर्ट ने शारदा यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट को कोर्ट के दिशानिर्देशों का पालन न करने के लिए फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट आईआईटी खड़गपुर और शारदा विश्वविद्यालय में छात्रों की आत्महत्याओं के स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा था।

कोर्ट ने कॉलेज प्रबंधन पर उठाए कई गंभीर सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि कॉलेज के छात्रों ने पिता को बताया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली है? मैनेजमेंट ने क्यों नहीं बताया? मैनेजमेंट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन क्यों नहीं किया? क्या पुलिस और अभिभावकों को सूचित करना मैनेजमेंट का कर्तव्य नहीं है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस बारे में और कुछ नहीं कहेंगे क्योंकि जाँच चल रही है। आईआईटी खड़गपुर मामले मे अमाइकस अपर्णा भट्ट ने कहा कि पुलिस ने उन्हें कोई जानकारी नहीं दी।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 वेतन योग्यतनुसार (आवास फ्री PF +ESIC) **संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, छत्तीसगढ. 7747000019, 7746000016,** (RO-074)

टीचर

आवश्यकता है- अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम में एकाउंट, इकोनॉमिक्स, एसएसटी, साइंस पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं, हिन्दी टाईपिग टीचर, ड्राईवर, आया की आवश्यकता। **साक्षात्कार 31.07.2025 प्रातः 9:30बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानी टंकी पास खमतराई, 9826198065, 07712252855.** (RO-6988)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति : चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा.नशेड़ी संपर्क न करें- **मो. 7225888800.** (RO-6987)

एकाउन्टेंट

आवश्यकता है- रेडीमेड दुकान में कार्य हेतु पुरूष, महिला एंव टेली एकाउन्टेंट (फीमेल) **संपर्क करें- राजेश होजियरी, फॉरेस्ट कॉलोनी के पास गली नंबर-1 पंडरी रायपुर -9407923601, 9826908201.** (RO-379)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सेल्स/मार्केटिंग कार्य

Wanted- Required urgently. Sales representatives, with or without experience for a leading automobiles spares company branch situated at Raipur. Result oriented candidates looking for a longderm career who are ready to travel extensively preferred. mail id: mithunlsp@gmail.com call: **7411659721.**(RO-6756)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 18000/- प्रतिमाह । रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी । जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें । **पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल :- 9644720222.**(RO-10)

सेल्स कार्य

आवश्यकता है- कंपनी के मोटर पार्ट्स के विक्रय हेतु सेल्स पर्सन की आवश्यकता है वेतन 10000 से 15000 योग्यतानुसार। **आगम एंटरप्राइजेज, वाणिज्य भवन के पास, देवेंद्र नगर चौक, जेल रोड, रायपुर 9827900773.**(RO-404)

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु अनुभवी वेल्डर-01, हेल्पर-01 एवं दुकान में कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है **संपर्क करें सुखवीर टेंट हाउस पावर हाऊस भिलाई मो.- 9977092710, 7000657551.** (आरो-788)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- G.S सिक्योरिटी ,को इन्डस्ट्रियल एरिया भिलाई के लिए सिक्योरिटी गार्ड की, सेलरी 12000 से 13500 रहने की सुविधा फ्री , मेस की सुविधा उपलब्ध,EPF and ESIC लागू, **संपर्क करें - 8839341810.**(RO-6755)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.**(RO-OM)

आवश्यकता है- साड़ी शो-रूम हेतु सेल्समैन, सेल्सगर्ल, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं ड्राइवर (लोकल निवासी) आदि की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क करेंः- **विरदी साड़ी कंकाली पारा रायपुर- 9340477419, 9425522577.**(RO-7382)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़कों की अवश्यकता है। योग्यता 10 वी 12वी स्नातक पास सैलरी 10,000 रहना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15,000 से 20,000 स्थानः- म.प. उज्जैन | **Co- 9630773028, 9691233111.**(RO-361)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है उम्र 18 से 25 जो बाहर रहकर कार्य करे (रहना फ्री) सैलरी 10,000 +कमीशन +बोनस **संपर्क करेः- 8085106943 मुंगेली नाका चौक बिलासपुर** (RO-191)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन + बोनस + प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना **8770508791, 7225815090.** (RO-604)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है, योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -10000 (रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार **मो. 7389769528** (RO-6754)

इलेक्ट्रिकल/वेल्डर

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल एवं वेल्डर की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसरा **सुपेला भिलाई संपर्क करें मो . 9827806026.**(RO-7192)

कम्प्युटर ऑपरेटर/इंजीनियर

आवश्यकता है- (1) महिला PA, ऑफिस कार्य, कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL, Word, email, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग) (2) आफिस साफ सफाई चाय पानी (3) पुरुष मेडिकल मशीन की मार्केटिंग, सर्विस इंजीनियर (4) ऑर्थोपेडिक, TKR, THR, Joints की सर्जरी कराने (5) सामान लाने लेजाने+ आफिस जनरल काम हेतु वेतन- 13000 से 30000 **पता- पिनाका मेडिकल सिस्टम, Sec-11A, कमल विहार, रायपुर 9326609234, 9300335829.**(RO-38329)

कुक/क्लिनिक कार्य

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने एवं काम करने तथा क्लिनिक में बैठने हेतु महिला/ लड़की की अतिशीघ्र आवश्यकता है। **संपर्क - सूरज आयुर्वेद सेवाश्रम मोहन नगर दुर्ग मो. 94252-42403** (आरो न.-789)

ऑफिस/फील्ड कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस एवं फील्ड में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। (1) जिसे कंप्यूटर चलाना आता हो, एवं अपनी गाड़ी हो पेमेंट- योग्यतानुसार कार्य समय 11 से 8 रविवार छुट्टी **संपर्क 8103507377 स्टेशन रोड रायपुर** (RO-403)

इलेक्ट्रीशियन/कुक

आवश्यकता है- आया, कुक, चपरासी , इलेक्ट्रीशियन, चौकीदार, ड्राइवर बढ़ाई, प्लंबर, लैब, टेक्नीशियन, कि आवश्यकता वॉट्स अप या **संपर्क करें मॉडल स्कूल सिविल लाइंस या रॉयल स्कूल संतोषी नगर 9329621221, 9425214413.** (RO-meeth)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- रायपुर देवेन्द्र नगर में टेली कॉलिंग एवं ऑफिस कार्य के लिए शिक्षित युवती की आवश्यकता है। अंग्रेजी जानकार को प्राथमिकता **सम्पर्क करें- 9579931943.**(RO-38331)

अन्य

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 940 वन रक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (24500+52500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (सचिन शर्मा)- **9915947081** (RO-1071)

Property प्रापर्टी

बेचना है- बिलासपुर नगर निगम अन्तर्गत TNC स्वीकृत कालोनी में प्लाट बेचना है (1) मोपका घी कुण्ड तालाब के बगल में श्री जेपी विहार कालोनी में 1000 वर्गफुट (2) मंगला दीनदयाल कालोनी के पीछे 1100 वर्गफुट (3) रतनपुर मुख्य मार्ग में बिरकोना मोपका बाइपास रोड पर बालाजी सिटी कालोनी में 1250 वर्गफुट (4) हेमू नगर जीनत ग्रीन विहार कालोनी के पास 1000 वर्गफुट। नामांतरण फ्री, डायरेक्ट मालिक से बैठक, कोई ब्रोकरेज शुल्क नहीं **सम्पर्क- 9893266152.** (RO-38309

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

जैकेट के शेष

ऑपरेशन सिंदूर पर...

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमने भगवान कृष्ण से सीखा है कि अंत में, 'धर्म' की रक्षा के लिए सुदर्शन चक्र उठाना आवश्यक है। हमने 2006 के संसद हमले, 2008 के मुंबई हमले देखे- और अब हमने कह दिया है कि बहुत हो गया और सुदर्शन चक्र उठा लिया। राजनाथ सिंह ने कहा, अटल बिहारी वाजपेयी ने लाहौर में कहा था कि भारत स्थायी शांति और मित्रता की आकांक्षा रखता है, क्योंकि एक स्थिर पाकिस्तान भारत के सर्वोत्तम हित में है। यह हमारी सोच और भारत के सभ्यतागत मूल्यों को दर्शाता है, जो शांति को एक ताकत मानते हैं।

सपा सांसद ने सीजफायर का उठाया मुद्दा : ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सपा सांसद रमाशंकर राजभर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने 26 बार कहा कि हमने युद्धविराम कराया है। ट्रंप ने कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कहा कि हमने भारत-पाकिस्तान में न्यूक्लियर युद्ध रोकने के लिए बिजनेस डील ऑफर की।

भारत-पाक के बीच...

कमेटी की मीटिंग से लेकर पाकिस्तानी दूतावास के सदस्यों को पर्सन ऑफ नॉन ग्रेटा घोषित किए जाने तक, सरकार के कदम गिनाए। उन्होंने कहा कि दूतावासों को ब्रीफिंग देने के साथ ही मीडिया में भी यह जानकारी दी गई कि भारत को अपने नागरिकों की रक्षा का अधिकार है।

पहलगाम हमले की...

भाग लेते हुए कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में सुरक्षा चूक की नैतिक जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह को लेनी चाहिए। उन्होंने सरकार से सवाल किया, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को अब वापस नहीं लेंगे तो कब लेंगे? कांग्रेस नेता ने सदन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए दावा किया कि सिंह ने कई सच्चाई सामने नहीं रखी।

देश के विदेश मंत्री पर...

पर भरोसा नहीं है। किसी और देश पर भरोसा है। इसीलिए ये वहां बैठे हैं, अगले 20 साल तक वहीं बैठने वाले हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब उनके स्पीकर बोल रहे थे, तो हम चुप थे। उनके असत्य को हम हलाहल समझकर पी रहे थे।अब उनमें सत्य सुनने की ताकत नहीं है। टोकाटोकी करना सबको आता है। अध्यक्ष को हमें संरक्षण देना चाहिए। बाद में हम भी अपने सदस्यों को समझा नहीं पाएंगे।

पहलगाम हमले के...

तकनीकी संकेत के समान था। मुलनार गांव में घेराबंदी और तलाशी के दौरान हुई मुठभेड़ में ये आतंकवादी मारे गए। इन आतंकवादियों में से एक की पहचान जिबरान के रूप में हुई है, जिसके बारे में अधिकारियों का कहना है कि वह पिछले साल अक्टूबर में गगनगीर में सोनमर्ग सुरंग परियोजना पर हुए हमले में शामिल था। इस हमले में एक डॉक्टर समेत सात लोग मारे गए थे।

मुख्यमंत्री साय ने...

विशेष अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने राज्य में ग्रीन स्टील उत्पादन के लिए हाइड्रोजन जैसी उन्नत तकनीकों के उपयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने ग्रीन स्टील और माइनिंग समिट का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में स्टील सेक्टर को विशेष रूप से प्रोत्साहन दिया गया है। यदि कोई उद्यमी ग्रीन स्टील का उत्पादन कर रहा हो, तो उसे विशेष अनुदान देने का प्रावधान भी छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में किया गया है। देश के विभिन्न स्टील उद्यमियों को छत्तीसगढ़ में उत्पादन यूनिट स्थापित करने का आमंत्रण दिया है। उन्होंने सोमवार को स्थानीय होटल में आयोजित ग्रीन स्टील और माइनिंग समिट में सहभागिता कर उद्यमियों को छत्तीसगढ़ में इस उद्योग की भरपूर संभावनाओं और इसके लिए विकसित अधोसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) की जानकारी दी। यह समिट कान्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज द्वारा पूर्वी क्षेत्र के सदस्यों के लिए आयोजित की गई थी।

लक्ष्य प्राप्ति हेतु सभी तैयारियाँ पूर्ण : मुख्यमंत्री ने बताया कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अधोसंरचना सहित सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में 47 हजार करोड़ रुपये की लागत से रेलवे के विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर कार्य हो रहा है। अब रावघाट से जगदलपुर रेलमार्ग पर भी कार्य आरंभ होगा। किरंदुल से तेलंगाना के कोठागुडेम तक नई रेललाइन बिछाई जाएगी, जिसमें 138 किलोमीटर का हिस्सा बस्तर से गुजरेगा। रायगढ़ के खरसिया से राजनांदगांव के परमालकसा तक नया रेल नेटवर्क बनाकर कई प्रमुख औद्योगिक केंद्रों तक कच्चे माल की आपूर्ति एवं तैयार माल की ढुलाई की प्रक्रिया आसान की जाएगी, जिससे उत्पादन लागत में भारी कमी आएगी।

250 से अधिक औद्योगिक संस्थान हुए शामिल : कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित इस ग्रीन स्टील और माइनिंग समिट में पूर्वी भारत के पांच राज्यों – पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के 250 से अधिक स्टील और पावर सेक्टर से जुड़े औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। उन्होंने छत्तीसगढ़ में उद्योगों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

ये थे मौजूद : समिट में सीआईआई छत्तीसगढ़ के चेयरमैन संजय जैन, को-चेयरमैन सिद्धार्थ अग्रवाल, वाइस चेयरमैन बजरंग गोयल, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत एवं सचिव उद्योग रजत कुमार उपस्थित थे।

'अंजोर विज़न' में...

रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। उन्होंने बताया कि इस विज़न दस्तावेज़ में सर्वाधिक फोकस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर है, विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की कोर इंडस्ट्री - जैसे स्टील एवं पावर को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

दिव्या ने हम्पी को...

विश्व कप चैंपियन बनने पर बधाई देते हुए कहा कि यह दो उत्कृष्ट भारतीय खिलाड़ियों की भागीदारी वाला एक ऐतिहासिक फाइनल था। नागपुर की इस खिलाड़ी ने शनिवार और रविवार को खेले गए दो क्लासिकल मुकाबलों के ड्रॉ होने के बाद टाईब्रेकर में जीत दर्ज की। दो क्लासिकल बाजी ड्रॉ होने के हम्पी ने अपना संयम खो दिया था और फिर उन्हें हार मिली। सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका लेकिन दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन को हराकर जीत दर्ज की।

समझ नहीं पाई हम्पी : मैच के बाद कोनेरू हम्पी ने कहा कि 12वीं चाल के बाद उन्हें समझ नहीं आया कि अब क्या करना है। हालांकि, 54वीं चाल में दिव्या ने जरूरी बढ़त हासिल कर ली। जिसके बाद हम्पी ने रिजाइन कर दिया और दिव्या को जीत मिली।

ट्रंप ने बदला रुख

गाजा में भुखमरी पर पहली बार जताई चिंता

'गाजा से सामने आ रही भूख से जूझते बच्चों की तस्वीरें हैं बेहद भयानक'

एजेंसी ▶▶| एडिनबर्ग

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को गाजा पट्टी पर अपने रुख में बदलाव करते हुए क्षेत्र में मानवीय स्थिति पर चिंता जताई और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू से कदम उठाने कहा। स्कॉटलैंड में ट्रंप ने गाजा में जंग से फैली भुखमरी पर पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा, गाजा से सामने आ रही भूख से जूझते बच्चों की तस्वीरें बेहद भयानक हैं। अब इजराइल को अब जंग पर फैसला लेना होगा। अन्य देश गाजा को धन और खाद्य सामग्री दे रहे हैं और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को इसका प्रबंधन करना होगा।

- इजराइल पर गाजा के नागरिकों तक 'खाद्य सामग्री पहुंचाने' कहा

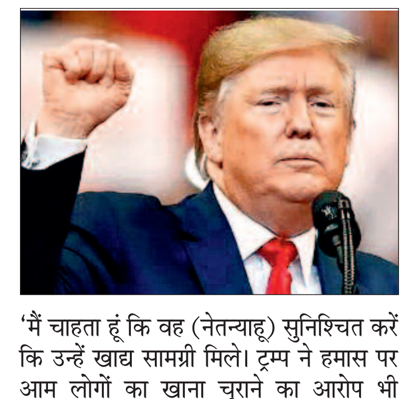

'मैं चाहता हूं कि वह (नेतन्याहू) सुनिश्चित करें कि उन्हें खाद्य सामग्री मिले। ट्रम्प ने हमास पर आम लोगों का खाना चुराने का आरोप भी लगाया। गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध से क्षेत्र में खाद्य सामग्री सहित अन्य चीजों की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे वहां लोगों पर भुखमरी का खतरा मंडराने लगा है।

नेतन्याहू ने नकारे आरोप

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में भुखमरी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गाजा में न तो कोई भुखमरी है और न ही हमारा ऐसा कोई मकसद है। उन्होंने एक ईसाई सम्मेलन में कहा कि अगर हम मदद नहीं करते तो आज गाजा में कोई नहीं बचता। नेतन्याहू ने दावा किया कि जंग की शुरुआत से अब तक 19 लाख टन राहत सामग्री गाजा भेजी जा चुकी है।

इधर, गाजा में फिर इजराइल का हमला, 36 फलस्तीनियों की मौत

दीर अल-बलाह। इजराइल द्वारा सोमवार को गाजा के विभिन्न स्थानों पर किये गए हमलों में कम से कम 36 फलस्तीनी मारे गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस हमले से एक दिन पहले ही इजराइल ने क्षेत्र में गंभीर होते मानवीय संकट के मद्देनजर प्रतिबंधों में ढील दी थी। नासेर अस्पताल के अनुसार, मृतकों में एक नवजात भी शामिल है, जिसका जन्म मां की हमले में मौत के बाद एक जटिल सर्जरी से हुआ था। इजराइली सेना ने रविवार को कहा था कि वह बड़ी आबादी वाले गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी में सीमित समय के लिए युद्ध रोकेगी, ताकि 'मानवीय सहायता का दायरा बढ़ाया जा सके'। यह रोक रविवार से शुरू होकर, अगली सूचना तक, स्थानीय समयानुसार प्रतिदिन पूर्वाह्न 10:00 बजे से रात 8:00 बजे तक रहेगी। मध्य गाजा स्थित अवदा अस्पताल के मुताबिक सात शव उसके पास लाए गए है। अस्पताल का दावा है कि इन लोगों की मौत सोमवार को अमेरिका और इजराइल समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फ्राउंडेशन द्वारा संचालित एक सहायता केंद्र के पास इजराइली गोलीबारी में हुई। अस्पताल ने बताया कि घटनास्थल के पास 20 अन्य लोग घायल भी हुए हैं।

मंत्री शाह को फटकार, 'यह आदमी हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहा है'

कर्नल सोफिया पर टिप्पणी मामले में भड़का सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह को इंडियन आर्मी की अफसर कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ की गई टिप्पणी पर सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगने के लिए फटकार लगाते हुए कहा कि वह कोर्ट के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि मंत्री का आचरण अदालत को उनकी मंशा और ईमानदारी पर संदेह पैदा कर रहा है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, शाह की तरफ से पेश हुए वकील के परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है और यह ऑनलाइन मौजूद है और इसे अदालत के रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। इस पर कोर्ट ने कहा, 'इस तरह की माफी से आपका क्या मतलब है? यह आदमी हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहा है। यह बयान उसने पहली तारीख को दिया था।

पेज एक के शेष

सोमवार रात 11:28 बजे से प्रारंभ ...

शिव के साथ नाग देव की पूजा की जाएगी। शिव मंदिरों में श्रृंगार, भोग, प्रसादी सहित अन्य तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं।

नाग पंचमी पर क्यों की...

माता की इन बातों को सुनकर नागों ने कहा-यह छल तो हम लोग नहीं करेंगे, चाहे तुम्हारी जीत हो या हार। यह सुनकर कद्रू क्रुद्ध होकर कहा-तुमलोग मेरी आज्ञा नहीं मानते हो, इसलिए मैं तुम्हें शाप देती हू कि पाण्डवों के वंश में पैदा हुआ राजा जनमेजय जब सर्प-यज्ञ करेंगे, तब उस यज्ञ में तुम सभी अग्नि में जल जाओगे। घबराकर नाग वासुकि को साथ में लेकर ब्रह्माजी के पास पहुंचे और ब्रह्माजी को अपना सारी कहानी सुनाई । इस पर ब्रह्माजी ने कहा कि आस्तीक नाम का विख्यात ब्राह्मण होगा, वह जनमेजय के सर्पयज्ञ को रोकेगा ओर तुम लोगों की रक्षा करेगा। यही बात श्रीकृष्ण भगवान ने भी युधिष्ठिर से कही थी कि आज से सौ वर्ष के बाद सर्पयज्ञ होगा, जिसमें बड़े-बड़े विषधर ओर दुष्ट नाग नष्ट हो जाएंगे। करोड़ों नाग जब अग्नि में दग्ध होने लगेगे, तब आस्तीक नामक ब्राह्मण सर्पयज्ञ रोककर नागों की रक्षा करेगा। ब्रह्माजी ने पंचमी के दिन वर दिया था ओर आस्तीक मुनि ने पंचमी को ही नागों को रक्षा की थी, अतः पंचमी तिथि नागों को बहुत प्रिय है।

दुर्ग में नन की गिरफ्तारी की...

जाया जा रहा था, जहां उनके धर्मांतरण की योजना थी। बजरंग दल के हंगामे के बाद दो नन और एक युवक को जीआरपी ने गिरफ्तार किया था। **वेणुगोपाल ने सीएम साय को लिखा पत्र** : इस मामले को लेकर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। उन्होंने मामले में कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे गैरकानूनी हिरासत बताया और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पत्र में लिखा गया है कि, 25 जुलाई को दुर्ग स्टेशन पर सिरो-मालाबार चर्च की सिस्टर वंदना और सिस्टर प्रीति तीन युवतियों के साथ वैध रोजगार के लिए यात्रा कर रही थीं। इन युवतियों को उनके माता-पिता की सहमति प्राप्त थी। इसके बावजूद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और धर्मांतरण एवं मानव तस्करी जैसे झूठे आरोप लगाते हुए गैरकानूनी तरीके से रोका । वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक तंत्र पर राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस ने पीड़ितों को हिरासत में रखा, जबकि उनके पास सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद थे। यदि इस घटना में शामिल तत्वों पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह राज्य में कानून के शासन और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करेगा।

जीआरपी भिलाई में दर्ज हुआ था मामला : जीआरपी थाने में यह मामला 25 जुलाई को विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार जीआरपी चौकी दुर्ग में सुपेला निवासी रवि निगम नामक युवक ने शिकायत दर्ज कराई थी। रवि ने बताया था दुर्ग रेलवे स्टेशन में सुबह 8.30 बजे नारायणपुर का एक युवक वहां की तीन लड़कियों को लाकर दो नन के सुपुर्द किया है। लड़कियों को आगरा ले जाया जा रहा है। आशंका है कि मामला धर्म परिवर्तन और मानव तस्करी है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों दो नन प्रीति मेरी, वंदना फ्रांसिस और सुखनंदन मंडावी के खिलाफ बीएनएस की धारा 143, छग धर्म स्वांतत्र्य अधिनियम 1968 की धारा के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की। विवेचना में प्रथम दृष्टया आरोपी द्वारा पीड़ित लड़कियों को धर्म परिवर्तन करने पर अस्पताल में नर्स की ट्रेनिंग देकर नौकरी लगाने के प्रलोभन की बात सामने आई है। आरोपी स्थानीय पंचायत आदि के भी कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर पाए। आरोपी के मध्य घटना दिनांक के अंतर्गत वित्तीय लेनदेन की भी जानकारी प्राप्त हुई है।

केरल के सीएम भी कूदे विवाद में : केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि दोनों नन को जबरन हिरासत में लिया गया और उन्हें अपने स्वजनों से भी बात नहीं करने दी गई। उन्होंने प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की आवश्यकता बताई है। विवाद के बाद सीरो-मालाबार चर्च और भारतीय कैथोलिक बिशप सम्मेलन (सीबीसीआइ) ने भी सामने आकर गिरफ्तारी का विरोध किया है। सीबीसीआई ने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से हस्तक्षेप की मांग करते हुए इसे ननों के खिलाफ षड्यंत्र बताया। उनका कहना है कि आरोप पूरी तरह से झूठे हैं और दस्तावेज मौजूद होने के बावजूद पुलिस ने कार्रवाई की।

सीएम साय ने कहा...

प्रदेश है जहाँ सभी धर्म और समुदाय के लोग आपसी सद्भाव के साथ रहते हैं। हमारी सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। हमारी बस्तर की बेटियों से जुड़े मुद्दे को राजनीतिक रूप देना दुर्भाग्यजनक है। उन्होंने कहा की कि इस प्रकार की घटनाओं को राजनीतिक रंग देने से बचना चाहिए, विशेषकर जब बात हमारी बस्तर की बेटियों की सुरक्षा से जुड़ी हो।

धर्मांतरित व्यक्ति...

के बाद एसडीएम की उपस्थति में शव को निकालकर पीएम के लिए भेजा गया। जानकारी के अनुसार जामगांव निवासी सोमलाल राठौर का 26 जुलाई को मौत हो गई थी। परिजनों ने 27 जुलाई की सुबह गांव में बिना किसी को बताएं अपनी जमीन पर शव को दफना दिया था। जामगांव के ग्रामीणों को सुबह 11 बजे इसकी जानकारी मिली, इसके बाद ग्रामीणों ने धर्म परिवर्तन करने और ईसाई धर्म अपनाने को लेकर गांव में कफन दफन पर विवाद खड़ा कर दिया और शव को बाहर निकालने की मांग पर अड़ गए। प्रशासन ने दोनों पक्षों को पहले दिन समझाने का प्रयास किया, परंतु विफल रहा। दूसरे दिन 28 जुलाई को जामगांव के आसपास के 15 गांव के लोग जामगांव में जुट गए और प्रार्थना स्थल के पास बैठकर धरना प्रदर्शन करते हुए दफनाए शव को निकालने की मांग करने लगे। गांव का माहौल धीरे धीरे बिगड़ते जा रहा था। दोपहर बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और प्रार्थना सभास्थल की तार से बनी बाउण्ड्रीवाल को तोड़ने लगे। पुलिस ने आक्रोशित भीड़ को रोकने का प्रयास किया, परंतु असफल रही। भीड़ ने सभास्थल के अंदर घुसकर सामान को इधर उधर फेंकते हुए विरोध जताया।

शव को पीएम के ...

कांकेर से मामले की जांच करने की मांग की गई थी। उक्त मामले की गम्भीरता को देखते हुए प्रकरण को संज्ञान में लेकर मृतक के दफन किए शव को विधिवत पीएम कराए जाने पुलिस की सुरक्षा के बीच एसडीएम की उपस्थिति में शव बाहर निकाला गया। मृतक के भाई की मांग अनुसार शव को निकालकर विधिवत पंचनामा किया गया तथा डॉक्टरों की टीम द्वारा पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की गई।

आपराधिक मामला ...

एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया। 29 मई 2025 को पुलिस अधीक्षक, रायपुर द्वारा क्रिमीनल केस में लगाए गए समान आरोपों पर एएसआई के विरूद्ध विभागीय आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई। इसके खिलाफ एएसआई सिंह द्वारा हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं स्वाती कुमारी के माध्यम से रिट याचिका दायर की गई।

लद्दाख और ...

सामान्य वर्षा के मुकाबले 384.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो 92 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार लद्दाख (जहां आमतौर पर कम वर्षा होती है) में 10.7 मिमी वर्षा के मुकाबले 30 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य से 181 प्रतिशत अधिक है। नगालैंड और मणिपुर में क्रमशः 514.5 मिमी और 457.9 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य के करीब है, जबकि सिक्किम में 598.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई जो सामान्य से 78 प्रतिशत अधिक है। आईएमडी ने कहा था कि पंजाब, हरियाणा, केरल और तमिलनाडु के कुछ अलग-अलग इलाकों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की जा सकती है। मानसून भारत के कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है, जो लगभग 42 प्रतिशत आबादी की आजीविका का आधार है और सकल घरेलू उत्पाद में 18.2 प्रतिशत का योगदान देता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम जोन क्रं .02 बिलासपुर (छ.ग.)
मैनुअल तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/633/न.पा.नि./लो.नि.वि./2025-26 बिलासपुर, दिनांक 28.07.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा प्रपत्र 'ब' में त्रि–लिफाफा पद्धति से मुहरबंद निविदा पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट में आमंत्रित की जाती है:–
(1) निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय – दिनांक 07.08.2025 सायं 4.00 बजे तक।
(2) निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि व समय – दिनांक 07.08.2025 सायं 4.30 बजे तक।

क्र.	कार्य का नाम एवं विवरण	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य
1	वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु वार्ड क्रं. 05 से 12 हेतु टेंट, कुर्सी, गद्दा, तकिया, चादर व्यवस्था आदि। (वार्षिक निविदा) तृतीय निविदा	8.00	6000/-	750.00 रु.

नोटः– कार्य का विस्तृत विवरण/निविदा शर्तों एवं अन्य जानकारी का अवलोकन कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा में किया जा सकता है। निविदा संबंधी समस्त जानकारी www.bilaspurnagarnigam.com में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
जोन क्रं.02,
नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City.

नगर पंचायत पिपरिया, जिला- कबीरधाम (छ.ग.)
Email ID:- cmopipariya@gmail.com

क्र./ 979/ स्वा.शा./ न.पं. / 2025-26 पिपरिया दिनांक 25.07.2025

-: रुचि की अभिव्यक्ति (EOI) :-

भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के अमृत मित्र योजना अंतर्गत "Women for Tree" अभियान में AMRUT 2.0 मिशन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, वृक्षारोपण, रखरखाव, जागरूकता एवं पर्यावरणीय अभियान से संबंधित कार्यो हेतु डे एनयूएलएम मिशन अंतर्गत पंजीकृत इच्छुक महिला स्व-सहायता समूहों (SHGs) से नगर पंचायत पिपरिया क्षेत्र में उक्त कार्य के संचालन हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) दिनांक 01/08/2025 को सायं 5.00 बजे तक स्पीड/ पंजीकृत डाक से आमंत्रित की जाती है।
चयनिक 3 स्थलों पर वृक्षारोण
पौधों की देखरेख, सिंचाई एवं संधारणीय निगरानी
पौधें की जियो टैगिंग एवं नियमित प्रगति रिपोर्टिंग
वृक्षारोपण एवं पर्यावरणीय संरक्षण हेतु सामुदायिक सहभागिता

कार्य का विस्तृत विवरण, नियम एवं शर्तें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है एवं आमंत्रित रूचि की अभिव्यक्ति में भाग लेने हेतु आवेदन पत्र निर्धारित शुल्क राशि रू. 100.00 स्थानीय नगरीय निकाय में जमा कर प्राप्त कर सकते हैं। रुचि की अभिव्यक्ति (EOI) नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की वेबसाइट https://uad.cg.gov.in पर उपलब्ध है। ईओआई के पोर्टल पर अपलोड होने की तिथि से 7 दिनों के भीतर इसे जमा किया जाना अनिवार्य है। उक्त संबंध में भविश्य में जारी निर्देश एवं संशोधन भी केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किए जाएंगे। इच्छुक समूह वेबसाइट का नियमित अवलोकन करते रहें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत पिपरिया

कार्यालय नगर पंचायत चिखलाकसा, जिला - बालोद (छ.ग.)

क्रमांक /1172/ न.प. / अमृत मिशन 2.0 / लो.नि.वि. / 2025 चिखलाकसा, दिनांक 25/07/2025

"रूचि की अभिव्यक्ति" (EOI)

नगर पंचायत चिखलाकसा द्वारा "Amrut Mitra" योजना अंतर्गत समूह चयन के स्व सहायता समूहों से रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) कुल 03 प्रोजेक्ट हेतु 1. AMT-CG-CHIKHALAKASA-6789 2. AMT-CG CHIKHALAKASA-6845 3. AMT-CG-CHIKHALAKASA-6870 दिनांक 04/08/2025 को सायं 04:00 बजे तक स्पीडपोस्ट/ पंजीकृत डाक द्वारा आमंत्रित की जाती है कार्य का विस्तृत विवरण एवं नियम तथा शर्तें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रूपये 100.00 का भुगतान कर अथवा नगरीय प्रशासन विकास विभाग की वेबसाईट http://www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत चिखलाकसा, जिला बालोद (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत लवन, जिला - बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
cmolawan@gmail.com

क्रमांक / 76 / लो.नि.वि. / नं.प. / 2025-26 लवन, दिनांक 28/07/2025

रूचि की अभिव्यक्ति (EOI)

नगर पंचायत लवन द्वारा "Amrut Mitra" योजना अंतर्गत समूह चयन के स्व सहायता समूहों से रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) - (Project Code : ATMT-CG-ULB-LAWAN- CODE-5359&5381) दिनांक 04.08.2025 को सायं 5:00 बजे तक स्पीडपोस्ट / पंजीकृत डाक द्वारा आमंत्रित की जाती हैं । उक्त कार्य का विस्तृत विवरण एवं नियम तथा शर्तें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रूपये 100.00 का भुगतानकर अथवा वेबसाईट www.uad.cg.gov.in/ से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत लवन
जिला-बलौदाबाजार-भाठापारा (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत छुरा, जिला गरियाबंद (छ.ग.)
Email ID – cmochoora@rediffmail.com, Phone No. 07701299439

क्रमांक / 797/न.पं./ लो.नि.वि./ 2025-26 **ई-निविदा आमंत्रण सूचना** छुरा दिनांक 28/07/2025

नगर पंचायत छुरा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनु.लागत (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	172780	नगर पंचायत छुरा अंतर्गत विभिन्न वार्डो में घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय।	40.52	20/08/2025

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

जल ही जीवन है, कृपया पानी व्यर्थ न बहावें। समय पर करों का भुगतान करें।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत छुरा, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
नागपुर मंडल में अभियांत्रिकी कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:

1. निविदा क्र.: ई-21-एनजीपी-2025-2026 **कार्य का नाम:** वरिष्ठ DEN, पूर्व के सेक्शन अंतर्गत टंग रेल की री-कंडिशनिंग। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 7,17,145/- **बयाना राशि:** ₹ 14,400/-

2. निविदा क्र.: ई-22-एनजीपी-2025-2026 **कार्य का नाम:** ADEN, गोंदिया के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत गोंदिया में 2 वर्षों के लिए वॉटर री-सायक्लिंग संयंत्र का रखरखाव और संचालन। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 17,91,273/- **बयाना राशि:** ₹ 35,800/-

3. निविदा क्र.: ई-23-एनजीपी-2025-2026 **कार्य का नाम:** ADEN, गोंदिया के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत प्रत्येक 7 छोटे पुलों का पुनः निर्माण - **(1) AGN-G** सेक्शन के बीच पुल क्र. 186,188,190,194,197,198 और 199। **(2) G-KWN** सेक्शन के बीच पुल क्र. 151A, 153A, 164, 172, 174, 176 और 177। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 8,65,82,528/- **बयाना राशि:** ₹ 5,82,900/-

4. निविदा क्र.: ई-24-एनजीपी-2025-2026 **कार्य का नाम: (1)** ADEN, डोंगरगढ़ (DGG) के अधिकार क्षेत्र में CTR(S) DGG लाइन क्रमांक 5 (790 ट्रैक मीटर) कि.मी. 927/34 से 928/18। **(2)** ADEN, डोंगरगढ़ (DGG) के अधिकार क्षेत्र में लेवल क्रॉसिंग स्लीपर, ब्रिज अप्रोच स्लीपर, ब्रिज स्टेट स्लीपर, टर्न-आउट स्लीपर 1 इन 8.5 और 1 इन 12 कम्पलीट सेट व डीरेलिंग स्विच स्लीपर का आकस्मिक नवीनीकरण। पीएससी ज़िंग स्लीपर 1 इन 12 (29 सेट्स) और 1 इन 8.5 (4 सेट)। **(3)** वरिष्ठ DEN, पूर्व, नागपुर के अधिकार क्षेत्र में पॉइंट्स और क्रॉसिंग की डीप स्क्रीनिंग - 67 सेट्स। **(4)** वरिष्ठ DEN, पूर्व, नागपुर के अधिकार क्षेत्र में TTR(TWS) - 55 सेट्स (1:8:5)। **(5)** वरिष्ठ DEN, पूर्व, नागपुर के अधिकार क्षेत्र में TTR(TWS) - 98 सेट्स (1:12)। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 3,09,92,370/- **बयाना राशि:** ₹ 3,05,000/-

5. निविदा क्र.: ई-25-एनजीपी-2025-2026 **कार्य का नाम:** ADEN, गोंदिया के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत दारेकसा स्टेशन पर प्लेटफार्म क्रमांक 4 की ऊंचाई बढ़ाना। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 1,82,62,255/- **बयाना राशि:** ₹ 2,41,300/-

उपरोक्त निविदाओं के लिए, बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियाँ दिनांक **14.08.2025** के **15:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। निविदाओं के अंतर्गत प्राप्त सभी मैन्युअल ऑफर्स को अस्वीकार कर दिया जाएगा। अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है ।

वरिष्ठ मंडल अभियंता (पूर्व),
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
नागपुर

MS/17-80

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

राशिफल

मेष – कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष – कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क – अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह – कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या – कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक – आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु – कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। पठन–पाठन में रुचि रहेगी।

मकर – वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ – स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन – शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

शब्द पहेली - 5942

बाएँ से दाएँ
1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली- 5941 का हल

सूडोकु नवताल - 5952

★★★☆☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5951 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

खबर संक्षेप

प्रीमियर एनर्जीज का लाभ 55 फीसदी बढ़कर 307 करोड़

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी प्रीमियर एनर्जीज का वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 55 प्रतिशत बढ़कर 307.8 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 20224-25 की इसी तिमाही में मुनाफा 198.1 करोड़ रुपये रहा था। प्रीमियर एनर्जीज की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 1,668.7 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,869.6 करोड़ रुपये हो गया।

अजंता फार्मा के लाभ में चार प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली। अजंता फार्मा का अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 255 करोड़ रुपये हो गया। मुंबई स्थित दवा कंपनी का पिछले वर्ष की इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 246 करोड़ रुपये रहा था। अजंता फार्मा ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी परिचालन आय बढ़कर 1,303 करोड़ रुपये हो गई।

निप्पॉन लाइफ इंडिया का लाभ 19 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट (एनएएम इंडिया) का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़कर 396.1 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को अप्रैल-जून तिमाही के इस वित्तीय नतीजे की सूचना दी। एक साल पहले की समान अवधि में उसे 332.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

खनन और बिजली के क्षेत्रों में रहा कमजोर प्रदर्शन

अर्थव्यवस्था को झटका, औद्योगिक उत्पादन वृद्धि जून में सुस्त पड़कर 1.5 प्रतिशत पर, 10 महीने का निचला स्तर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खनन और बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन के कारण देश के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि इस साल जून महीने में सुस्त पड़कर 10 महीने के निचले स्तर 1.5 प्रतिशत पर रही। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। जून महीने में अत्यधिक बारिश से खनन और बिजली क्षेत्र की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं, जिसका असर औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि पर पड़ा है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के रूप में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन बीते साल जून में 4.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने मई के औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के आंकड़े को भी संशोधित कर 1.9 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले इसके 1.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। अगस्त, 2024 के बाद औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सबसे कम है।

जून महीने में अत्यधिक बारिश से गतिविधियां प्रभावित हुई

बिजली उत्पादन में भी कमी आएगी

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने बयान में कहा, ''जून, 2025 के उत्तरार्ध में अत्यधिक बारिश से खनन उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है। साथ ही बिजली उत्पादन में भी कमी आएगी। हालांकि, पिछले महीने की तुलना में दोनों क्षेत्रों के लिए स्थिति कुछ सुधरी है।''

खनन उत्पादन में 8.7 फीसदी की गिरावट

एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि जून, 2025 में मामूली रूप से बढ़कर 3.9 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 3.5 प्रतिशत थी। खनन उत्पादन में 8.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। बिजली उत्पादन में जून, 2025 में 2.6 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसी माह में इसमें 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि सकारात्मक रही

वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि कम होकर दो प्रतिशत रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। विनिर्माण क्षेत्र में, 23 में से 15 उद्योग समूहों ने जून, 2025 में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के अनुसार, पूंजीगत वस्तु खंड में वृद्धि दर जून, 2025 में घटकर 3.5 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 3.6 प्रतिशत थी।

उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की वृद्धि दर घटकर 2.9 फीसदी

उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (या श्वेत वस्तुओं के उत्पादन) की वृद्धि दर समीक्षाधीन महीने में घटकर 2.9 प्रतिशत रह गई, जबकि जून, 2024 में यह 8.8 प्रतिशत थी। गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन जून, 2025 में 0.4 प्रतिशत घटा, जबकि एक साल पहले इसमें एक प्रतिशत की गिरावट आई थी। बुनियादी ढांचा/निर्माण क्षेत्र में जून, 2025 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो एक साल पहले इसी माह में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि से कम है।

प्राथमिक वस्तुओं के उत्पादन में तीन फीसदी की गिरावट

आंकड़ों के अनुसार, प्राथमिक वस्तुओं के उत्पादन में जून, 2025 में तीन प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 6.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मध्यवर्ती वस्तुओं मामले में वृद्धि दर आलोच्य महीने में 5.5 प्रतिशत रही, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी माह में यह 3.2 प्रतिशत थी।

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN
Paryavas Bhawan, North Block, Sector-19,
Nava Raipur Aatal Nagar- 492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512000; Fax No.: +91 771 2512400.
Website: www.navarapuratainagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites tender for following works: NIT No: 40/MP:Sec-26/EEC-III/CE/NRANVP/2025-26, Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur, Dated: 25.07.2025
Name of Work: "Miyawaki Plantation at Sector-26 in Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur (CG)"
Estimated cost: INR 1.79 Crs., EMD: INR 2.80 Lakhs, Period of Completion: 06 Months
Last Time & Date of Online Submission: 15:00hrs on 18.08.2025

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online. Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

S-44705/1 — Chief Engineer, NRANVP

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
नया प्रशासनिक कार्यालय, गांधी मैदान, बैरन बाजार, रायपुर (छ.ग.)
फोन.नं- 0771-2535780, 90, फैक्स: 0771-2227395 E-mail: dc_rmc@rediffmail.com

क्रमांक 115 /उद्यान / न.पा.नि./ 2025 — रायपुर, दिनांक 25/07/ 2025

"रूचि की अभिव्यक्ति" (EOI)

नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा "Amrut Mitra" योजना अंतर्गत समूह चयन के स्व सहायता समूहों से रूचि की अभिव्यक्ति (EOI दिनांक 04/08/2025 को सायं 3.00 बजे तक स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा रूम नम्बर 411 एन. यू. एल. एम शाखा नगर पालिक निगम मुख्यालय के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है कार्य का विस्तृत विवरण एवं नियम तथा शर्तें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रूपये 300.00 का भुगतान कर अथवा निगम के वेबसाईट http://nagarnigamraipur.nic.in से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

उपायुक्त
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट; सेंसेक्स 572 अंक लुढ़का

एजेंसी ▶▶| मुंबई

शेयर बाजार में सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। बीएसई सेंसेक्स जहां 572 अंक लुढ़क गया, वहीं एनएसई निफ्टी 156 अंक के नुकसान में रहा। कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता के बीच बाजार में गिरावट आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 572.07 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,891.02 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 686.65 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी 156.10 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,680.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर नुकसान में जबकि 15 बढ़त में रहे। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में 7.31 प्रतिशत की गिरावट आई। बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ जून तिमाही में 4,472 करोड़ रुपये रहा है। प्रतिकूल

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बस्तर मण्डल, जगदलपुर

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-
निविदा डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि :-07/08/2025

स. क्र.	नि.आ.सू.क्र./ नि.आ.सू. दिनांक	सिस्टम निविदा क्रमांक निविदा का क्रम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
01	02	03	04	05
1	127/2025-26 दिनांक 23/07/2025	172586 (प्रथम आमंत्रण)	जिला न्यायालय दन्तेवाड़ा में न्यायिक अधिकारी हेतु 01 नग 'एफ' टाईप एवं 01 नग 'डी' टाईप शासकीय आवासगृह का निर्माण कार्य।	107.91

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बस्तर मंडल जगदलपुर
G-252602401/3

श्रीमती बिलासा देवी केंवट मत्स्य विकास पुरस्कार वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रविष्टियां हेतु आवेदन आमंत्रण

क्रमांक /1575/सं.म./यो./पुरस्कार/ 2025-26
नवा रायपुर, दिनांक 25-07-2025

विज्ञप्ति

छ.ग. शासन द्वारा राज्य में मत्स्य विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मत्स्य पालक / मत्स्य कृषक / सहकारी संस्थाएँ / अशासकीय संगठन को श्रीमती बिलासा देवी केंवट मत्स्य विकास पुरस्कार के रूप में रूपये एक लाख दिये जाने की व्यवस्था छ. ग. शासन, कृषि (मछलीपालन) विभाग द्वारा की गई है। उक्त पुरस्कार हेतु आवेदन-पत्र जिला स्तर पर मछलीपालन के कार्यालयों में आमंत्रित है।

पुरस्कार प्राप्त करने हेतु मत्स्य विकास प्रगति कार्यावधि 1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 होगी।

आवेदन प्रस्तुत करने का अंतिम तिथि-31.08.2025

पुरस्कार प्राप्त करने का मापदंड एवं शर्तें मछलीपालन विभाग की वेबसाईट http://agriportal.cg.nic.in/fisheries/FishHi/ पर देखी जा सकती है।

(एन. एस. नाग)
संचालक मछलीपालन
छत्तीसगढ
G- 252602397/2

बिजनेस साइट

100 बिस्तरों वाले मेडिश्योर हॉस्पिटल का कमल विहार में हुआ भव्य उद्घाटन

रायपुर। कमल विहार, सेक्टर 11-ए, डुंडा चौक स्थित मेडिश्योर हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन रविवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित 100 बिस्तरों वाले इस अस्पताल के शुभारंभ अवसर पर कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, नंद कुमार साहू, मोतीलाल साहू, श्याम बिहारी जायसवाल, महापौर मीनल चौबे और राजेश मुणत कई गणमान्य उपस्थित थे। मेडिश्योर हॉस्पिटल में 24x7 इमरजेंसी सुविधा के साथ-साथ अत्याधुनिक चिकित्सा विभागों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसमें स्त्री रोग विशेषज्ञता, प्रसूति देखभाल, नवजात शिशु आईसीयू, बच्चों का आईसीयू, सामान्य आईसीयू, हिमेटोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, जनरल मेडिसिन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, हड्डी रोग, आईवीएफ, सोनोग्राफी, बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण, पैथोलॉजी, एक्स-रे सहित अन्य आवश्यक विभाग मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा भी उपलब्ध कराई गई है।

स्टारलिंक पूरे भारत में सिर्फ 20 लाख कनेक्शन दे सकती है

नई दिल्ली। दूरसंचार राज्यमंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि उद्योगपति एलन मस्क की अगुवाई वाली उपग्रह संचार सेवा प्रदाता कंपनी स्टारलिंक भारत में केवल 20 लाख कनेक्शन दे सकती हैं, ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र की बीएसएनएल समेत अन्य दूरसंचार कंपनियों को कोई जोखिम नहीं है। पेम्मास्वामी ने यहां बीएसएनएल की समीक्षा बैठक के मौके पर कहा, ''स्टारलिंक के भारत में केवल 20 लाख ग्राहक हो सकते हैं और वह 200 एमबीपीएस तक की गति प्रदान कर सकती है।

छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, वृत्त - जगदलपुर

प्रथम निविदा आमंत्रण क्र. 29

छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, वृत्त- जगदलपुर के अधीनस्थ संभाग कोंडागांव अंतर्गत निक्षेप कार्य (1) कोहकामेटा वि.ख. ओरछा जिला नारायणपुर में 100 सीटर बालिका छात्रावास भवन का निर्माण कार्य (2) वि.ख. ओरछा जिला नारायणपुर में 100 सीटर बालिका छात्रावास भवन का निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in/ एवं http://eproc. cgstate. gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु का.अ. संभाग कोण्डागांव मो.नं. 8109135551 पर संपर्क करें।

S-44710/1 — उपायुक्त

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका — सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम — दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

हैदराबाद में आयोजित 'एस जयपाल रेड्डी लोकतंत्र पुरस्कार' समारोह

■ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पुरस्कार वितरित किए

हैदराबाद। आईसीएफएआई लॉ स्कूल और कैपिटल फाउंडेशन सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में हैदराबाद के ताज कृष्णा होटल में प्रतिष्ठित 'एस जयपाल रेड्डी लोकतंत्र पुरस्कार' समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा कि आज की राजनीति विचारधारा से हटकर त्वरित लाभ और निर्णयों की ओर बढ़ रही है, जिससे लोकतंत्र की जड़ें कमजोर हो रही हैं। ऐसे समय में जयपाल रेड्डी जैसे नेताओं की याद और उनके आदर्शों का अनुसरण करना जरूरी है। समारोह में एन. वेंकटरमन को परासरन पुरस्कार, डॉ. जीवी राव को सोली जे. सोराबजी पुरस्कार और पी. एच. अरविंद पांडियन को दीपांकर गुप्ता पुरस्कार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डॉ. सस्मित पात्रा को डॉ. बी. आर. आंबेडकर उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने 'भारत में संसदीय लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियां' विषय पर एक व्याख्यान भी दिया, जिसमें उन्होंने डॉ. अंबेडकर के विचारों को उद्धृत करते हुए लोकतंत्र में अच्छे प्रतिनिधियों की भूमिका को रेखांकित किया।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

निवेद चेस्ट & आई केयर — डॉ. देवी ज्योति दास, M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist); डॉ. नमित नंदे, MS Ophthalmology
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सिंघानिया स्किन केयर — सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre — रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com, त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified) — कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

अहलूवालिया हॉस्पिटल — 81031 28515, 0771-4050006 — नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं: • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल — छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन — एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन — एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001 फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ — मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

शाश्वत हॉस्पिटल — Dr. Vikas Mishra, Ophthalmologist & Phasco Surgon M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)
चश्में से आजादी: मोतियाबिंद का ऑपरेशन (बिना टांके) फेको पद्धति द्वारा। मोतियाबिंद का ऑपरेशन बिना इंजेक्शन (टॉपीकल फेको)। अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। अभ्याधुनिक तकनीक द्वारा चश्में की जांच।
टिम्बर भवन के सामने, मेन रोड, देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.), फोन : 0771-4060303, मो. 9753119900, www.shashwthospital.com

डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Vrinda Multispeciality Hospital — Chest & Allergy Centre — वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल — 50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल — 24 घंटे आपात चिकित्सा
उपलब्ध सुविधाएं: • जनरल मेडिसीन • छाती रोग • हृदय रोग • सांस एवं फेफड़ा रोग • दंत रोग • डायबिटीज • त्वचा रोग • प्रसूति एवं स्त्री रोग • बच्चों के रोग • जोड़ एवं हड्डी रोग • आंख, कान, गला रोग • जनरल सर्जरी • ऑन्कोलॉजी विभाग • यूरोलॉजी • फिजियोथेरेपी • सोनोग्राफी • डिजिटल एक्स-रे • सीटी स्कैन • क्रिटिकल केयर यूनिट • आईसीयू • ट्रॉमा केयर
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) 8962566221, 07714916125, 7223065604

डॉ. मनोज अग्रवाला — एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट) — स्किन क्लिनिक
सेवाएं: • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

परफेक्ट प्लेइंग इलेवन की खोज में भारत, शार्दुल और कंबोज पर सवाल

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है लेकिन ओल्ड ट्रैफर्ड में यादगार ड्रॉ हासिल करने के बावजूद भारत तीन दिन बाद ओवल में होने वाले पांचवें और अंतिम मैच से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश, खासकर सही गेंदबाजी संयोजन की तलाश में है।

भारत ने श्रृंखला के दौरान किसी विशेषज्ञ गेंदबाज की बजाय आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने को प्राथमिकता दी, जिस पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं, खासकर तब जब चोटिल नीतीश रेड्डी की जगह खेल रहे शार्दुल ठाकुर से ओल्ड ट्रैफर्ड में केवल 11 ओवर करवाए गए। लेकिन भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 2014 के बाद पहली बार 600 से अधिक रन दिए, इसलिए पिछले 40 दिन से बेंच पर बैठे हुए कुलदीप यादव जैसे विकेट लेने वाले गेंदबाज को टीम में शामिल करने का मामला पहले से कहीं अधिक मजबूत हो गया है।

भारत ने किसी विशेषज्ञ गेंदबाज की बजाय आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने को प्राथमिकता दी

तेज गेंदबाजों पर हो रही थकान हावी

अंशुल कंबोज का टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण अच्छा नहीं रहा और उनकी जगह पूरी तरह से फिट आकाशदीप या प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का सपना देख रहे होंगे। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हालांकि रविवार को ड्रॉ के बाद अपने चिरपरिचित आक्रामक लहजे में सभी तेज गेंदबाजों को फिट घोषित कर दिया, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि तेज गेंदबाज, विशेषकर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पर अब थकान हावी हो रही है।

कुलदीप को टीम में शामिल करने के लिए प्रयास : चौथे टेस्ट के दौरान भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने कहा, ' हम कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करने के लिए रास्ता तलाश रहे हैं लेकिन इसके लिए हमारे चोटी के छह बल्लेबाजों को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा, 'कुलदीप विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और इस समय वह बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, इसलिए हम उन्हें टीम में शामिल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। 'पहले की योजना के अनुसार बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत इस श्रृंखला के तीन टेस्ट मैच में ही खेलना है।

भारत चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ खेल सकता है

ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा भारत के शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल थे और इन दोनों ने अपने धैर्य का शानदार नमूना पेश करते हुए शतक लगाए और मैच को ड्रा करने में अहम भूमिका निभाई। यदि ओवल में भी यही तरीका अपनाया जाता है तो ध्रुव जुरेल सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आएंगे और भारत शार्दुल ठाकुर को बाहर करके चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ खेल सकता है। शार्दुल का वैसे भी एक गेंदबाज के रूप में पर्याप्त उपयोग नहीं किया जा रहा है। चौथे गेंदबाज के रूप में कुलदीप यादव को शामिल किया जा सकता है क्योंकि पिच से स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है या फिर एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को भी शामिल किया जा सकता है। भारतीय टीम प्रबंधन ने स्वयं स्वीकार किया है कि वह कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन आठवें नंबर तक बल्लेबाज रखने की रणनीति के कारण वह ऐसा नहीं कर पा रहा है।

हम यह दिखाने में सफल रहे कि हम महान टीम क्यों हैः गिल

मैनचेस्टर। भारतीय कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के आखिरी दिन ऐतिहासिक प्रदर्शन से हार टालने का विश्वास लोकेश राहुल के साथ उनकी साझेदारी से उपजा है और टीम ने ऐसा करके यह जता दिया वे 'महान टीम' क्यों है। भारतीय टीम ने पहली पारी में 311 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में बिना कोई रन बनाए दो विकेट गंवा दिए थे लेकिन गिल, रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम को हार से बचाया। इस परिणाम से भारत के पास अब पांच मैचों की श्रृंखला में बराबरी करने का मौका होगा। गिल ने कहा, '140 ओवर तक एक ही मानसिकता बनाए रखना बहुत चुनौतीपूर्ण है। एक अच्छी टीम और एक महान टीम में यही अंतर होता है। मुझे लगता है कि हमने आज यह दिखाया कि हम एक महान टीम हैं।' उन्होंने कहा, ' शून्य रन पर दो विकेट गंवाने के बाद मुझे लगता है कि मेरे और केएल (राहुल) भाई के बीच की साझेदारी ने उम्मीद जगा दी थी कि हम इस काम को कर सकते हैं। मैं बेहद, बेहद खुश हूं। जिस स्थिति में हम कल थे, वहां से ड्रॉ हासिल कर पाना बेहद संतोषजनक है।'

खबर संक्षेप

विश्व तैराकी चैंपियनशिपः फ्रीस्टाइल में 43वें स्थान पर रहे प्रकाश

सिंगापुर। भारत के अनुभवी तैराक साजन प्रकाश सोमवार को यहां विश्व तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। इस 31 वर्षीय बटरफ्लाई विशेषज्ञ ने 1:51.57 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में चौथा और कुल मिलाकर 43वां स्थान हासिल किया। शीर्ष 16 तैराक सेमीफाइनल में पहुंचे। रोमानिया के डेविड पोपोविसी ने 1:45.43 सेकंड के साथ हीट में सबसे तेज समय निकाला जबकि इटली के कार्लोस डी'अम्ब्रोसियो (1:46.67 सेकंड) सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले अंतिम तैराक रहे।

सीनियर ओपन में 24वें स्थान पर रहे अटवाल

लंदन। अर्जुन अटवाल छह बर्डी लगाने के बावजूद आईएसपीएस एचएएनडीए सीनियर ओपन गोल्फ के आखिरी दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेल कर संयुक्त 24वें स्थान पर रहे। वह चार दौर में 67-72-69-71 के कार्ड के साथ प्रतियोगिता में खेल रहे तीन भारतीयों में शीर्ष स्थान पर रहे। जीव मिल्खा सिंह (69) संयुक्त 56वें और ज्योति रंधावा (73) संयुक्त 61वें स्थान पर रहे।

डोल ओपन : ग्रैंडमास्टर पी. इनियान ने जीता खिताब

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी. इनियान ने पोलैंड के यान मालेक को टाइब्रेकर में हराकर दूसरा डोल ओपन अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिताब जीत लिया। फ्रांस में हुए टूर्नामेंट में दोनों खिलाड़ियों के 7.5 अंक रहने के बाद विजेता का निर्धारण टाइब्रेकर के आधार पर हुआ। तमिलनाडु के इरोड के रहने वाले इनियान पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहे।

इंग्लैंड टीम ने अंतिम टेस्ट के लिए ऑलराउंडर ओवरटन को किया शामिल

लंदन। तीन साल पहले अपने करियर का एकमात्र टेस्ट मैच खेलने वाले ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को भारत के खिलाफ गुरुवार से ओवल में शुरू हो रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। 31 वर्षीय ऑलराउंडर ने 2022 में लीड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना एकमात्र टेस्ट मैच खेला था, जिसमें उन्होंने दो विकेट लिए थे और 97 रन बनाए थे। उन्होंने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से तीन मैच खेले थे।

दिव्या देशमुख ग्रैंडमास्टर बनने वाली चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी

तीन दिन चला क्लासिकल चेस, दिव्या ने पहले रैपिड टाई-ब्रेकर में खेला ड्रॉ, दूसरे में जीती

एजेंसी ▶▶| बातुमी (जॉर्जिया)

जॉर्जिया के बातुमी में सोमवार को खेले गए फाइनल के टाईब्रेकर मुकाबले में दिव्या ने काले मोहरों से खेलते हुए हम्पी को हराया और फिडे महिला विश्व कप का ताज अपने नाम किया। तीन दिन तक चले क्लासिकल चेस के रोमांच ने फैंस को दांतों तले अंगुली चबाने पर मजबूर कर दिया। हम्पी और दिव्या देशमुख ने पहले रैपिड टाई-ब्रेकर में ड्रॉ खेला और फिर दिव्या ने दूसरे में जीत हासिल की। जीत हासिल कर दिव्या फूट फूटकर रो पड़ीं। दिव्या इस प्रतियोगिता में शीर्ष 10 में शामिल तीन खिलाड़ियों को हराकर उलटफेर कर चुकी हैं। उनका पहला शिकार चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त जिनर झू थीं। दिव्या ने सेमीफाइनल में चीन की पूर्व महिला विश्व चैंपियन झोंगयी टैन को हराया था।

भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल करते हुए हमवतन और अपने से कहीं अधिक अनुभवी कोनेरू हम्पी को टाईब्रेकर में हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीता। इस जीत से 19 साल की दिव्या ने ना सिर्फ यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता बल्कि साथ ही ग्रैंडमास्टर भी बन गईं, जो टूर्नामेंट की शुरुआत में असंभव लग रहा था। वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली सिर्फ चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी हैं।

टाईब्रेकर की पहली बाजी में दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका

सोमवार को समय नियंत्रित टाईब्रेकर की पहली बाजी में सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका लेकिन दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन को हराकर जीत दर्ज की। दिव्या अब हम्पी, डी. हरिका और आर. वैशाली के साथ देश की ग्रैंडमास्टर बनने वाली महिलाओं की सूची में शामिल हो गई हैं। हम्पी 38 साल की हैं और 2002 में ग्रैंडमास्टर बनीं जबकि दिव्या का जन्म 2005 में हुआ। दिव्या ऊर्जा से भरी थीं और उन्होंने शुरुआती टाईब्रेकर में हम्पी पर दबाव बनाए रखा और अपनी दिग्गज प्रतिद्वंद्वी को थका दिया और फिर दूसरे टाईब्रेकर में जीत दर्ज की।

उपलब्धि

- 2022 भारतीय महिला शतरंज चैंपियन
- 2023 में एशियाई महिला चैंपियन
- 2024 में विश्व अंडर20 बालिका चैंपियन

दो क्लासिकल बाजी ड्रॉ होने के बाद पहला समूह साबित हुआ निर्णायक

हम्पी ने खो दिया था अपना संयम

नागपुर की इस खिलाड़ी ने शनिवार और रविवार को खेले गए दो क्लासिकल मुकाबलों के ड्रॉ होने के बाद टाईब्रेकर में जीत दर्ज की। दो क्लासिकल बाजी ड्रॉ होने के बाद टाईब्रेकर का पहला समूह निर्णायक साबित हुआ, जिसमें हम्पी ने अपना संयम खो दिया। विश्व कप और महिला विश्व चैंपियनशिप को छोड़कर हम्पी ने अंतरराष्ट्रीय शतरंजमें सब कुछ जीता है लेकिन किस्मत या फिर अपने धैर्य के कारण विश्व कप खिताब जीतने में नाकाम रही हैं।दिव्या ने दृढ़ निश्चय दिखाया और इस जज्बे का बोनस ग्रैंडमास्टर खिताब था, जो इस प्रतियोगिता के चैंपियन के लिए आरक्षित था।

दूसरी बाजी रही आक्रमक

दूसरी बाजी में हम्पी ने कैटलन ओपनिंग का इस्तेमाल किया और दिव्या फिर से अच्छी तरह तैयार थीं। हम्पी ने 40वीं चाल में अपना आपा खो दिया और प्यादों को गंवाकर विरोधी खिलाड़ी पर आक्रमण करने की कोशिश की। दिव्या को हालांकि इससे अधिक मुश्किल नहीं हुई। यह दिव्या का दिन था क्योंकि हम्पी के पास फिर से समय की कमी थी और उन्होंने फिर से गलती की, जिससे सैद्धांतिक रूप से दिव्या की जीत की स्थिति बन गई। इस बाजी में दिव्या की किस्मत लंबे समय तक बराबरी और जीत के बीच झूलती रही, जिसके बाद नागपुर की इस लड़की ने बाजी मार ली।

दिव्या ने किया पेट्रॉफ डिफेंस का इस्तेमाल

पेट्रॉफ डिफेंस का इस्तेमाल करते हुए दिव्या ने हम्पी को पहली टाईब्रेक बाजी में बेहतर स्थिति में होने का मौका दे दिया था। हम्पी ने हालांकि समय के दबाव में गलती की और जल्द ही वह ऐसी स्थिति में पहुंच गईं, जहां उनके पास दिव्या की रानी के खिलाफ एक रूक (हाथी), बिशप (ऊंट) और एक पॉन (प्यादा) था। हालांकि स्थिति लगभग बराबरी की रही और अंत में हम्पी ने आसानी से ड्रॉ कर लिया।

जीत के बाद कहा, अब मैं ग्रैंडमास्टर हूं

यह जीत ऐसे समय में मिली है जब भारत ने पुरुष शतरंज में काफी सफलता हासिल की है, जिसमें विश्व चैंपियन डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंदा और अर्जुन एरिगेसी जैसे खिलाड़ी लगातार अच्छे परिणाम दे रहे हैं। अपने से दोगुनी उम्र की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत के बाद भावुक दिव्या अपने आंसू नहीं रोक पाईं। हम्पी ने दिव्या के खिलाफ हारने से पहले आखिर तक संघर्ष किया। दिव्या ने कहा, 'मुझे इसे (जीत को) समझने के लिए समय चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियति की बात थी कि मुझे इस तरह ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला क्योंकि इस (टूर्नामेंट) से पहले मेरे पास एक भी (ग्रैंडमास्टर) नॉर्म नहीं था और अब मैं ग्रैंडमास्टर हूं।

इनामी राशि 43 लाख रुपए

इस शानदार जीत के साथ ही दिव्या देशमुख भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं। ग्रैंडमास्टर की उपाधि शतरंज की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित मानी जाती है और इसे हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक होता है। इस जीत के बाद दिव्या को इनामी राशि के रूप में लगभग 43 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं हम्पी को करीब 30 लाख रुपए मिलेंगे।

पांच साल की उम्र से खेल रहीं शतरंज

9 दिसंबर 2005 को नागपुर में जन्मीं दिव्या ने पांच साल की उम्र से शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उनके माता-पिता डॉक्टर हैं। उनके पिता का नाम जितेंद्र और माता का नाम नम्रता है। दिव्या ने 2012 में सात साल की उम्र में अंडर-7 नेशनल चैंपियनशिप जीती। इसके बाद उन्होंने अंडर-10 (डरबन, 2014) और अंडर-12 (ब्राजील, 2017) कैटेगरी में विश्व युवा खिताब भी जीते। इसके बाद 2014 में डरबन में आयोजित अंडर-10 वर्ल्ड यूथ टाइटल और 2017 में ब्राजील में अंडर-12 कैटेगरी में भी खिताब अपने नाम किए।

दिव्या ने 2023 में इंटरनेशनल मास्टर का खिताब भी प्राप्त कर लिया। 2024 में उन्होंने विश्व जूनियर गर्ल्स अंडर-20 चैंपियनशिप में भी परचम लहराया, जहां उन्होंने 11 में से 10 अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके अलावा, 45वें चेस ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में भी उनकी अहम भूमिका रही।

मकाऊ ओपन

सात्विक-चिराग की निगाहें खिताब तथा लक्ष्य और प्रणय की फॉर्म में वापसी पर

एजेंसी ▶▶| मकाऊ

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी रखते हुए सत्र का पहला खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेगी।

एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने पिछले सप्ताह चाइना ओपन सुपर 1000 में एक बार फिर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उन्हें मलेशिया के दूसरे वरीय आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह अभी तक खिताब नहीं जीत पाए हैं। उन्होंने इंडिया ओपन, सिंगापुर ओपन और मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के अलावा इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई। मकाऊ ओपन के शुरुआती दौर में उनका सामना लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग की मलेशियाई जोड़ी से होगा।

लक्ष्य सेन का पहला मुकाबला जियोन ह्योक जिन से

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन विश्व चैंपियनशिप से पहले अपनी लय फिर से हासिल करने की उम्मीद करेंगे। सेन का पहला मुकाबला कोरिया के जियोन ह्योक जिन से होगा। इस बीच 2023 के विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय चाइना ओपन के दूसरे दौर में बाहर होने के बाद वापसी की कोशिश करेंगे। वह अपने अभियान की शुरुआत क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे। सातवीं वरीयता प्राप्त किशोर खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी सभी की नजरों में होंगे, जिन्होंने पिछले महीने अमेरिकी ओपन सुपर 300 में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता था। पहले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे के हुआंग यू काई से होगा।विश्व विश्वविद्यालय खेलों की मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाले सतीश कुमार करुणाकरण बीडब्ल्यूएफ टूर में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। उनका पहला मुकाबला मलेशिया के जस्टिन होह से होगा।

डीसी ओपन : लेयला फर्नांडीज और मिनौर ने जीता खिताब

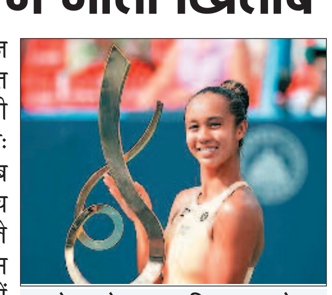

■ लेयला ने अन्ना कालिन्स्काया को 6-1, 6-2 से हराया

वाशिंगटन। लेयला फर्नांडीज और एलेक्स डी मिनौर ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग का खिताब जीता। कनाडा की 22 वर्षीय खिलाड़ी फर्नांडीज ने अगले महीने होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में अन्ना कालिन्स्काया को 6-1, 6-2 से हराया। अमेरिकी ओपन 2021 की उपविजेता फर्नांडीज ने अपनी चौथी एकल ट्रॉफी जीती। उन्होंने अपनी सभी ट्रॉफी हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंटों में जीती हैं। यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने किसी डब्ल्यूटीए 500 प्रतियोगिता में खिताब जीता। पुरुष वर्ग में सातवें वरीय एलेक्स डी मिनौर ने फाइनल में तीन चैंपियनशिप अंक बचाकर 12वें नंबर के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना पर 5-7, 6-1, 7-6 (3) की जीत के साथ अपना 10वां एटीपी और हार्ड कोर्ट पर आठवां खिताब जीता। ऑस्ट्रेलिया का यह 26 वर्षीय खिलाड़ी 2018 में डीसी ओपन में उपविजेता रहा था।

नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

मॉन्ट्रियल। नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कनाडा की बियांका आंद्रेस्कू, मॉन्ट्रियल में चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा के खिलाफ अपने पहले दौर के मैच के दौरान प्रतिक्रिया व्यक्त करती हुई।

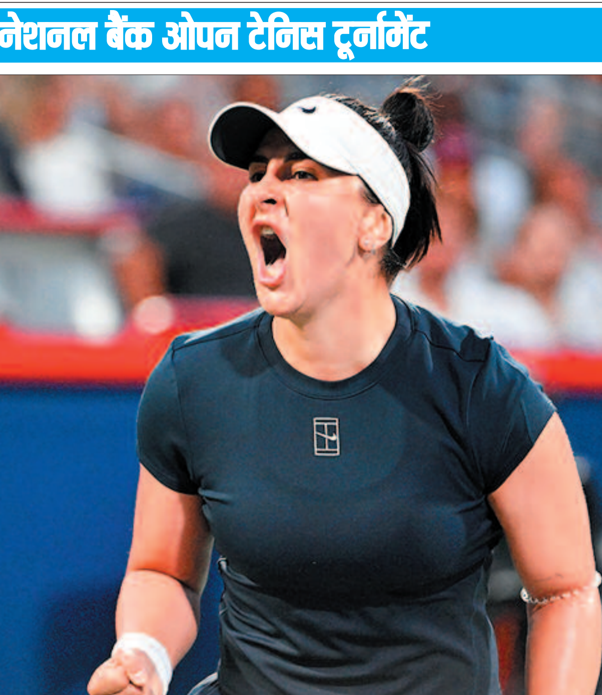

यूरो महिला 2025: टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई स्पेन की ऐताना बोनमाटी

इंग्लैंड की बादशाहत कायम, स्पेन एक कदम पीछे

एजेंसी ▶▶| बासेल

गत विजेता इंग्लैंड ने विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से पराजित करके लगातार दूसरी बार महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) का खिताब जीता।

इंग्लैंड ने इस तरह से स्पेन से विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। स्पेन खिताबी हैट्रिक पूरी करने में नाकाम रहा। उसने विश्व कप के अलावा 2024 में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब भी जीता था। स्पेन ने मैरियोना काल्डेन्ते के 25वें मिनट में हेडर से किए गए गोल से बढ़त बनाई। इंग्लैंड की तरफ से एलेसिया रुस्सो ने 57वें मिनट में हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इससे अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा।

■ इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट के जरिए 3-1 से स्पेन को दी शिकस्त

स्पेन का खिताबी हैट्रिक पूरा करने का सपना टूटा

स्पेन की टीम इस मुकाबले को जीतकर फीफा वर्ल्ड कप 2023 और यूईएफए नेशंस लीग 2024 के बाद अपनी खिताबी हैट्रिक पूरी करने के इरादे से उतरी थी। हालांकि, इंग्लैंड की दमदार रणनीति और गोलकीपर हन्ना हैम्पटन के बेहतरीन प्रदर्शन ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

शूटआउट में इंग्लैंड ने दिखाया दम

पेनल्टी शूटआउट में इंग्लैंड की गोलकीपर हन्ना हैम्पटन ने मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने स्पेन की दो अहम पेनल्टी को बचाकर अपनी टीम को खिताब दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। इनमें एक किक स्पेन की स्टार खिलाड़ी ऐताना बोनमाटी की थी, जिन्हें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इसके अलावा मैरियोना काल्डेन्ते की पेनल्टी भी हैम्पटन ने शानदार तरीके से रोकी।

बेहतर खेल ही काफी नहीं

टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी स्पेन की ऐताना बोनमाटी चुनी गई। हार के बाद ऐताना बोनमाटी ने कहा कि हम टूर्नामेंट की सबसे अच्छी टीम थे, लेकिन कभी-कभी सिर्फ बेहतर खेल ही काफी नहीं होता। अब हमारी नजरें 2027 में ब्राजील में होने वाले अगले वर्ल्ड कप पर हैं।

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

छत्तीसगढ़ की साहित्यिक उर्वर धरा ने हिंदी और छत्तीसगढ़ी साहित्य को कई नामचीन और श्रेष्ठ साहित्यकार दिए। आचार्य पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, डॉ.बलदेव प्रसाद मिश्र, कुंजबिहारी चौबे, मुकुटधर पांडेय जैसे शीर्षस्थ साहित्यकारों की श्रेणी में एक और नाम महाकवि कपिलनाथ कश्यप का है। कपिलनाथ जी सही अर्थों में धरती पुत्र थे । इस मिट्टी की महक कश्यप जी के व्यक्तित्व और कृतित्व में समाहित हो गई थी। छत्तीसगढ़ की स्वस्थ साहित्यिक परंपरा के सही प्रतिनिधि के रूप में आपके साहित्य का मूल्यांकन किया जा सकता है। कश्यप जी का पूरा जीवन उतार चढ़ाव से परिपूर्ण रहा। तमाम उतार-चढ़ाव के बीच साहित्य साधना के पथ से विचलित नहीं हुए।

छत्तीसगढ़ी के पहले महाकवि

कपिलनाथ कश्यप

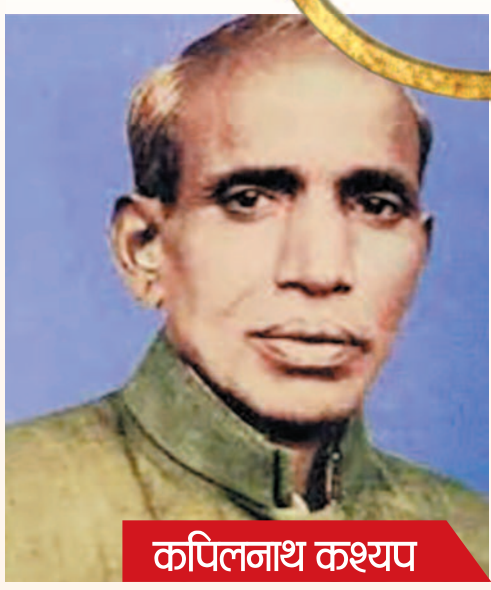

कपिलनाथ कश्यप

पवना गांव में जन्म

मार्च 1906 को पिता शोभनाथ कश्यप और माता चंद्रावत के घर जांजगीर जिले के पवना गांव में साहित्य का यह सूर्य उदित हुआ। भाई बहनों में कपिलनाथ जी सबसे छोटे थे। भाई-बहनों में लीला बाई, कलानाथ, हीरालाल, अजीतनाथ, पीलाबाई, गंगाबाई थे । सामान्य कृषक परिवार में जन्मे कपिलनाथ के जीवन का आदर्श वाक्य सादा जीवन उन्नत विचार था । कपिलनाथ जी की प्रारंभिक शिक्षा बड़े भाई हीरालाल जी के सानिध्य में हुई। प्रारंभिक शिक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सहपाठी और ममेरे भाई लटीराम की अनायास मृत्यु से उनका संबल टूट गया बालक मन में संसार के लिए विरक्ति का भाव पैदा हो गया ।

तमाम उतार चढ़ाव के बीच शिक्षा

कपिलनाथ जी की शिक्षा पारिवारिक कारणों से कई बार प्रभावित हुई थी इलाहाबाद पढ़ने के लिए गए तो माता चंद्रावत का निधन हो गया। विद्यार्थी जीवन में कई बार ऐसा समय आया जब करीब करीब पढ़ाई छूट ही गई थी लेकिन मित्रों का सहयोग उन तकलीफ के क्षणों में भी काम आया। 8वीं की परीक्षा में नाकाम रहने के बाद कुछ समय तक गांव में जाकर रहना पड़ा। पढ़ाई फिर से शुरु हो सके इसके लिए कश्यप जी प्रयत्नशील रहे। पवना गांव के मालगुजार काशीप्रसाद के बेटे ज्वालाप्रसाद के साथ कश्यप जी को इलाहाबाद जाने का मौका मिला। वहां पंडा महावीर प्रसाद और उनकी पत्नी सीता की स्नेहिल भावना ने आगे पढ़ाई के लिए सहयोग दिया। असहयोग आंदोलन में भाग लेने के कारण आपको भटकना पड़ा। चार-छह महीने के बाद ज्वालाप्रसाद लौट गये, लेकिन लगन, मेहनत से गरीबी के बीच कपिलनाथ जी ने अपना अध्ययन जारी रखा इन्हीं गुणों के कारण आपके दो सहपाठियों देवकीनंदन पाण्डेय और जयराम जगमल से आर्थिक सहयोग भी मिला।

साथ निभाने वाली पत्नी

1924 में विवाह और 1931 में गौना हुआ। कम उम्र में विवाह होने के बाद भी कपिलनाथ जी अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए काफी सजग रहे। जीवन भर सांसारिक परेशानियों से जूझते रहे इस दौरान पत्नी कैलाश बाई कश्यप ने भरपूर साथ दिया । कैलाश बाई पढ़ी-लिखी नहीं थी लेकिन धर्मिक होने के कारण धार्मिक ग्रंथों पर आधारित रामायण, महाभारत, कृष्ण कथा, श्रीमद्भागवद् गीता का ज्ञान था। इसलिए वे छत्तीसगढ़ी में ग्रंथ लिखने के लिए हमेशा प्रेरित किया करती थी। उन्हीं की प्रेरणा से कश्यप जी ने छत्तीसगढ़ी में महाकाव्यों, खंडकाव्य, कहानी निबंध, नाटक, एकांकी में लेखन शुरु किया। सेवा भावना होने के कारण कश्यप जी के साहित्यकार मित्रों की आवभगत में सदैव तत्पर रहती थी ।

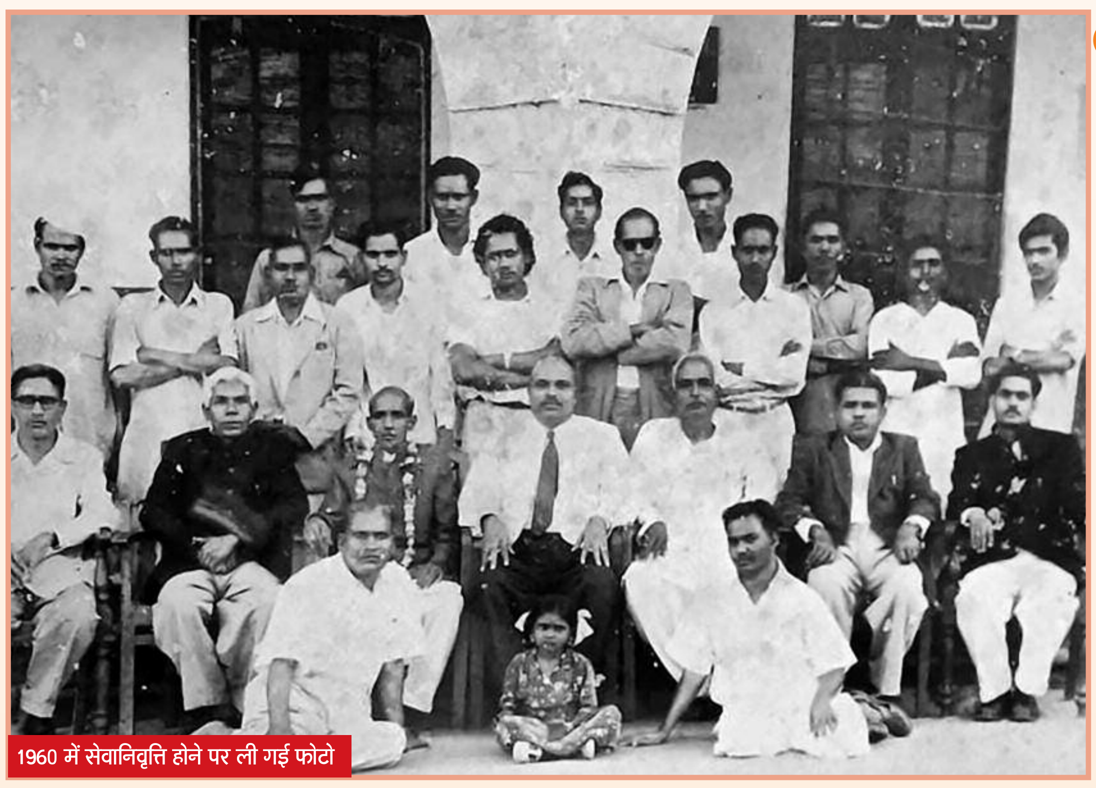

1960 में सेवानिवृत्ति होने पर ली गई फोटो

सृजन को नया आयाम

कश्यप जी हिन्दी के कवि थे लेकिन वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विनय कुमार पाठक के सम्पर्क में आकर छत्तीसगढ़ी में लेखन की शुरुआत की कश्यप जी ने अपने हृदय के भावों व माटी की सौंधी महक को काव्य सृजन का विषय बनाया। छत्तीसगढ़ी में महाकाव्य, खण्डकाव्य, कहानी, एकांकी, निबंध आत्मकथा लिखकर हिन्दी साहित्य के साथ साथ छत्तीसगढ़ी साहित्य को समृद्ध बनाया। छत्तीसगढ़ी में श्रीराम कथा श्रीकृष्ण कथा, महाभारत महाकाव्य की रचना की। श्रीमद्भागवत गीता का भावानुवाद खण्डकाव्य में हीराकुमार, सीता के अग्नि परीक्षा, महादेव के बिहाव, नारद मोह आदि। है साथ ही कहानी संग्रह में डहर के काँटा, डहर के फूल ने पाठक वर्ग में सम्मान पाया। कश्यप जी की एकांकियों में अंधियारी रात, नावा बिहान, गोहार, गुरावंट विहा, ये पापी पेट, ,मन के भरम, किसान अऊ भगवान, दू मूठा चाऊर, ग्राम सुधार शामिल है। इसी तरह गीत संग्रह में अब तो जागो रे , गजरा गीत शामिल है। छत्तीसगढ़ी में कश्यप जी की आत्मकथा मोर आत्मकथा भी पठनीय है।

साहित्य सृजन में माटी की महक

सन-1945 में चांदा जिला बरार नागपुर में राजस्व में नौकरी के दौरान। कुर्सी में बैठ हुए।

बड़े भाई हीरालाल और मित्र फागू राम मिश्र

महाकवि कश्यप जी ने अपनी लेखनी से छत्तीसगढ़ की माटी को महकाया । छत्तीसगढ़ी साहित्य में महाकाव्य की न्यूनता को तीन महाकाव्य प्रदान कर पूरा किया और पहले महाकवि के रूप में प्रतिष्ठित हुए। कश्यप जी की रचनाओं में छत्तीसगढ़ की संस्कृति, लोक जीवन ,लोक व्यवहार और परम्पराओं का जीवंत झलक देखने को मिलती है। पढ़ाई-लिखाई के दौरान ही आपकी अध्ययनशीलता उत्कट लालसा अदम्य साहस व आत्मविश्वास ने आपको मजबूत बना दिया था। आपने अंचल की सोंधी सुवास को मिश्रित कर अपनी बोली और भाषा में अभिव्यक्ति प्रदान करते हुए साहित्य साधना में लीन रहे जब कश्यप जी को नौकरी के दौरान समय मिलता वे लेखन में जुट जाते । अपनी सरकारी नौकरी के दौरान ही वैदेही विछोह, बावरी राधा जैसे अनेक हिन्दी खण्डकाव्य का सृजन किया।

श्री रामकथा के प्रमुख भागों को छत्तीसगढ़ विभागीय हिंदी-साहित्य सम्मेलन ने सन 1975 में प्रकाशित किया और जिसे मध्यप्रदेश शासन साहित्य परिषद ने ईसुरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ी साहित्य का यह प्रथम प्रकाशित महाकाव्य है। रामचन्द्र जी के बचपन के वर्णन में कवि भाव-विभोर हो उठते हैं

लाम डिठौना करिया काजर आंज लगानें
देख-देख महतारी मन अब्बड़ सुख पानें
आरे कौआ बाबू मन ला खेल खेलाबे
मोहन भोग मीठ रोटी खाये वर पाबे
अइसन कह-कह दाई मन ओला दुलरावें
रोटी-पीठा रकम रकम के रोज खवानें पिवरा
अंग ला रुनझुन बाजै पांव पंजनिया
महतारी मन रोज सँवारै साँझ-विहनिया

श्री कृष्ण कथा कश्यप जी का लिखा हुआ दूसरा महाकाव्य है जिसका आधार सुखसागर और विश्रामसागर है। इस महाकाव्य की भूमिका में मूर्धन्य साहित्यकार पंडित मुकुटधर पांडेय ने लिखा कि छत्तीसगढ़ी में कृष्ण-चरित्र के एक-आध अंश दानलीला" आदि के रूप में मिलते है लेकिन संपूर्ण कृष्ण-चरित्र ग्रंथ लिखा नहीं गया था । इस कमी को कश्यप जी की इस रचना ने पूरा किया । कपिलनाथ जी ने सीता के अगनी परीच्छा और हीराकुमार महादेव पारवती के बिहाव,नारद मोह नाम से खण्डकाव्यों का सृजन किया है। सीता के अगनी परीच्छा में वे आहत होकर लिखते है कि

तिरिया के महिमा ला काबर, कउनो समझ न पाइन ।
सीता अस पतिबरता के, अंचरा मा दोस लगाइन ।।
जेकर रहिस महा सरधानित, चरण कमल मा पति के रहिस
प्रान भंवरी कस जेकर, संकट सह सह अटके ।।

छत्तीसगढ़ी को तीन महाकाव्य प्रदान कर कश्यप जी छत्तीसगढ़ी-साहित्य-संसार में अमर हो गए। भाषा पर कश्यप जी का जबरदस्त अधिकार था ।उनके साहित्य में भाषा भाव के सांचे में ढली प्रतीत होती है। पं. मुकुटधर पाण्डेय एक जगह लिखते हैं कि कश्यप जी की भाषा मंजी हुई मुहावरेदार और प्रवाहयुक्त है। छंद विविध प्रकार के प्रयुक्त हुए हैं। विभंगी छंद का छत्तीसगढ़ी में प्रयोग पहली बार देखने में आया है ।

जन के मन को छूने वाली कहानियां

कश्यप जी ने डहर के कांटा और डहर के फूल लिखी थी डहर के कांटा में दस कहानियाँ संकलित है, जबकि डहर के फूल में नौ कहानियां। डहर के कांटा नामानुरूप जीवन-पथ पर विकीर्ण वे कांटे हैं, जिनसे समाज का विकास अवरुद्ध हो रहा है। डहर के फूल अपने नाम के मुताबिक वे सुन्दर पुष्प हैं जो समाज को अपनी खूशबू से महका देते हैं और आनंद उल्लास से भर देते है डहर के कांटा₹ समाज का विकास अवरुद्ध करता है, तो डहर के फूल उसे विकसित करने और युग के अनुरुप संचालित करने की प्रेरणा देता है छत्तीसगढ़ी-

मध्यप्रदेश साहित्य परिषद
प्रशस्ति-पत्र

कहानी हिंदी-कहानी से पृथक अस्तित्व रखती है। कश्यप जी की कहानियां इसी तथ्य को चरितार्थ करती है। हालांकि कश्यप जी की कहानियां हिंदी कहानी के आधुनिक रूप को स्पर्श नहीं कर पाई हैं, लेकिन भाषा शैली और आंचलिक रूप को उजागर करने की दृष्टि से उल्लेखनीय स्थान रखती है। कश्यप जी के निबंध अब तक के प्रकाशित-अप्रकाशित छत्तीसगढ़ी निबंधों में अद्वितीय और छत्तीसगढी भाषा के मानक रूप हैं। 1968 में कन्नौजिया कुर्मी क्षत्रिय समाज के लिए आचार संहिता लिखकर समाज को नई दिशा दी। जीवन के आखिरी दिनों में कश्यप जी अस्थमा से परेशान रहे। भिलाई स्थित सेक्टर-9 अस्पताल में डॉ. जैन के पास इलाज हुआ, लेकिन नियति को कुछ और मंजूर था। 2 मार्च 1985 की सुबह कश्यप जी इस नश्वर संसार को छोड़कर चले गए।

शनिवार को रामायण का पाठ करवाया करते थे

मेरे पिताजी बचपन से ही शिक्षा के प्रति अत्यंत समर्पित रहे। वे केवल स्वयं अध्ययन में रुचि नहीं रखते थे, बल्कि अपने आस-पास के सभी बच्चों को पढ़ाने के लिए सदैव उत्सुक रहते थे। वे हम सभी बच्चों को हिंदी और अंग्रेजी व्याकरण के साथ-साथ संस्कृत और गणित भी बड़े ही सरल और रोचक ढंग से पढ़ाया करते थे। हर शनिवार को रामायण का सामूहिक पाठ करवाया करते थे। -शकुंतला, बेटी

50 से अधिक विभिन्न विषयों पर लेखन

प्रसिद्ध साहित्यकार कपिलनाथ कश्यप का जन्म जांजगीर जिले के एक छोटे से गांव में एक साधारण किसान परिवार में हुआ। उन्होंने जीवन की प्रारंभिक कठिनाइयों और विविध अभावों का सामना करते हुए भी ज्ञान और साहित्य की राह नहीं छोड़ी। हिंदी और छत्तीसगढ़ी दोनों भाषाओं में 50 से अधिक विभिन्न विषयों पर लेखन कार्य किया।

-सोमनाथ यादव, वरिष्ठ साहित्यकार

साहित्य के एकांत साधक थे कश्यप जी

मेरे लिए खुशी की बात है कि कश्यप जी ने मेरे सुझाव पर उन्होने श्रीराम कथा का प्रणयन किया । इस रचना पर पहला इसुरी पुरस्कार भी कश्यप जी को मिला था । कश्यप जी ने तीन महाकाव्यों की रचना की । कश्यप जी एकांत साधक थे इनकी कृतियों में वजन था और समाज के लिए संदेश था । साहित्य की हर विधा में लेखनी चलाई । छत्तीसगढ़ी साहित्य के जरिए यहां की जनता की तकलीफों को सामने लाए। -डॉ.विनय कुमार पाठक , वरिष्ठ साहित्यकार

आज रात 7.55 बजे

देश में छत्तीसगढी को नई पहचान दिलाई

कश्यप जी के साहित्य ने अलग पहचान बनाई। पूरे देश में छत्तीसगढी को नई पहचान मिली । ये हमारे लिए गौरव का विषय है । कश्यप जी का जीवन विविधताओं से भरा रहा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के साथ सरकारी नौकरी की साथ ही साहित्य रचकर विशिष्ठ पहचान बनाई ।

-अमर अग्रवाल
वरिष्ठ भाजपा विधायक, पूर्व मंत्री

कश्यप जी का छत्तीसगढ़िया होना हमारे लिए गर्व की बात

हमारे लिए ये गर्व का विषय है कि कपिलनाथ कश्यपजी का जन्म हमारे छत्तीसगढ के जांजगीर चांपा में हुआ। अंग्रेजी शासनकाल में राजस्व निरीक्षक रहते हुए कश्यपजी ने अपना लेखन जारी रखा। हिंदी और छत्तीसगढ़ी दोनों में साहित्य रचा । मैं उनको नमन रखता हूं।

-सुनील सोनी
भाजपा विधायक

कश्यप जी साहित्य की हर विधा में पारंगत थे

कश्यपजी का हिंदी के साथ साथ छत्तीसगढी पर भी समान अधिकार था । साहित्य की हर विधा में पारंगत थे । उन्होंने महाकाव्य लिखे साथ ही खंडकाव्य भी लिखे । कश्यप जी अपने जीवनकाल में कभी पुरुस्कारों के पीछे भागे नहीं । अपने साहित्य सृजन भी उन्होंने ध्यान केंद्रित रखा।

-पद्मश्री अनुज शर्मा,
भाजपा विधायक, अभिनेता

छत्तीसगढ़ी को समृद्ध करने में भी महत्वपूर्ण योगदान

कपिलनाथ कश्यप जी न केवल एक संवेदनशील साहित्यकार रहे हैं, बल्कि उन्होंने छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति को समृद्ध करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने हिंदी की अनेक कालजयी और चर्चित कविताओं का छत्तीसगढ़ी में रूपांतरण कर जो कार्य किया है, वह अत्यंत उल्लेखनीय है। यह न केवल भाषाई सेतु का कार्य करता है, बल्कि छत्तीसगढ़ी भाषा को साहित्यिक ऊंचाइयों तक ले जाने का एक सशक्त प्रयास भी है।

- पुरंदर मिश्रा, विधायक, भाजपा

साहित्य साधना और समाज सेवा का प्रेरणास्रोत

कपिलनाथ कश्यप जी अकलतरा क्षेत्र के एक सामान्य गांव से संबंध रखते थे। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने के बावजूद उन्होंने अपने जीवन में असाधारण कार्य किए। शासकीय सेवा के दौरान उन्होंने न केवल अपने कर्तव्यों का निष्ठा से पालन किया, बल्कि साहित्य के क्षेत्र में भी अपनी विशेष पहचान बनाई।

-मोतीलाल साहू
विधायक, भाजपा

मेहनती और जिज्ञासु स्वभाव के थे पिता जी

पिता जी बचपन से ही सरल, मेहनती और जिज्ञासु स्वभाव के थे। अपने बड़े भाई स्वर्गीय हीरालाल कश्यप की छत्रछाया में रहते हुए उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा जांजगीर के स्कूलों में प्राप्त की। जब वे हाईस्कूल में प्रवेश लेने पहुंचे, तो विद्यालय के प्रिंसिपल ने उन्हें नौवीं कक्षा के बजाय एक कक्षा पीछे दाखिला लेने का सुझाव दिया। लेकिन कश्यप जी के दृढ़ संकल्प को देखते हुए अंततः उन्हें नौवीं कक्षा में ही प्रवेश दे दिया गया।

-गणेश प्रसाद कश्यप, पुत्र

चंद्रशेखर आजाद से कुछ क्षण की मुलाकात

दादा जी 27 फरवरी 1931 की एक घटना को हमेशा सुनाया करते थे। इलाहाबाद में जब वे महाविद्यालय से लौट रहे थे, तो रास्ते में उनकी मुलाकात चंद्रशेखर आजाद से हुई। आजाद जी ने उनसे कहा मेरे पीछे पुलिस लगी हुई है, उन्हें कुछ मत बताना। दादा जी ने वादा निभाया, लेकिन पुलिस की एक टुकड़ी अल्फ्रेड पार्क पहुंच गई। और फिर कुछ देर बाद खुद को गोली मार ली।

- अरविंद कुमार कश्यप, पौत्र

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com